page 1 and 8 may 12_page 1 Mar 25 final ds.qxd 5/12/2026 1:40 AM Page 1

3 उपराज्यपाल सिन्हा ने श्रीनगर में राष्ट्रीय युवा महोत्सव - आरोहन 2026 का किया उद्घाटन

5 स्पिन व तेज गेंदबाजों के कंबिनेशन के साथ मैदान में उतरेगा पंजाब : जेम्स होप

8 मजदूर, किसान और गांव; तीनों को ताकत देगा नया ग्रामीण रोजगार कानून- शिवराज

मौसम जम्मू — न्यूनतम 27, अधिकतम 39

epaper.dehatsandesh.com

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-114 | जम्मू तवी, मंगलवार 12 मई, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

सोमनाथ मंदिर ने सदैव पूरे राष्ट्र में नई संभावनाओं को जागृत किया है और नए भारत की नींव रखी है : उपराज्यपाल

उपराज्यपाल ने सोमनाथ स्वाभिमान पर्व पर की पूजा-अर्चना, जन कार्यक्रम में भी हुए शामिल

श्रीनगर, 11 मई। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के पावन अवसर पर पूजा-अर्चना की। यह आयोजन 1,000 वर्षों की अटूट आस्था और अदम्य संकल्प के उत्सव के रूप में मनाया गया। उपराज्यपाल ने लोक भवन में आयोजित जनसभा कार्यक्रम में भी भाग लिया।

उपराज्यपाल ने कहा कि आक्रांताओं के अनगिनत अत्याचारों और आक्रमणों के बावजूद सोमनाथ भारत को नई ऊंचाइयों की ओर ले जाने वाला प्रेरणा स्रोत बना रहा है। उन्होंने कहा,11 मई 1951 को पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा से लेकर आज तक यह आस्था का केंद्र हर भारतीय के भीतर गहरी चेतना जगाता रहा है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि भगवान सोमनाथ का आशीर्वाद हमें नए संकल्प के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता रहेगा। उपराज्यपाल ने कहा कि सोमनाथ मंदिर ने सदैव पूरे राष्ट्र में नई संभावनाओं को जागृत किया है और नए भारत की मजबूत नींव रखी है। उन्होंने कहा,सोमनाथ भारत की समृद्ध आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत का उत्सव है।

सोमनाथ हमारी भूमि की दिव्यता का प्रतीक है। सोमनाथ अनंत प्रार्थना है। सोमनाथ हमारी संस्कृति से अविभाज्य है और उसकी पवित्रता हर भारतीय के हृदय में बसती है। उपराज्यपाल ने कहा कि सोमनाथ हमारी सनातन संस्कृति के अस्तित्व का मूल आधार है और उसकी पवित्रता प्रत्येक भारतीय की आत्मा से जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा,सोमनाथ भारत की दिव्यता है। सोमनाथ समर्पण है। सोमनाथ भक्ति है। सोमनाथ अनंत प्रार्थना है। सोमनाथ सत्य की प्यास है। सोमनाथ संतों के तेजस्वी प्रकाश का प्रतीक है। सोमनाथ हमारा गौरव है। सोमनाथ हमारी शक्ति है। उपराज्यपाल ने कहा कि विश्व में ऐसा कोई अन्य मंदिर या तीर्थस्थल नहीं है जिसे 17 बार लूटा और ध्वस्त किया गया हो तथा जो हर बार पुनः पूर्ण वैभव के साथ खड़ा हुआ हो। उन्होंने कहा,सोमनाथ मंदिर इसका सर्वोच्च उदाहरण है। महमूद गजनवी से लेकर अलाउद्दीन खिलजी और जफर खान तक अनेक आक्रांताओं और शासकों ने इस मंदिर को बार-बार लूटा और ध्वस्त किया। लेकिन बार-बार विनाश के बावजूद सोमनाथ हमारी सामूहिक चेतना में जीवित रहा और बाद में अनेक महान राजाओं द्वारा पुनर्निर्मित किया गया। इस अवसर पर मैं उन महान विभूतियों को नमन करता हूं जिन्होंने विभिन्न रूपों में सोमनाथ की सनातन पवित्रता को बनाए रखा और आक्रमणकारियों से मंदिर की रक्षा के लिए दृढ़ता से खड़े रहे। मैं भीम देव, जयपाल, आनंदपाल और महाराजा धारसेन को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। साथ ही मैं लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल को भी श्रद्धापूर्वक नमन करता हूं, जिन्होंने स्वतंत्रता के बाद 12 नवंबर 1947 को मंदिर के पुनर्निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया और 11 मई 1951 को तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा संपन्न कराई। उपराज्यपाल ने कहा कि सोमनाथ मंदिर की अमरता हमें प्रेरित करती है कि हम राष्ट्र की संपूर्ण शक्ति को सृजन में लगाएं, अतीत से प्रेरणा लें और उसे जीवन की आधारशिला बनाकर भारत के स्वर्णिम भविष्य का निर्माण करें।

लद्दाख के उपराज्यपाल ने पांच नए जिलों के संचालन हेतु केंद्र शासित प्रदेश स्तरीय समिति को मंजूरी दी

लेह, 11 मई । पिछले महीने लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश में ऐतिहासिक रूप से पांच नए जिलों के गठन के बाद लद्दाख के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने नवगठित जिलों के प्रभावी और कुशल संचालन से संबंधित उपायों की जांच और सिफारिश करने के लिए एक केंद्र शासित प्रदेश स्तरीय समिति के गठन को मंजूरी दे दी है।

लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन, उपराज्यपाल सचिवालय द्वारा जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार समिति नए जिलों में प्रमुख जिला स्तरीय कार्यालयों की स्थापना और संचालन के लिए उपायों की सिफारिश करेगी और पांच जिलों के गठन से उत्पन्न होने वाले किसी भी प्रशासनिक, वित्तीय या रसद संबंधी मुद्दों की जांच करेगी। इस समिति का गठन उपराज्यपाल सक्सेना द्वारा 27 अप्रैल को लद्दाख में पांच नए जिलों की अधिसूचना को दी गई मंजूरी के बाद हुआ है। यह कदम चांगथांग, नुब्रा, शाम, जांस्कर और द्रास के नवगठित जिलों में जमीनी स्तर पर शासन को मजबूत करने और कुशल प्रशासनिक कार्यप्रणाली सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। एक विज्ञप्ति के अनुसार समिति को नवगठित जिलों के संचालन हेतु उपायों की जांच और अनुशंसा करने का दायित्व सौंपा गया है जिसमें अधिसूचित क्षेत्रीय सीमाओं के अनुरूप उपखंडों, तहसीलों, नियाबतों, गिरदावर/कानूनगो सर्किलों और पटवार हलकों के अधिकार क्षेत्र का पुनर्गठन और युक्तिकरण शामिल है। इससे सुच ारू प्रशासनिक परिवर्तन सुनिश्चित होगा और नवगठित जिलों में एक सुदृढ़ शासन ढांचा स्थापित करने में सहायता मिलेगी। उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि नए जिलों का निर्माण शासन के विकेंद्रीकरण और यह सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किया गया है कि प्रशासनिक सेवाएं जनता के घर-घर तक पहुंचें विशेषकर दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों में रहने वालों तक। इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि इन जिलों का संचालन एक संरचित, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से किया जाए ताकि नए प्रशासनिक ढांचे के लाभ जनता तक प्रभावी और कुशल ढंग से पहुंच सकें। केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन लद्दाख में एक उत्तरदायी, कुशल और जन-केंद्रित शासन प्रणाली के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है। उपराज्यपाल सक्सेना ने समिति को मौजूदा और नवगठित जिलों के बीच कर्मचारियों, अभिलेखों, संपत्तियों, बुनियादी ढांचे और अन्य संसाधनों के वितरण और पुनर्व्यवस्थापन की सिफारिश करने का भी निर्देश दिया है। इसके अतिरिक्त समिति नए जिलों के प्रभावी संचालन के लिए राजस्व, विकास और अन्य आवश्यक प्रशासनिक पदों सहित पदों के सृजन, पुनर्व्यवस्थापन और उन्नयन की आवश्यकता का आकलन करेगी।

विज्ञप्ति में यह बताया गया है कि केंद्र शासित प्रदेश स्तरीय समिति की अध्यक्षता राजस्व विभाग के संभागीय आयुक्त/सचिव करेंगे। ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग के सचिव सदस्य-संयोजक होंगे जबकि सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव और लेह एवं कारगिल के उपायुक्त समिति के सदस्य होंगे। विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस कदम से प्रशासनिक पहुंच में उल्लेखनीय सुधार होगा। सेवा वितरण तंत्र मजबूत होगा, शिकायतों का तेजी से निवारण होगा और लद्दाख के दूरस्थ एवं पिछड़े क्षेत्रों में अधिक लक्षित विकासात्मक योजना सुनिश्चित होगी।

खबर संक्षेप

रात्रि गश्त के दौरान फिसलने से सेना के जूनियर कमीशंड ऑफिसर की मौत

बारामुला, 11 मई । उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले के रफीबाद के हमाम मरकूत क्षेत्र के ऊपरी वन क्षेत्र में रात्रि गश्त के दौरान फिसलने से सेना के एक जूनियर कमीशंड ऑफिसर (जेसीओ) की मौत हो गई।

मृतक अधिकारी की पहचान 32 राष्ट्रीय राइफल्स के हीरा बहादुर पांडे के रूप में हुई है। अधिकारियों ने उनकी पहचान पी/यूनिट 3/9 जीआर से संबद्ध नायब सूबेदार के रूप में की है।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार यह घटना हमाम मरकूत के घने ऊपरी वन क्षेत्र में रात्रि गश्त के दौरान हुई जब सेना के जवान का संतुलन बिगड़ गया और वे फिसल गए।

अधिकारियों ने बताया कि गिरने से उन्हें गंभीर चोटें आईं और उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

बाद में शव को घटनास्थल से ले जाया गया जबकि सेना के अधिकारियों ने घटना के बाद आवश्यक कार्यवाही शुरू कर दी है।

अधिकारियों ने घटना को आकस्मिक बताया और कहा कि पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है।

रफीबाद के ऊपरी वन क्षेत्र अपने दुर्गम भूभाग के लिए जाने जाते हैं और सुरक्षा बलों द्वारा अक्सर गश्त की जाती है विशेष रूप से रात्रि अभियानों और आतंकवाद विरोधी निगरानी अभियानों के दौरान।

सोमनाथ मंदिर भारत की अटूट आस्था का प्रतीक, एक हजार वर्षों के लिए प्रेरणा का स्रोत : मोदी

सोमनाथ 11 मई । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को यहां पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर के लोकार्पण की 75 वीं वर्षगांठ पर आयोजित सोमनाथ अमृत महोत्सव के मौके पर कहा कि यह अटूट आस्था, दिव्यता और भारत की सनातन आत्मा का पवित्र प्रतीक है जो आने वाले एक हजार वर्षों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

श्री मोदी ने कहा कि 75 वर्ष पहले इसी दिन सोमनाथ मंदिर की पुनर्स्थापना कोई साधारण अवसर नहीं था बल्कि इसने सोमनाथ की प्राण प्रतिष्ठा ने भारत की स्वतंत्र चेतना की उद्घोषणा की थी।

प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय इतिहास की एक और महत्वपूर्ण घटना 11 मई 1998 के पोखरण परमाणु परीक्षणों का उल्लेख करते हुए कहा कि यह भारतीय वैज्ञानिकों की क्षमता का प्रदर्शन और अटूट राजनीतिक संकल्प का प्रमाण था। उन्होंने विकास तथा विरासत दोनों को साथ लेकर चलने की आवश्यकता पर बल दिया और विभाजनकारी सोच के प्रति सतर्क रहने का आह्वान किया।

श्री मोदी ने इस आयोजन को केवल एक औपचारिक समारोह नहीं, बल्कि भारत की सनातन चेतना और सभ्यतागत धैर्य की घोषणा बताया।

मुख्यमंत्री उमर ने अमित शाह से मुलाकात की, राज्य का दर्जा सहित अहम मुद्दों पर चर्चा

नई दिल्ली, 11 मई। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आज यहां केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और जम्मू-कश्मीर से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की।

बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने राज्य का दर्जा बहाल करने, कार्य संचालन नियम, आरक्षण के युक्तिकरण तथा जम्मू-कश्मीर से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण प्रशासनिक और जनकल्याण संबंधी मुद्दों पर विचार-विमर्श किया।

बैठक में जम्मू-कश्मीर की वर्तमान सुरक्षा और आर्थिक स्थिति पर भी चर्चा की गई। इस दौरान जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए स्थायी शांति, स्थिरता और समावेशी विकास सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने प्रशासनिक मुद्दों के समाधान तथा विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं में तेजी लाने की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि लोगों की आकांक्षाओं को पूरा किया जा सके। उन्होंने जनहित से जुड़े मुद्दों पर केंद्र सरकार और जम्मू-कश्मीर सरकार के बीच निरंतर समन्वय बनाए रखने की आवश्यकता को भी रेखांकित किया। यह चर्चा सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुई, जिसमें सुशासन को मजबूत करने, सार्वजनिक सेवाओं की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा क्षेत्र में दीर्घकालिक शांति और समृद्धि स्थापित करने से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विचार किया गया।

मुख्यमंत्री उमर ने तमिलनाडु के नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री सीजे विजय को दी बधाई

श्रीनगर, 11 मई । जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को तमिलनाडु के नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री और तमिलगा वेत्री कड़गम (टीवीके) प्रमुख सीजे विजय (थलपति विजय) को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर बधाई दी है।

उमर ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि शपथ ग्रहण में देरी की नौबत नहीं आनी चाहिए थी। इसमें तीन-चार दिन लगे और उन्हें कई बार लोकभवन जाना पड़ा। अंततः उन्हें बहुमत हासिल हो गया।

उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय के फैसले के अनुसार राज्यपाल को सबसे बड़ी पार्टी या चुनाव पूर्व सबसे बड़े गठबंधन को बहुमत साबित करने के लिए आमंत्रित करना चाहिए था। खैर देर से ही सही लेकिन यह हो गया। उन्होंने कहा कि विजय को अपना बहुमत साबित करने के लिए कुछ दिन दिए गए हैं। हमें उम्मीद है कि वे अपना बहुमत साबित कर देंगे।

बेहतर पोषण, वैज्ञानिक नीति निर्माण से जुड़ेगा कृषि क्षेत्र, सेहत मिशन की हुई शुरुआत

नई दिल्ली, 11 मई । खेती को बेहतर पोषण, रोग-निवारण, किसान कल्याण और वैज्ञानिक नीति-निर्माण से जोड़ने के उद्देश्य सोमवार को भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) ने 卐सेहत मिशन卐 की शुरुआत की। आईसीएआर परिसर में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा और कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। इस अवसर पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी, आईसीएमआर के महानिदेशक डॉ. राजीव बहल और आईसीएआर के महानिदेशक डॉ. एमएल जाट भी उपस्थित रहे। मंत्री नड्डा ने अपने संबोधन में कहा कि सेहत मिशन भारत की नीति-निर्माण प्रक्रिया में एक बड़े बदलाव का प्रतीक है, जहां सरकार अब केवल इलाज पर नहीं, बल्कि रोकथाम, समय पर पहचान और निरंतर देखभाल पर

बल दे रही है। यह पहल बताती है कि भारत अब रिएक्टिव नहीं, बल्कि प्रोएक्टिव सोच के साथ आगे बढ़ रहा है। लंबे समय तक कृषि और स्वास्थ्य संस्थान अलग-अलग दिशा में काम करते रहे, लेकिन अब आईसीएआर और आईसीएमआर का साथ आना विज्ञान-आधारित समाधान की नई शुरुआत है। उन्होंने कहा कि यह मिशन कुपोषण और दूसरी ओर तेजी से बढ़ रही नॉन-कम्युनिकेबल डिजीज, जैसे डायबिटीज, हाइपरटेंशन और कैंसर, दोनों चुनौतियों से निपटने में बड़ी भूमिका निभाएगा।

पूर्वांचल को नई रेल सौगात, जल्द शुरू होगी दिल्ली के लिए नई एक्सप्रेस ट्रेन : वैष्णव

नई दिल्ली, 11 मई । रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को दोहरीघाट-औड़िहार पैसेंजर ट्रेन को हरी झंडी दिखाते हुए कहा कि पूर्वांचल क्षेत्र को जल्द ही दिल्ली से जोड़ने वाली एक नई एक्सप्रेस ट्रेन सेवा भी शुरू की जाएगी। वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित कार्यक्रम में वैष्णव ने दोहरीघाट-औड़िहार पैसेंजर ट्रेन सेवा का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि यह नई दैनिक रेल सेवा मऊ और गाजीपुर जिलों के यात्रियों को सस्ती, सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा सुविधा प्रदान करेगी। मंत्री ने घोषणा की कि औड़िहार-दोहरीघाट-औड़िहार पैसेंजर सेवा को जल्द ही वाराणसी तक विस्तारित किया जाएगा, जिससे यात्रियों, छात्रों, व्यापारियों और श्रद्धालुओं को सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि नई ट्रेन सादात, जखनियां, दुल्लहपुर, मऊ, इंदारा, कोपागंज, घोसी, अमिला और मुरादपुर स्टेशनों पर रुकेगी। यह सेवा आठ

डिब्बों वाली रेक के साथ संचालित होगी। पूर्वांचल से दिल्ली के लिए बेहतर रेल संपर्क की मांग का उल्लेख करते हुए वैष्णव ने कहा कि जल्द ही एक नई एक्सप्रेस ट्रेन शुरू की जाएगी, जो छपरा, बलिया, मऊ, आजमगढ़, शाहगंज, जौनपुर, सुल्तानपुर, लखनऊ, कानपुर, अलीगढ़, गाजियाबाद होते हुए आनंद विहार तक जाएगी। रेल मंत्री ने कहा कि इंदारा-दोहरीघाट मीटर गेज लाइन का निर्माण वर्ष 1904 में हुआ था, लेकिन इसका ब्रॉड गेज में परिवर्तन वर्ष 2014 के बाद संभव हो सका। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिसंबर 2023 में इस परिवर्तित लाइन पर रेल सेवाओं का उद्घाटन किया था। वैष्णव ने कहा कि वर्ष 2014 में उत्तर प्रदेश के लिए रेलवे बजट आवंटन केवल 1,109 करोड़ रुपये था, जो अब बढ़कर करीब 20,012 करोड़ रुपये हो गया है। उन्होंने बताया कि राज्य में इस समय लगभग 1.2 लाख करोड़ रुपये की रेल परियोजनाएं चल रही हैं।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में कई नई रेल लाइन, दोहरीकरण और मल्टी-लाइन कॉरिडोर परियोजनाओं पर तेजी से काम हो रहा है। वाराणसी में पुराने मालवीय पुल के समानांतर एक नया पुल भी बनाया जा रहा है, जिसमें नीचे चार रेलवे लाइनें और ऊपर छह लेन का राजमार्ग होगा।

तेज हवाओं और तूफान के बाद मोबाइल टावर घर पर गिरा, परिवार बाल-बाल बचा

जम्मू, 11 मई। जम्मू संभाग के सांबा जिले में तेज हवाओं और भीषण तूफान के बाद भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) का एक मोबाइल टावर घर पर गिर गया जिससे एक परिवार बाल-बाल बच गया। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना रविवार और सोमवार की दरमियानी रात को पांगदौर गांव में घटी जब तेज हवाओं के साथ भारी बिजली और बारिश ने इलाके को बुरी तरह प्रभावित किया जिससे व्यापक नुकसान हुआ।अधिकारियों ने बताया कि बीएसएनएल का टावर बनारसी दास के घर पर गिर गया जिससे उनके घर को भारी नुकसान पहुंचा। घर के दो कमरे क्षतिग्रस्त हो गए जबकि पास के टिन के शेड और सोलर पैनल भी टूट गए।

एक अधिकारी ने बताया कि आधी रात को तेज हवाओं के साथ एक शक्तिशाली तूफान आया। मोबाइल टावर पूरी तरह से उनके घर पर गिर गया जिससे दो कमरों को नुकसान पहुंचा। इस भयावह घटना को याद करते हुए बनारसी दास ने बताया कि वह आधी रात करीब 12:30 बजे जाग रहे थे जब उन्होंने तेज बिजली और बारिश के बीच एक जोरदार धमाके की आवाज सुनी। उन्होंने कहा कि आवाज इतनी तेज थी कि पहले तो हमें समझ ही नहीं आया कि क्या गिरा है। मैंने तुरंत बच्चों को अंदर रहने और बाहर न आने को कहा।दास ने बताया कि बारिश थोड़ी कम होने के बाद जब परिवार बाहर आया तो देखा कि टावर उनके घर पर गिर गया है। उन्होंने आगे कहा कि हमारे दो कमरे क्षतिग्रस्त हो गए हैं, हालांकि बगल के शेड सुरक्षित रहे। शुक्र है कि उस समय कमरों में कोई नहीं था, वरना यह एक बड़ी त्रासदी में बदल सकता था। दास ने बताया कि इस इलाके में पहले कभी ऐसा तूफान और बिजली नहीं देखी गई थी और घटना के बाद करीब 11 घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रही।

उपमुख्यमंत्री ने नौशेरा विधानसभा क्षेत्र का व्यापक दौरा किया

▶▶ जारी विकास परियोजनाओं की गुणवत्ता और समयबद्ध पूर्णता पर दिया जोर

राजौरी, 11 मई। उपमुख्यमंत्री ने आज राजौरी जिले के नौशेरा विधानसभा क्षेत्र का व्यापक दौरा कर विभिन्न चल रही विकास परियोजनाओं की प्रगति का आकलन किया तथा प्रमुख क्षेत्रों में जनसेवा व्यवस्था की समीक्षा की। उपमुख्यमंत्री ने उप-जिला अस्पताल सुंदरबनी का दौरा किया, जहां उन्होंने स्वास्थ्य सुविधाओं, मरीजों की देखभाल सेवाओं और अस्पताल के समग्र कार्यप्रणाली का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि लोगों के लिए बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, पर्याप्त चिकित्सा सुविधाएं और त्वरित जनसेवा सुनिश्चित की जाए। उन्होंने पीडब्ल्यूडी (आरएंडबी) गेस्ट हाउस कांगड़ी

में चल रहे कार्यों का भी निरीक्षण किया और परियोजना को उच्च गुणवत्ता मानकों के साथ समय पर पूरा करने पर जोर दिया। सिओट मोड़ में उपमुख्यमंत्री ने सिओट-कालाकोट पीएमजीएसवाई सड़क परियोजना की प्रगति की समीक्षा की। सड़क संपर्क को बेहतर बनाने के महत्व पर बल देते हुए उन्होंने कार्यकारी एजेंसियों को स्थानीय लोगों की सुविधा के लिए कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए।

11,12 मई को जम्मू कश्मीर में बारिश व गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना

श्रीनगर, 11 मई । श्रीनगर मौसम विज्ञान केंद्र ने 11 और 12 मई को जम्मू और कश्मीर में आमतौर पर बादल छाए रहने और बारिश व गरज के साथ बौछारें पड़ने का पूर्वानुमान लगाया है। साथ ही कई क्षेत्रों में ओलावृष्टि, बिजली गिरने और तेज हवाओं की चेतावनी जारी की गई है।

मौसम विभाग के अनुसार कश्मीर और जम्मू डिवीजनों के अधिकांश स्थानों पर इन दो दिनों के दौरान हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है खासकर दोपहर बाद और शाम/रात के समय। कुछ अलग-थलग क्षेत्रों में ओलावृष्टि, गरज और 50-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं भी चल सकती हैं।

13 से 17 मई तक मौसम आंशिक रूप से बादल छाए रहने और छिटपुट स्थानों पर हल्की बारिश होने की संभावना है। 18 मई को आसमान में आमतौर पर बादल छाए रहेंगे और कुछ स्थानों पर हल्की बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है जबकि 19 से 21 मई तक आंशिक रूप से बादल छाए रहने का अनुमान है।

मुख्य सचिव ने जनगणना-2027 की तैयारियों की समीक्षा की, 17 मई से स्व-गणना में जनभागीदारी पर दिया जोर

श्रीनगर, 11 मई। मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने आज यहां केंद्र शासित प्रदेश स्तरीय जनगणना समन्वय समिति की तीसरी बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में जम्मू-कश्मीर के विभिन्न जिलों में जनगणना-2027 के अंतर्गत स्व-गणना और मकान सूचीकरण गतिविधियों की प्रारंभिक तैयारियों की समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने इस अवसर पर गणनाकारों और पर्यवेक्षकों के लिए व्यापक एवं प्रभावी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया ताकि जनगणना प्रक्रिया के दौरान आंकड़ों के संकलन में उच्चतम स्तर की शुद्धता और विश्वसनीयता

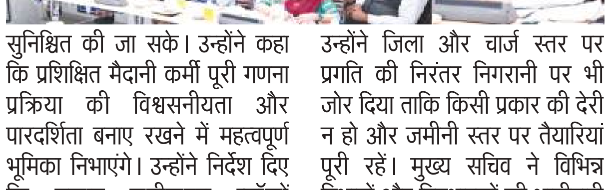

सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षित मैदानी कर्मी पूरी गणना प्रक्रिया की विश्वसनीयता और पारदर्शिता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने निर्देश दिए कि मकान सूचीकरण ब्लॉकों (एचएलबी) का गठन और सीमांकन गणना शुरू होने से पहले ही पूरा कर लिया जाए ताकि प्रक्रिया सुचारु, व्यापक और त्रुटिरहित बनी रहे। उन्होंने जिला और चार्ज स्तर पर प्रगति की निरंतर निगरानी पर भी जोर दिया ताकि किसी प्रकार की देरी न हो और जमीनी स्तर पर तैयारियां पूरी रहें। मुख्य सचिव ने विभिन्न विभागों और हितधारकों की भागीदारी के साथ प्रभावी प्रचार अभियान चलाने का भी आह्वान किया ताकि नागरिक स्वेच्छा से स्व-गणना प्रक्रिया में भाग लें।

परफैक्ट फिगर के लिए आसन

आज महिलाएं अपने सौंदर्य के प्रति जागरूक हो गई हैं और खूबसूरती के लिए आकर्षक फिगर होनी जरूरी है अर्थात छरहरे दिखना और 36-24-36 का कर्वी फिगर पाना। पतला दिखने के चक्कर में वे डाइटिंग का सहारा लेती हैं जिससे आकर्षक दिखने की अपेक्षा बीमार नजर आने लगती हैं।

त्वचा आभाहीन हो जाती है और आंखों के नीचे काले घेरे नजर आने लगते हैं। आकर्षक फिगर का अर्थ है कि आपके शरीर पर अधिक चर्बी न हो। अधिक चर्बी न होने पर आप छरहरी नजर आती हैं और सब के आकर्षण का केन्द्र बन जाती हैं। इसलिए डाइटिंग के जरिए पतली कमर और कर्वी फिगर के सपने को पूरा करने की अपेक्षा योगासनों को अपनाएं, जिनकी मदद से न सिर्फ आप अपने शरीर की अतिरिक्त चर्बी को कम कर सकती हैं, बल्कि इससे आपका शरीर अधिक लचीला और मजबूत होगा। कर्वी फिगर बनाने के लिए शरीर के तीन हिस्सों की टोनिंग पर ध्यान दें–चौड़े कंधे, पतली कमर और कमर के सुडौल निचले हिस्से। इसके लिए आप ऐसे आसनों को रूटीन में करें जो आपके शरीर को परफैक्ट शेप देने में मददगार हो सकते हों।

भुजंगासन

इस आसन से पेट की चर्बी कम होती है, कमर पतली होती है और कंधे चौड़े व बाजू मजबूत होते हैं। शरीर को लचीला और सुडौल बनाने में इसका बहुत महत्व है।

- पहले पेट के बल सीधा लेट जाएं और दोनों हाथों को माथे के नीचे रखें।
- दोनों पैरों के पंजों को साथ रखें।
- अब माथे को सामने की ओर उठाएं और दोनों बाजुओं को कंधों के समानांतर रखें जिससे शरीर का भार बाजुओं पर पड़े।
- अब शरीर के ऊपरी हिस्से को बाजुओं के सहारे उठाएं।
- शरीर को स्ट्रैच करें और लंबी सांस लें।
- कुछ पल इसी अवस्था में रहने के बाद वापस पेट के बल लेट जाएं।

सेहत के लिए अनमोल नुस्खे

- सोयाबीन के अधिक सेवन से स्तन कैंसर नहीं होता अत- अपने दैनिक आहार में सोयाबीन के बने पदार्थों का अधिक सेवन करना चाहिए।
- नियमित रूप से जुकाम की शिकायत रहने पर दूब की कोंपलों को तोड़कर उसे चटनी के समान पीस लीजिए और शहद के साथ प्रतिदिन रात्रि में लीजिए। जुकाम एकदम गायब हो जाएगा।
- पेट की किसी भी तरह की शिकायत होने पर गाढ़ा दूध का दलिया, कच्चा नारियल, पेठा व रसगुल्ला खाइए। पेट की बीमारी आपके कब्जे में होगी।
- स्तन पर अनचाहे बालों के होने को गंभीरता से लीजिए। उन्हें काटिए नहीं बल्कि मूंग दाल के उबटन से हल्का–हल्का मसाज करते हुए नियमित प्रयोग से हटा लें। यह ग्रंथि रोग के कारणों से होता है।
- बेर के पत्तों को पीसकर पानी में मथने से जो झाग उठता है, उस झाग को सिर में लगाने से बाल झड़ने बंद हो जाते हैं।
- अदरक के एक किलो रस में 500 ग्राम तिल का तेल मिलाकर गर्म करिए और जब केवल तेल बचा रहे, उतार कर छान कर बोतल में रखकर बंद कर रख दीजिए। इस तेल से उस अंग पर मालिश कीजिए जहां कहीं भी दर्द होता है।

रिंग फिंगर से करें वजन कम

सूर्य और यूरेनस ग्रह ऐसे हैं, जिनसे स्वास्थ्य प्रभावित होता है। यूरेनस अंत:ज्ञान और बदलाव का प्रतीक है। ऐसे में सूर्य मुद्रा हमारे भीतर के अग्नि तत्व को संचालित करती है। अनामिका सूर्य की अंगुली है, जिसे हम रिंग फिंगर भी कहते हैं। इससे वजन कम होता है।

सूर्य मुद्रा की विधि

सूर्य की अंगुली को हथेली की ओर मोड़कर उसे अंगूठे से दबाएं। बाकी बची तीनों अंगुलियों को सीधा रखें। इसे सूर्य मुद्रा कहते हैं।

मुद्रा के लाभ

- इस मुद्रा का रोज दो बार 5 से 15 मिनट के लिए अभ्यास करने से शरीर का कोलेस्ट्रॉल घटता है।
- वजन कम करने के लिए यह आसान क्रिया चमत्कारी रूप से कारगर पाई गई है।
- पेट संबंधी रोगों में भी यह मुद्रा बहुत लाभदायक है।
- यह जठराग्नि को संतुलित करके पाचन संबंधी तमाम समस्याओं से छुटकारा दिलाती है।
- इसे नियमित करने से बेचैनी और चिंता कम होकर दिमाग शांत बना रहता है।
- यह मुद्रा शरीर की सूजन मिटाकर उसे हल्का और चुस्त–दुरुस्त बनाती है।

ओमेगा–थ्री से बच्चे रहेंगे स्वस्थ

क्या आप बच्चों को ओमेगा-थ्री देते हैं। अगर नहीं तो आज से ही देना प्रारंभ कर दें। इससे बच्चे न केवल हेल्दी होंगे वरन् उनका संपूर्ण स्वास्थ्य बेहतर रहेगा।

हम जानते हैं कि हमारे शरीर की जरूरत है अच्छे विटामिन की। पर्याप्त ठोस आहार लेने से हमारे शरीर में आवश्यक पोषण पहुंचता है। बच्चों के अच्छे पोषण के लिए मछली के तेल ओमेगा का सेवन बहुत अच्छा रहता है। मछली के तेल की खुराक के लिए अक्सर उनके रक्त में ट्राइग्लिसराइड्स को कम करने और अन्य स्वास्थ्य लाभ अच्छे कोलेस्ट्रॉल के स्तर में वृद्धि होती है।

बच्चों के लिए मछली तेल

बच्चों को माता–पिता मछली से उत्पादित कोई भी दवा या अन्य चीज नहीं देते, जिससे उनको संपूर्ण आहार मिल सके। मछली तेल ओमेगा–थ्री से बहुत सारे लाभ हैं।

एकाग्रता और याददाश्त में सुधार

मछली तेल के उपयोग से बच्चों में एकाग्रता में सुधार होता है। यह तेल बच्चों की स्मृति समस्याओं को दूर हटाने में एक वरदान है। मछली के तेल में ओमेगा–3 एसिड अल्पकालिक स्मृति हानि के जोखिम को कम करता है।

सीखने की क्षमता बेहतर: मछली के तेल के सेवन से बच्चों की शिक्षा पर उच्च प्रभाव पड़ता है। उनकी याददाश्त क्षमता तेजी से बढ़ती है।

रहता है दिमाग स्वस्थ

देश में मछली का तेल बहुतायत मात्रा में आता है। कई नामी गिरामी कंपनियां यह प्रॉडक्ट बेचती हैं। आप डॉक्टर से परामर्श लेकर बच्चों को रोजाना एक से दो चम्मच तेल नाश्ते या खाने में दे सकते हैं। जिससे बच्चे का दिमाग स्वस्थ रहेगा।

करता है आहार पूर्ति

मछली का तेल पूरे आहार की पूर्ति करता है। चिकित्सकों के अनुसार एडीएचडी–ओमेगा–थ्री स्वास्थ्य की दृष्टि से बेहतर है।

कोकीन को दूर हटाता है प्रोप्रानोलॉल

जानवरों पर किए गए प्रयोग से यह साबित होता दिख रहा है कि उच्च रक्तचाप और अवसाद के मरीजों को दी जाने वाली प्रचलित दवा प्रोप्रानोलॉल कोकीन की लत छुड़ाने में मददगार हो सकती है।

मालूम हो कि कोकीन दुनिया के सबसे खराब नशीले पदार्थों में एक है। इसकी गिरफ्त में आए व्यक्ति को इससे निजात पाने में सालों लग जाते हैं और 80 फीसदी लोग ऐसे होते हैं, जो इसे छोड़ने का प्रयास करने के दौरान छह महीने के भीतर बहुत बुरी स्थिति में पहुंच जाते हैं।

चिकित्सा विज्ञान के मशहूर जर्नल न्यूरोसाइकोफार्माकोलॉजी में प्रकाशित एक रिपोर्ट में कहा गया है कि ऐसा पहली बार साबित हुआ है कि कोकीन के सेवन की आदत से जुड़ी याददाश्तों को चिकित्सकीय उपचार के माध्यम से खत्म किया जा सकता है। इस आदत की याददाश्तों के जेहन में लौटने के कारण ही इसके आदी हो चुके व्यक्ति को इसकी लत की याद आती है और ऐसे वक्त कोकीन नहीं मिलने से उसकी दशा बेहद खराब हो जाती है। इस सम्बंध में जारी शोध में शामिल डेविन म्युलर ने कहा, एफडीए द्वारा मंजूरी प्राप्त दवा कोकीन की लत छुड़ाने के लिए लोगों को दी जाती रही है। यह दवा इस लत को छुड़ाने के लिए तो प्रभावी रही है, लेकिन इससे इस लत को छोड़ने के प्रयास के दौरान जब इसके आदी व्यक्ति की हालत खराब होती है, तब यह दवा बेअसर साबित होती है। दूसरी ओर म्युलर बताते हैं कि प्रोप्रानोलॉल का सकारात्मक प्रभाव कोकीन छोड़ने का प्रयास कर रहे व्यक्ति के शरीर पर दीर्घकाल तक दिखता है। कई मामलों में यह स्थायी भी हो सकता है, क्योंकि इस दवा के नियमित सेवन के बगैर भी मरीज कोकीन के दुष्प्रभावों से निजात पा सकता है।

पलकों को प्रभावित करता है ब्लेफेरायटिस

ब्लेफेरायटिस पलकों के किनारे और बरोनियों की केश पुटिका को प्रभावित करता है। ब्लेफेरायटिस एक आम और कभी-कभी लंबा चलने वाला विकार है, जो प्रायः वयस्क व बच्चों को भी प्रभावित कर सकता है। शिकायत होने पर आप तुरंत डॉक्टर से संपर्क कर सकते हैं।

आपकी त्वचा पर रोससेया या तेल वाली त्वचा पर डेंड्रफ और सूखी आंख से ग्रस्त होते हैं उन्हें इस समस्या होने की ज्यादा संभावना रहती है। पलकों की ग्रंथि जो की बहुत सारा तेल नहीं बना रही हो उनमें ब्लेफेरायटिस जीवाणु का संक्रमण शुरू हो सकता है। यह दशा अत्यधिक संक्रामक नहीं होती है।

बीमारी का पूर्वानुमान

ब्लेफेरायटिस की ज्यादातर दशा में सुधार तुरंत चालू हो जाता है, अगर एक बार उपचार चालू हो जाए। प्राय: उपचार लंबे समय के लिए चलना चाहिए या समय–समय पर दोहराते रहना चाहिए। ब्लेफेरायटिस दृष्टि में स्थाई नुकसान नहीं करता है।

सम्भावित अवधि

ब्लेफेरायटिस एक चिरकालिक दशा है, जो स्थाई रूप से इलाज करना मुश्किल है, लेकिन ज्यादतर दशा में सही उपचार लक्षण को नियंत्रित कर देता है और दशा को नियंत्रण में रखता है। साथ ही लक्षण समय के साथ बदलते रहते हैं। लंबे समय के लिए गायब हो सकते हैं, वह भी लौटने से पहले महीनों या सालों लग सकते हैं।

ऐसे करें बीमारी से बचाव

पलकों की साफ–सफाई ब्लेफेरायटिस के निर्माण में मदद कर सकता है और प्राय: दशा को नियंत्रित कर सकता है। अगर आपको यह शिकायत है तो आप डॉक्टर के परामर्श पर इलाज शुरू कर सकते हैं।

डॉक्टर से कब सम्पर्क करें

- पलकों या आंख के आसपास की त्वचा में उत्तेजना होने लगे।
- लाल खुजली वाली आंख।
- पलकों के आस पास पपड़ी बन जाए।
- आंखें खुजली करती रहने पर।
- आंखों में लगातार जलन होने पर।
- ऐसा मेहसूस करना कि आपकी आंख में कुछ है, जब आप पलक झपकते हों।
- लाल सूजी सी आंखें होने पर।
- बरोनिया का न होना या बरोनिया का अंदर की तरफ मुड़ना।
- पलकों के किनारे में खुजली होना या किनारे की त्वचा का टूटना।
- अत्यधिक आंसू निकलना।

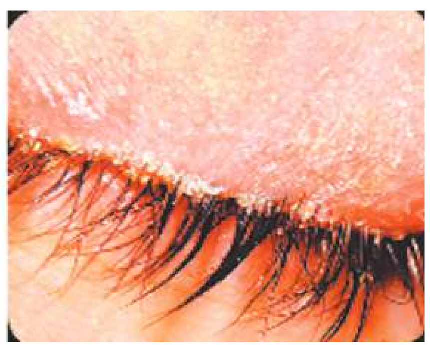

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरुद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबर:- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

जीडीसी बसोहली में उद्यम जागृति 4.0 कार्यक्रम आयोजित, छात्रों को उद्यमिता के लिए किया प्रेरित

कठुआ/बसोहली, 11 मई (हि.स.)। गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज बसोहली में फ्रउद्यम जागृति 4.0फ्र के तहत एक उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर राज किरण शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों में उद्यमिता की भावना को विकसित करना था।

कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य युवाओं को स्वरोजगार के अवसरों के प्रति प्रेरित करना तथा उन्हें स्टार्टअप, नवाचार और सरकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान करना था। इस पहल के माध्यम से छात्रों को शैक्षणिक ज्ञान और व्यावसायिक अनुभव के बीच की दूरी को कम करने का अवसर मिला।

कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. नेहा बंद्राल, कोऑर्डिनेटर/नोडल अधिकारी (उद्यम जागृति, मिशन युवा) के स्वागत संबोधन से हुई। उन्होंने आज के प्रतिस्पर्धी और तेजी से बदलते आर्थिक परिवेश में उद्यमिता के महत्व पर प्रकाश डाला और छात्रों को सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. राज किरण शर्मा ने अपने संबोधन में व्यवसाय शुरू करने की मूल बातें, वित्तीय योजना, फंडिंग के अवसर और डिजिटल प्लेटफॉर्म की भूमिका जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का उल्लेख करते हुए छात्रों को उपलब्ध संसाधनों और सहयोग प्रणालियों से अवगत कराया। उन्होंने विद्यार्थियों को पारंपरिक करियर विकल्पों के अलावा उद्यमिता को अपनाने और आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में लगभग 70 छात्रों और युवा प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। यह आयोजन विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक साबित हुआ और भविष्य के उद्यमियों को तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम रहा।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने श्रीनगर में राष्ट्रीय युवा महोत्सव - आरोहन 2026 का किया उद्घाटन

श्रीनगर, 11 मई । उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने आज श्रीनगर में राष्ट्रीय युवा महोत्सव - आरोहन 2026 का उद्घाटन किया।इस अवसर पर उपराज्यपाल ने कहा कि यह आयोजन हमारे युवाओं के लिए %उठो, चमको और विजय प्राप्त करो% की एक नई दृष्टि की घोषणा करता है जो भविष्य का मार्ग प्रशस्त करने वाले एक संपूर्ण दर्शन, एक वादा और 2047 तक एक विकसित भारत के निर्माण की एक साहसिक चुनौती को समाहित करता है।

उपराज्यपाल ने कहा, फ्रराष्ट्रीय युवा महोत्सव इस बात की घोषणा भी है कि युवाओं का समय आ गया है। हम वह नींव और ढांचा तैयार कर रहे हैं जिस पर भारत की गौरवशाली विरासत का अगला अध्याय मजबूती से खड़ा होगा। उपराज्यपाल ने कहा कि इतिहास कभी भी उन लोगों द्वारा नहीं रचा जाता जो असाधारण बनने के लिए अनुमति का इंतजार करते हैं।

उन्होंने जम्मू-कश्मीर युवा नेता संवाद', 'हैकाथॉन' और 'सांस्कृतिक कार्यक्रम' में भाग लेने वाले युवाओं से आग्रह किया कि वे आगे आएं और एक विकसित भारत के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हों, जिस पर आने वाली पीढ़ियां गर्व कर सकें। उन्होंने कहा कि शासन युवाओं की आवाज के बिना फल-फूल नहीं सकता और समावेशी शासन का अर्थ है यह सुनिश्चित करना कि युवाओं की हर प्रमुख क्षेत्र में हो रहे कार्यों में वास्तविक भागीदारी हो। हर युवा लड़के और लड़की में अद्भुत प्रतिभा है। उन्हें बस अवसरों और आत्मविश्वास की जरूरत है। मैं चाहता हूं कि भारत के युवा घिसे-पिटे रास्तों पर चलने के बजाय अपने रास्ते खुद बनाएं, क्योंकि नवाचार और आविष्कार अनछुए रास्तों से ही जन्म लेते हैं। भारत को ऐसे युवाओं की ज़रूरत है जो पहले से बनी रूढ़ियों को तोड़ने का साहस रखते हों।

उपराज्यपाल ने यह भी कहा कि संस्कृति हमारी पहचान है और यह हमारे अस्तित्व का जीवंत प्रमाण है जो यह प्रकट करती है कि हम कौन हैं और हमारे सपने और आकांक्षाएं क्या हैं। उन्होंने कहा कि जब युवा संगीत, कला, साहित्य, नृत्य, रंगमंच, खेल और शिल्प के माध्यम से स्वयं को अभिव्यक्त करते हैं तो वे भारत की आत्मा को प्रसारित करते हैं। उपराज्यपाल ने कहा कि युवाओं को दूसरों की नकल करने के बजाय अपनी विशिष्टता को अपनाना चाहिए और अपनी पूरी क्षमता का एहसास करना चाहिए। दुनिया को किसी ऐसे व्यक्ति की एक और नकल की ज़रूरत नहीं है जो पहले से मौजूद है। दुनिया को किसी भी तरह की नकल नहीं चाहिए। उसे आप जैसे अद्वितीय युवाओं की ज़रूरत है, ऐसे व्यक्ति जिनकी अपनी अनूठी शख्सियत हो जो न केवल अपने लिए चमकें, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी राह रोशन करें।

जम्मू-श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस को यात्रियों का शानदार रिस्पॉन्स

जम्मू, 11 मई (हि.स.)। जम्मू-श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस ने यूएसबीआरएल (उधमपुर-श्रीनगर-बारामुला रेल लिंक) मार्ग पर लोकप्रियता के नए रिकॉर्ड कायम किए हैं। सेवा शुरू होने के महज नौ दिनों के भीतर इस ट्रेन से लगभग 40 हजार यात्रियों ने सफर किया है जिससे इसकी बढ़ती लोकप्रियता का अंदाजा लगाया जा सकता है।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार वंदे भारत एक्सप्रेस की ऑक्यूपेंसी 96 प्रतिशत तक पहुंच गई है जो यात्रियों के जबरदस्त उत्साह और भरोसे को दर्शाती है। तेज, आरामदायक और आधुनिक सुविधाओं से लैस इस ट्रेन को जम्मू-कश्मीर के लोगों के साथ-साथ पर्यटकों से भी शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है।

अधिकारियों का कहना है कि यह ट्रेन जम्मू और कश्मीर के बीच यात्रा को अधिक सुगम, सुरक्षित और समयबद्ध बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। आने वाले दिनों में यात्रियों की संख्या और बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है।

बिश्नाह रिंग रोड पर ट्रक हादसे में चालक घायल

जम्मू, 11 मई (हि.स.)। बिश्नाह रिंग रोड पर सोमवार को एक सड़क हादसे में ट्रक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार तेज रफ्तार ट्रक रिंग रोड के बीच खड़े ट्राले से टकरा गया जिससे वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत राहत कार्य शुरू करते हुए घायल चालक को ट्रक से बाहर निकाला और इलाज के लिए उपजिला अस्पताल बिश्नाह पहुंचाया। घायल चालक की पहचान दर्शन लाल पुत्र मोहिंदर सिंह निवासी झज्जर, हरियाणा के रूप में हुई है।

घटना की सूचना मिलते ही बिश्नाह पुलिस मौके पर पहुंची और हादसे की जांच शुरू कर दी। अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने चालक की गंभीर हालत को देखते हुए उसे आगे के इलाज के लिए जीएमसी जम्मू रेफर कर दिया।

तूफानी दौरे पर विधायक पहुंचे काई वाला चुम्बर, पानी व सड़क समस्याओं के समाधान का दिया भरोसा

कठुआ, 11 मई (हि.स.)। नगरी मंडल के अंतर्गत आने वाले काई वाला चुम्बर गांव में विधायक ने तूफानी दौरा कर स्थानीय लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। इस दौरान ग्रामीणों ने अपनी दैनिक जीवन से जुड़ी कई अहम परेशानियां विधायक के सामने रखीं।

ग्रामीणों ने विशेष रूप से पेयजल की कमी, सड़क व गलियों की खराब हालत तथा नालियों के निर्माण की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। लोगों का कहना था कि इन मूलभूत सुविधाओं की कमी के कारण उन्हें लंबे समय से दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

विधायक ने मौके पर मौजूद अधिकारियों व संबंधित विभागों को इन समस्याओं के जल्द समाधान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश देने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास और लोगों की सुविधाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाएगा। इस अवसर पर नगरी मंडल प्रधान रवि अंडोंत्रा, नगरी मंडल महामंत्री प्रवेश शर्मा, पूर्व मंडल प्रधान अर्पण वर्मा, काला शाह, जी डी मन्याल, दौलत राम, हरबंस सैनी, जोध सैनी, डॉ. नसीब, अतर सिंह, पूर्व सरपंच, पूर्व पंच सहित इलाके के कई गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे। दौरे के दौरान विधायक ने लोगों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा और शीघ्र ही आवश्यक कार्य शुरू करवाए जाएंगे, ताकि गांव में बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाया जा सके।

देवोंन गांव में तूफान से मकान की टीन छत उड़ी

जम्मू, 11 मई (हि.स.)। पुरमंडल क्षेत्र के देवोंन गांव में बीती रात तेज बारिश और तूफान के कारण एक बड़ा हादसा हो गया। तेज हवाओं से एक मकान की टीन की छत उड़ गई, जिससे नीचे गिरा मलबा एक व्यक्ति पर आ गिरा और वह घायल हो गया। जानकारी के अनुसार गांव निवासी मोहर सिंह अपने परिवार के आठ सदस्यों के साथ घर में सो रहे थे तभी अचानक तेज तूफान के चलते मकान की छत उड़ गई। छत के साथ रखे पत्थर, ईंटें और लोहे के एंगल नीचे गिर पड़े जिससे मोहर सिंह घायल हो गए। घटना के बाद परिवार में अफरा-तफरी मच गई। परिवार के अन्य सदस्य सुरक्षित बच गए लेकिन घर के अंदर रखा सामान बारिश के पानी में भीगकर खराब हो गया। घायल मोहर सिंह ने बताया कि रात में सड़क बंद होने के कारण वह अस्पताल नहीं पहुंच सके और सुबह रास्ता खुलने के बाद ही उपचार करवाया। उन्होंने प्रशासन से आर्थिक सहायता की मांग करते हुए कहा कि वह दिहाड़ी मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करते हैं और इस हादसे के बाद उनके सामने बड़ा संकट खड़ा हो गया है। स्थानीय ग्रामीणों ने भी प्रभावित परिवार को राहत सामग्री और मुआवजा देने की मांग की है।

निखिल की मौत से मामला अब डबल मर्डर में तब्दील, दो सगे भाइयों की मौत से परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

कठुआ, 11 मई (हि.स.)। कठुआ में बीते दिनों हुए सनसनीखेज हमले ने अब डबल मर्डर का रूप ले लिया है। प्रेम प्रसंग में शुरू हुई रंजिश ने ऐसा खौफनाक मोड़ लिया कि एक ही मां के दोनों बेटों की जान चली गई जिससे पूरे इलाके में शोक की लहर है। जानकारी के अनुसार पारस वर्मा उर्फ सुमित (पुत्र सोमराज, निवासी वार्ड नंबर 9 कठुआ) ने अपने ही करीबी दोस्त नकुल सिंह और उसके भाई निखिल सिंह पर उनके घर में घुसकर क्रिकेट बैट से हमला किया था। इस हमले में नकुल सिंह की मौके पर ही मृत्यु हो गई थी जबकि निखिल सिंह गंभीर रूप से घायल हो गया था। घायल निखिल को पहले जीएमसी कठुआ और फिर बेहतर इलाज के लिए एम्स जम्मू रेफर किया गया जहां सोमवार को उपचार के दौरान उसकी भी मृत्यु हो गई। निखिल की मौत के साथ ही यह मामला अब डबल मर्डर में तब्दील हो गया है। इस पूरे घटनाक्रम के पीछे प्रेम प्रसंग की रंजिश सामने आई है। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी और मृतक दोनों एक ही लड़की से प्रेम करते थे। इसी विवाद के चलते आरोपी ने गुस्से में आकर यह खौफनाक कदम उठाया। जब निखिल ने अपने भाई को बचाने की कोशिश की तो आरोपी ने उस पर भी बेरहमी से हमला कर दिया। वारदात के बाद आरोपी फरार हो गया था और मृतक का फोन भी गायब था जिसे पुलिस ने बाद में बरामद कर लिया। इस ब्लाइंड मर्डर केस को सुलझाने के लिए कठुआ पुलिस ने विशेष जांच दल का गठन किया था। एसएसपी कठुआ मोहित शर्मा के नेतृत्व में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महज 25 घंटे के भीतर ही इस पूरे मामले की गुत्थी सुलझा ली और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया था। इस संबंध में एसएसपी द्वारा पत्रकार वार्ता कर पूरे मामले का खुलासा भी किया गया था। वहीं सोमवार को निखिल सिंह के शव को जीएमसी कठुआ लाया गया जहां पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया गया। फिलहाल आरोपी पुलिस हिरासत में है और मामले की आगे की जांच जारी है।

हेरोइन सहित तस्कर गिरफ्तार, 115 अफीम पौधे नष्ट

कठुआ, 11 मई (हि.स.)। नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान के तहत कठुआ पुलिस ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों में नशा तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए एक तस्कर को गिरफ्तार किया और अवैध अफीम की खेती को नष्ट किया।

पुलिस थाना बसोहली के तहत महानपुर क्षेत्र में पुलिस टीम ने गश्त के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा, जिसकी पहचान राहुल शर्मा निवासी महानपुर के रूप में हुई। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से लगभग 3 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) बरामद हुई। इस संबंध में थाना बसोहली में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

वहीं दूसरी कार्रवाई में थाना बनी क्षेत्र के बघ लोवांग में पुलिस ने अवैध अफीम की खेती पर प्रहार करते हुए 115 अफीम (पोस्त) के पौधे, जिनका कुल वजन लगभग 3.750 किलोग्राम था जब्त कर मौके पर ही नष्ट कर दिए। इस मामले में भी एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर जांच जारी है।

नशा मुक्त अभियान के तहत बनी बाजार में सघन जांच, प्रशासन ने दिखाई सख्ती

कठुआ/बनी, 11 मई (हि.स.)। नशा मुक्त अभियान और अतिक्रमण विरोधी अभियान के तहत बनी प्रशासन ने सोमवार को बनी बाजार में व्यापक स्तर पर सघन मार्केट चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान किराना दुकानों, केमिस्ट शॉप्स, रेस्टोरेंट्स समेत विभिन्न व्यापारिक प्रतिष्ठानों की गहन जांच की गई।

यह अभियान एसडीएम बनी संदीप कुमार शर्मा की मौजूदगी में चलाया गया जिसमें व्यापारियों और आम जनता को नशा मुक्ति के प्रति जागरूक भी किया गया। प्रशासन ने स्पष्ट संदेश दिया कि नशे के कारोबार और अवैध गतिविधियों को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अभियान के दौरान व्यपार मंडल, ट्रांसपोर्टर्स और स्थानीय लोगों को नशा मुक्त समाज के निर्माण के लिए सहयोग करने की अपील की गई। साथ ही बाजार में अतिक्रमण को लेकर भी चेतावनी दी गई और नियमों का पालन करने के निर्देश दिए गए।

इस मौके पर तहसीलदार बनी प्रद्युम अत्री, एसडीपीओ बनी अमीन भट, ड्रग इंस्पेक्टर विक्रम सिंह, बीडीओ और टीएसओ बनी नवजोत शर्मा सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। प्रशासन ने कहा कि इस तरह के अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे ताकि क्षेत्र को नशा मुक्त और व्यवस्थित बनाया जा सके।

शहीद हुए फोटो पत्रकार अशोक सोढ़ी को श्रद्धांजलि, दो मिनट का मौन रख किया याद

कठुआ, 11 मई (हि.स.)। फोटो पत्रकार स्वर्गीय अशोक सोढ़ी की पुण्यतिथि पर सोमवार को कठुआ में उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर विधायक डॉ. भारत भूषण सहित जिले के मीडिया जगत से जुड़े पत्रकारों ने एकत्र होकर दिवंगत अशोक सोढ़ी को पुष्प अर्पित किए और उनके योगदान को याद किया।

गौरतलब है कि 11 मई 2008 को अशोक सोढ़ी ने अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए सांबा के एक सेना शिविर पर हुए आतंकी हमले के दौरान शहादत पाई थी। करीब 13 घंटे तक चले इस मुठभेड़ में ट्रेड यूनियन नेता होशियार सिंह और उनकी पत्नी समेत कुल छह लोगों की जान चली गई थी।

इस मौके पर विधायक डॉ. भारत भूषण ने अशोक सोढ़ी के व्यक्तित्व और कर्तव्यनिष्ठा को याद करते हुए कहा कि उनका समर्पण और साहस आने वाली पीढ़ी के पत्रकारों के लिए प्रेरणा स्रोत बना रहेगा।

कार्यक्रम में विभिन्न प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया संस्थानों से जुड़े पत्रकारों ने भाग लेकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि दी। अंत में सभी उपस्थित लोगों ने अशोक सोढ़ी की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन भी रखा।

शी-बॉक्स के जरिए महिलाएं सुरक्षित और गोपनीय तरीके से करवा सकती हैं शिकायत दर्ज

कठुआ, 11 मई (हि.स.)। महिला डिग्रगवर्नमेंट डिग्री कॉलेज फॉर वूमेन कठुआ में कैश समिति की ओर से शी बॉक्स विषय पर एक जागरूकता व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कॉलेज के प्राचार्य डॉ. जैपाल सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ जिसका मुख्य उद्देश्य छात्राओं को सुरक्षा, उनके अधिकारों और शिकायत निवारण प्रणाली के प्रति जागरूक करना था।

कार्यक्रम के दौरान समिति की संयोजक डॉ. रचना ने छात्राओं को शी बॉक्स के महत्व, आवश्यकता और इसकी कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शी बॉक्स एक ऑनलाइन शिकायत मंच है जहां महिलाएं सुरक्षित और गोपनीय तरीके से अपनी शिकायत दर्ज कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि यह पहल महिलाओं के लिए सुरक्षित, सम्मानजनक और भयमुक्त वातावरण सुनिश्चित करने की दिशा में एक अहम कदम है। इसके माध्यम से छात्राएं किसी भी प्रकार के उत्पीड़न या अनुचित व्यवहार के खिलाफ बिना डर के अपनी आवाज उठा सकती हैं।

Government of Jammu and Kashmir
Directorate of Handicrafts and Handloom, Jammu
OFFICE OF THE ASSISTANT DIRECTOR HANDLOOM, REASI
Block-1 MiniSecretariat, Reasi
Phone/Fax 01991-244339
DIRECTORATE OF HANDLOOM & HANDICRAFTS
OFFICE OF THE ASSISTANT DIRECTOR HANDLOOM REASI
ADVERTISEMENT OF KARKHANDAR SCHEME (SKILL UPGRADATION PROGRAMME)

About the Scheme:
• Focus on revival of languishing crafts and strengthening traditional skills.
• Skill upgradation training for 5-10 artisans/ex-trainees in selected crafts.
• Training duration : 06 months

Financial Assistance:
• Honorarium to Karkhandar (Trainer): Rs 1000 per trainee
• Stipend to Trainees: Rs 2000 per trainee per month
• Logistics Support: Rs 225,000 (for 06 months) to the instructor/Karkhandar

Eligibility:
• Interested weavers/artisans/ex-trainees engaged in traditional crafts
• Preference will be given to those associated with languishing crafts

How to Apply:
Eligible candidates may submit their applications along with relevant documents (Domicile Certificate, experience certificate/diploma in Weaving, registration certificate etc.) to the office of Assistant Director Handloom Reasi, Room No. 307 Block 1 DC Office complex Reasi.

DIP/J-1839/26
Dtd: 11-5-2026

Sd/-
Assistant Director Handloom Reasi

सीआईआई में सम्मानित हुए एयरटेल के चेयरमैन सुनील भारती मित्तल

जम्मू,11 मई। भारती एंटरप्राइजेज एवं एयरटेल के चेयरमैन सुनील भारती मित्तल को सीआईआई) के मंच पर विशेष सम्मान से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उन्होंने उद्योग, सरकार और समाज के बीचमजबूत साझेदारी की आवश्यकता पर जोर देते हुए भारत की आर्थिक प्रगति, निवेश, नवीकरणीय ऊर्जा और 'मेक इन ढ्ढठ्ठस्रद्बड्ड' विज़न को आगे बढ़ाने में उद्योग जगत की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। अपने संबोधन में उन्होंने वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बीच भारत में अधिक निवेश करने, रोजगार सृजन को बढ़ावा देने और देश की विकास यात्रा को और मजबूत करने का आह्वान किया।

माननीय मंत्री जी, यह सम्मान आपके हाथों प्राप्त करना मेरे लिए अत्यंत खुशी और गर्व का विषय है। आपने दूरसंचार मंत्री के रूप में मेरे पेशेवर सफर के कई महत्वपूर्ण और चुनौतीपूर्ण चरणों को करीब से देखा है।

मेरे अनेक मित्रों, सहयोगियों और सीआईआई परिवार के सदस्यों के साथ वर्षों तक काम करने का अवसर मिला है, और उन्हीं सामूहिक प्रयासों एवं सहयोग के कारण आज मुझे यह विशेष सम्मान प्राप्त हुआ है। मेरे लिए यह केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि उन सभी संबंधों, संस्थाओं और मूल्यों का सम्मान है, जिन्होंने भारत के उद्योग जगत को मजबूत बनाने में योगदान दिया है।

सीआईआई वास्तव में एक अत्यंत विशेष संस्था है - एक ऐसा मंच, जो उद्योग, सरकार, समाज और सभी हितधारकों को साथ लेकर ऐसी नीति-आधारित मूल्य श्रृंखला के निर्माण में कार्य करता है, जो देश की प्रगति को नई दिशा देती है। मुझे गर्व है कि हमारे परिवार के तीनों भाइयों को विभिन्न उद्योग संगठनों के माध्यम से देश की सेवा करने का अवसर मिला। राकेश यहाँ उपस्थित हैं और वे भी सीआईआई के प्रेसिडेंट रह चुके हैं। वहीं, राजन ने फिक्की में नेतृत्व की भूमिका निभाई। मेरा व्यक्तिगत रूप से मानना है कि उद्योग जगत से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति का यह दायित्व है कि वह उद्योग मंडलों और संस्थाओं में सक्रिय भूमिका निभाए — चाहे वह किसी विशेष सेक्टर, क्षेत्र, भूगोल या राष्ट्रीय स्तर पर नेतृत्व की जिम्मेदारी हो। मैं विशेष रूप से युवा उद्यमियों और उभरते उद्यमियों को प्रोत्साहित करना चाहूँगा कि वे सीआईआई जैसी संस्थाओं में जिम्मेदारियाँ निभाएँ, क्योंकि सरकार उद्योग संगठनों, विशेषकर सीआईआई जैसे संस्थानों, को नीति निर्माण और आर्थिक दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भागीदार के रूप में देखती है।

संपादकीय

अदालती देरी से परे न्याय

राष्ट्रीय लोक अदालतें वैकल्पिक विवाद निवारण तंत्रों में से एक प्रभावशाली व्यवस्था हैं, जो उन लोगों को बड़ी राहत प्रदान करती हैं जो न्यायालयों में लंबित मामलों या पूर्व-विवाद चरण के विवादों का सामना कर रहे हैं। इन मामलों का सौहार्दपूर्ण समाधान एक ही दिन में बिना किसी परेशानी और अधिक धन खर्च किए किया जा सकता है। यह सुविधा National Legal Services Authority तथा अन्य विधिक सेवा संस्थाओं जैसे J&K Legal Services Authority और जम्मू-कश्मीर के विभिन्न जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों द्वारा प्रदान की जाती है।

लोक अदालतों को विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 के अंतर्गत अधिकार प्राप्त हैं और इसलिए इन अदालतों द्वारा दिए गए निर्णयों को दीवानी न्यायालय के डिक्री के समान माना जाता है। इनका निर्णय अंतिम और सभी पक्षों पर बाध्यकारी होता है तथा इसके विरुद्ध किसी भी न्यायालय में अपील नहीं की जा सकती। लोक अदालतों में कोई न्यायालय शुल्क नहीं लिया जाता और यदि न्यायालय में लंबित किसी मामले को लोक अदालत में भेजा जाता है तथा उसका समाधान हो जाता है, तो मूल रूप से जमा की गई न्यायालय फीस भी संबंधित पक्षों को वापस कर दी जाती है।

इसी संदर्भ में, विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश के अलग-अलग जिलों में कार्यरत विभिन्न विधिक सेवा संस्थाओं ने 180 पीठों के माध्यम से कुल 89,222 मामलों को विचारार्थ लिया। इनमें से 83,623 मामलों का सौहार्दपूर्ण समाधान कर निपटारा किया गया, जिसमें कुल 42,09,04,185 रुपये की क्षतिपूर्ति अथवा समझौता राशि शामिल रही। लोक अदालत की कार्यवाही जिला न्यायालय परिसरों तथा तहसील न्यायालयों में संबंधित जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों के अध्यक्षों की देखरेख में आयोजित की गई। इसमें न्यायिक अधिकारियों, पैनल अधिवक्ताओं, एलएडीसी, राजस्व अधिकारियों तथा बार के सदस्यों ने भाग लिया।

विभिन्न जिलों में दीवानी विवादों, बैंक रिकवरी, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण मामलों, वैवाहिक विवादों, ट्रैफिक चालानों, राजस्व मामलों, बिजली बिलों, बीएसएनएल विवादों, श्रम मामलों तथा अन्य समझौतायोग्य अपराधों के शीघ्र निपटारे हेतु विशेष पीठों का गठन किया गया। इन मामलों का निपटारा आपसी सहमति से किया गया, जिससे लंबित मामलों का बोझ कम हुआ और वादकारियों को त्वरित, सस्ती तथा सुलभ न्याय व्यवस्था सुनिश्चित हुई।

जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि यह व्यवस्था वैकल्पिक विवाद समाधान प्रणाली को और अधिक मजबूत कर रही है। यह सौहार्दपूर्ण समझौतों को बढ़ावा देने के साथ-साथ नियमित न्यायालयों पर मुकदमों के बोझ को भी कम कर रही है। उल्लेखनीय है कि परक्राम्य लिखत अधिनियम के अंतर्गत मामलों, विशेषकर चेक बाउंस मामलों के लिए विशेष लोक अदालतें 18 जुलाई 2026 तथा 21 नवंबर 2026 को आयोजित की जाएंगी। इसके अतिरिक्त, वर्ष 2026 की तीसरी और चौथी राष्ट्रीय लोक अदालत क्रमशः 12 सितंबर और 12 दिसंबर को आयोजित होने की संभावना है। जो लोग इस बार इस सुविधा का लाभ नहीं उठा सके, वे आगामी सत्रों में इसका लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

लोक संस्कृति में सामाजिक समरसता

लोक संस्कृति हमारी सामाजिक समरसता और सभ्यता को जीवित रखने का सबसे बड़ा घटक है। इसे हर जगह जीवित रखने और बचाने के उपाय, उपादान और उद्यम करने के लिए हमें लोगों को लोकचेतना के माध्यम से जागरूक करना होगा, जिससे जीवन, जगत और समाज की एक रस निष्पत्ति हर मनुष्य के लोक मंगल का रस सबको दिला सके।वर्तमान समय में प्रौद्योगिकी और तकनीकी विकास के कारण उपजे सोशल मीडिया विमर्श और भूमंडलीकरण के दौर में अब लोक और अभिजात्य के बीच कोई सर्वमान्य विभाजक रेखा खींचना आसान नहीं है।दूसरी यह बात भी विचारणीय है कि क्या इस समय में अब लोक बचा हुआ भी है या नहीं और अगर बचा हुआ तो उसका दायरा अब कितना कम बचा है क्योंकि, नए समय में जो वर्ग पहले निम्न वर्ग में था वह अब उठकर मध्य वर्ग में आ गया है और मध्य वर्ग अपने आपको लोक का नहीं समझता, वह खुद को अभिजात्य मानने लगा है इसलिए यह जानना और समझना जरूरी है कि क्या लोक अब बहुत सीमित हो रहा है यदि मुझे कहना हो तो मैं उत्तर हां में दूंगा।दरअसल लोक संस्कृति में हमारी बोली, तीज त्यौहार, कहावतें, लोक मान्यताएं, शादी ब्याह, रीति रिवाज़, लोक व्यवहार, दुःख दर्द, प्रसन्नता, खानपान, गाली, लोक गीत, मोहल्ले, गली, ग्वाड़ियां, बाड़े, खेत खलिहान और सामूहिक समवेत चेतना जिसमें मनुष्यता के स्वरों का स्पन्दन हो।लोक जीवन और संस्कृति को सच में देखना हो तो वह हमें ग्रामीण लोक अंचल में ही दिखेगा, नगरीय सभ्यता में तो एक कृत्रिमता के आवरण में कहीं विलुप्त हो गई है।मुझे तो कभी-कभी लगता है क्या अब कोई लोक बचा हुआ है यह थोड़ा अतिरंजक ज़रूर है, किन्तु लोक संस्कृति के बारे में हमें सोचने को विवश करती हैं। लोक संस्कृति और समरसता के उदाहरण और दृश्यों की कितनी झलकियां हमें दिखती थी जैसे घर में सामान खत्म होने पर अपने पड़ोसी से कुछ मांगना चाय की पत्ती, शकर, थोड़ा दूध, रूपये-पैसे, धनिया, मिर्च,आलू, प्याज़ लेकिन अब ऐसा नहीं दिखता, सभ्यता के इस युग में कितने महान प्रबंधक हो गए सब, क्या अब हमारी आकस्मिकता को भी नए समय में खत्म कर दिया है, मैं हमेशा यह मानता हूं कि %जीवन सदा आकस्मिकता में अधिक सुन्दर और मौलिक है, कि प्रबंधन और व्यवस्था में नहीं%।जब हम सामाजिक समरसता की बात करते हैं तो हमें लोक आंचिलकता में व्याप्त लोक चेतना, समग्रता और सामूहिकता के अनेक पहलू दिखाई देते हैं जो न केवल लोकाचार, व्यवहारिकता, घरेलू है बल्कि धार्मिक और सांस्कृतिक विविधता के बावजूद सामाजिक एकता के सूत्र में बंधे होने के संकेत देते हैं, शादी ब्याह या मांगलिक कार्यों में समाज के हर वर्ग की उपस्थिति व उनके द्वारा किये जाने वाले कार्य, जैसे शादियों में पहले नाई समाज का व्यक्ति पूरे गांव में निमंत्रण देने के लिए मशाल लेकर घर-घर निमंत्रण देने जाता था, ढोली समाज का व्यक्ति मंगल अवसर पर घर-घर ढोल बजाता। हालांकि यह थोड़ा बचा हुआ है क्योंकि अभी भी विशेष तिथियों पर ढोल बजाने वाले घर-घर जाते हैं, मुझे कभी- कभी ये ढोल बजाने वाले जर्मन उपन्यासकार गुंटूर ग्रास के उपन्यास टिन ड्रमर के नायक जैसे लगते हैं! खैर..पहले भागवत, सत्यनारायण कथा, तेजाजी की कथा आदि में ज़रूरत के सामान, सामग्री समाज के हर वर्ग के सहयोग से पूरे किये जाते थे, जिनमें लगने वाली सामाग्री में लकड़ी के तखत, गाव तकिये, गोटा किनारी की साड़ियां जिन्हें सजावट के लिए मंच पर उपयोग करते थे, किसी के घर से केले के पत्ते आदि लिए जाते थे यह सब हमारी लोक संस्कृति में ही सम्भव होता था। शादियों में कुम्हार के यहां से धोली कलश लाना, खानागर (खन मिट्टी) यह सब जन संस्कृति से उपजी प्रथाएं हैं जो अब भी प्रचलित हैं। हमारे यहां तो ब्याह में स्वर्गीय (बड़े-बूढ़े) को न्योता देना, रोड़ी न्योतना तक की संस्कृति लोक मान्यताओं में प्रचलित हैं।विविध त्योहारों में एक दूसरे के साथ समरसता का भाव सदा हमें देखने को मिलता था जैसे जैनियों के पर्यूषण पर्व में अन्य समाज का मिलना, होली, दशहरे-दीवाली, ईद पर मिलना। मुहरर्म में ताजिए के नीचे से निकलने पर बलाओं, बीमारियों से मुक्त होने की लोक मान्यता प्रचलित थी, लिहाजा हिन्दू समाज के लोग भी अपने बच्चों को ताजिए के नीचे से निकालने के लिए भेजते थे। दीवाली पर रुई की बत्ती बनाने के लिए रुई, मुस्लिम समुदाय के पिंजारों से ही ली जाती थी। इस तरह लोक जीवन में जातीय सांस्कृतिक समरसता ही नहीं, बल्कि धार्मिक समरसता का भी एक सूत्र में समाहित होने की एक लोक संस्कृति मानव समाज में विकसित और स्वीकार्य थी, यह अलग बात है कि अब इसमें राजनीतिक कारणों से गंभीर विचलन, विगलन और विश्रृंखलन हुआ है। चुनाव विश्लेषण

मालवा की लोक संस्कृति के लोकपर्व में संजाबाई का विशेष रूप में उल्लेखनीय है जिसमें पितृपक्ष के दौरान गोबर से घरों की दीवार पर विभिन्न तरह की आकृतियां बनाकर फूलों से सजाई जाती हैं और हर दिन संजा के गीत गाए जाते हैं। ये गीत भी लोक जीवन की आंचलिक परिवेश में खूब लोकप्रिय हैं किन्तु अब यह पर्व ग्रामीण क्षेत्र से भी समाप्त जैसा ही है।

अब पक्के घरों में गोबर के बजाय बाज़ार में उपलब्ध कागज़ की तैयार संजा से काम चला लिया जाता है। यह भी दिलचस्प है कि महाराष्ट्रीयन लोक संस्कृति में गुलाबाई भी लगभग उसी समय में मनाया जाता है इस तरह एक ही समय में मालवा और महाराष्ट्र के दो लोकपर्व एक साथ मनाना भी समरसता का ही उदाहरण है।घरों को गोबर से लीपकर उस पर गेरू व पाण्डु से मांड़ने बनाना लोक कला की सबसे कलात्मक शैली थी जिसमें मांड़ने की जुड़ाई या भरण को गली, मोहल्ले की सखी, सहेलियां और महिलाएं एक दूसरे के सहयोग से पूरा करती थी, घट्टी पीसते हुए प्रातः में प्रभाती लोक गीतों का प्रचलन था, खेतों पर फसलों को काटने या मूंगफली खोदने जाना एक उत्सव की तरह था, जिसमें खेत मालिक के व्यावसायिक प्रयोजन से ज्यादा सामाजिक मेलजोल की संस्कृति की निष्पत्ति होती थी जो रिश्तों की आत्मीय बुनावट करती थी।एक और बहुत जरूरी बिंदु इसमें जोड़ना चाहिए वो यह कि एक %बहुरूपिया' भी लोक संस्कृति में एक आवश्यक हिस्सा था जिसे मैं लोक नाट्य परम्परा का सबसे सरल व सुलभ रूप मानता हूं जो रूप बदलकर घर-घर जाकर अपने संवादों से लोकरंजन और उस रूप के बारे में जानकारियों से लोक को अवगत कराते थे। इसी तरह रोज तिथि, तीज, त्योहारों की जानकारी देने पंडित, नाथ सम्प्रदाय (छुल्लक बाबा) भी अपने तरीके से संस्कृति को जोड़ते थे। तेजाजी या रामदेव बाबा की कथा को इकतारे पर गाने वाले या फिर कोड़े से अपने शरीर पर आघात करके लोकगीत गाने वाले हों- ये सब हमारी लोक संस्कृति को समृद्ध करते थे। इनमें से यदाकदा कुछ दिख जाते हैं, अन्यथा तो ये सब परिदृश्य से गायब होते जा रहे हैं।दरअसल हम देख रहे हैं कि बाजार ने बहुत सारी चीजें हथिया ली हैं लिहाजा अब संस्कृति भी बाज़ार की ताकत से संचालित हो रही है। शादी ब्याह में रिश्तेदारों की जगह वेडिंग प्लानरों या इवेंट मैनेजरों ने ले ली है।

लिहाजा चमकदार रोशनी और डीजे के शोर में सब दब गया है। सारे उत्सवों,पर्वों और त्योहारों का भी यही हाल हो गया है। दूसरी तरफ औपनिवेशकता के चलते सभ्यता के विकास क्रम ने गलियों, मुहल्लों, ग्वाड़ियों और बाड़ों को खत्म कर दिया है। कॉलोनी कल्चर, मल्टी सोसायटी फ्लैट सिस्टम ने इंसानों के बीच दूरी बढ़ा दी है, जिससे लोक जीवन और लोक संस्कृति विलुप्त हो रहे हैं। अगर थोड़ा बहुत कुछ कहीं बचा है तो वह है हमारी जनजातीय संस्कृति, उसे भी विकास के नव विचार, कारपोरेट, अर्थ लाभ का गणित और आधुनिक सभ्यता, सत्ताएं समाप्त करने पर तुली हैं।लोक संस्कृति हमारी सामाजिक समरसता और सभ्यता को जीवित रखने का सबसे बड़ा घटक है। इसे हर जगह जीवित रखने और बचाने के उपाय, उपादान और उद्यम करने के लिए हमें लोगों को लोकचेतना के माध्यम से जागरूक करना होगा, जिससे जीवन, जगत और समाज की एक रस निष्पत्ति हर मनुष्य के लोक मंगल का रस सबको दिला सके।

अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस (12 मई) पर विशेष) फ्लोरेंस नाइटिंगेल जो कर गईं, वह बेमिसाल

योगेश कुमार गोयल

दया और सेवा की प्रति मूर्ति फ्लोरेंस नाइटिंगेल को आधुनिक नर्सिंग का जन्मदाता माना जाता है। उनकी इस वर्ष हम 206वीं जयंती मना रहे हैं। प्रतिवर्ष उनकी जयंती को 12 मई को एक विशेष थीम के साथ अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस विशेष अवसर पर स्वास्थ्य क्षेत्र में कार्यरत नर्सिंग कर्मियों के योगदान को नमन करना किया जाता है। इस वर्ष यह दिवस 'हमारी नर्सें। हमारा भविष्य। सशक्त नर्सें जीवन बचाती हैं।' थीम के साथ मनाया जा रहा है। इसका उद्देश्य सुरक्षित वातावरण, उचित वेतन और नेतृत्व के अवसरों के माध्यम से नर्सों को सहायता और प्रशिक्षण प्रदान करना है ताकि रोगी देखभाल और स्वास्थ्य परिणामों में सुधार किया जा सके। लेडी विद द लैंप के नाम से विख्यात नाइटिंगेल का जन्म 12 मई 1820 को इटली के फ्लोरेंस शहर में हुआ था। भारत में वर्ष 1973 में नर्सों के अनुकरणीय कार्यों को सम्मानित करने के लिए उन्हीं के नाम से फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार की स्थापना की गई थी। केंद्र सरकार प्रतिवर्ष इस दिवस के अवसर पर यह पुरस्कार प्रदान करती है। फ्लोरेंस नाइटिंगेल बेहद खूबसूरत, पढ़ी-लिखी और समझदार युवती थी। उन्होंने अंग्रेजी, इटैलियन, लैटिन, जर्मनी, फ्रेंच, इतिहास और दर्शनशास्त्र की पढ़ाई की तथा अपनी बहन और माता-पिता के साथ कई देशों की यात्रा की। मात्र 16 वर्ष की उम्र में ही उन्हें एहसास हो गया था कि उनका जन्म सेवाकार्यों के लिए ही हुआ है। हालांकि उस दौर में नर्सिंग को सम्मानित व्यवसाय भी नहीं माना जाता था। इसलिए उनके माता-पिता का मानना था कि धनी परिवार की लड़की के लिए वह पेशा सही नहीं है। दरअसल वह ऐसा समय था, जब अस्पताल बेहद गंदी जगह पर होते थे और वहां बीमार लोगों की मौत के बाद काफी भयावह माहौल हो जाता था। 1850 में फ्लोरेंस ने जर्मनी में प्रोटेस्टेंट डेकोनेसिस संस्थान में दो सप्ताह की अवधि में एक नर्स के रूप में अपना प्रारम्भिक प्रशिक्षण पूरा किया। मरीजों, गरीबों और पीड़ितों के प्रति उनके सेवाभाव को देखते हुए आखिरकार उनके माता-पिता द्वारा वर्ष 1851 में उन्हें नर्सिंग की आगे की पढ़ाई के लिए अनुमति दी गई। उन्होंने जर्मनी में महिलाओं के लिए एक क्रिश्चियन स्कूल में नर्सिंग की पढ़ाई शुरू की, जहां उन्होंने मरीजों की देखभाल के तरीकों और अस्पतालों को साफ रखने के महत्व के बारे में जाना। फ्लोरेंस का नर्सिंग के क्षेत्र में पहली बार अहम योगदान 1854 में क्रीमिया युद्ध के दौरान देखा गया। उस समय ब्रिटेन, फ्रांस और तुर्किये की रूस से लड़ाई चल रही थी और सैनिकों को रूस के क्रीमिया में लड़ने के लिए भेजा गया था। युद्ध के दौरान सैनिकों के जख्मी होने, ठंड, भूख तथा बीमारी से मरने की खबरें आईं। युद्ध के समय वहां उनकी देखभाल के लिए कोई उपलब्ध नहीं था। ऐसे में ब्रिटिश सरकार ने फ्लोरेंस के नेतृत्व में अक्टूबर 1854 में 38 नर्सों का एक दल घायल सैनिकों की सेवा के लिए तुर्किये भेजा। फ्लोरेंस ने वहां पहुंचकर देखा कि किस प्रकार वहां अस्पताल घायल सैनिकों से खचाखच भरे हुए थे, जहां गंदगी, दुर्गंध, दवाओं तथा उपकरणों की कमी, दूषित पेयजल इत्यादि के कारण असुविधाओं के बीच संक्रमण से सैनिकों की बड़ी संख्या में मौतें हो रही थी। उन्होंने अस्पताल की हालत सुधारने के अलावा घायल और बीमार सैनिकों की देखभाल में दिन-रात एक कर दिया, जिससे सैनिकों की स्थिति में काफी सुधार हुआ। उनकी अथक मेहनत के परिणामस्वरूप ही अस्पताल में सैनिकों की मृत्यु दर में बहुत ज्यादा कमी आई। उस समय किए गए उनके सेवा कार्यों के लिए ही सभी सैनिक उन्हें आदर और प्यार से लेडी विद द लैंप कहने लगे। दरअसल जब चिकित्सक अपनी ड्यूटी पूरी करके चले जाते, तब भी वह रात के गहन अंधेरे में हाथ में लालटेन लेकर घायलों की सेवा के लिए उपस्थित रहीं। 1856 में युद्ध की समाप्ति के बाद जब वह वापस लौटीं, तब स्वयं महारानी विक्टोरिया ने पत्र लिखकर उनका धन्यवाद किया। उसके कुछ ही माह बाद रानी विक्टोरिया से उनकी मुलाकात हुई और उनके सुझावों के आधार पर ही वहां सैन्य चिकित्सा प्रणाली में बड़े पैमाने पर सुधार संभव हुआ और वर्ष 1858 में रॉयल कमीशन की स्थापना हुई। उसके बाद ही अस्पतालों की सफाई व्यवस्था पर ध्यान देना, सैनिकों को बेहतर खाना, कपड़े और देखभाल की सुविधा मुहैया कराना तथा सेना द्वारा डॉक्टरों को प्रशिक्षण देने जैसे कार्यों की शुरुआत हुई। फ्लोरेंस नाइटिंगेल के सेवा कार्यों ने नर्सिंग व्यवसाय का चेहरा ही बदल दिया। उन्हें रेडक्रॉस की अंतरराष्ट्रीय समिति ने सम्मानित किया। फ्लोरेंस की सेवा भावना को देखते हुए नर्सिंग को उसके बाद महिलाओं के लिए सम्मानजनक पेशा माना जाने लगा और उनकी प्रेरणा से ही नर्सिंग क्षेत्र में महिलाओं को आने की प्रेरणा मिली। दुनिया जानती है कि फ्लोरेंस के अथक प्रयासों के कारण ही रोगियों की देखभाल तथा अस्पताल में स्वच्छता के मानकों में अपेक्षित सुधार हुआ। 90 वर्ष की आयु में 13 अगस्त 1910 को फ्लोरेंस नाइटिंगेल का निधन हो गया। उनकी कब्र सेंट मार्गरेट गिरजाघर के प्रांगण में है।

सामाजिक -आध्यात्मिक योगदान देने वाली विदुषी- संत मुक्ताबाई

गिरीश जोशी

महाराष्ट्र की संत परंपरा में संत मुक्ताबाई का नाम अत्यंत श्रद्धा एवं सम्मान के साथ लिया जाता है। वे केवल संत ज्ञानेश्वर की छोटी बहन ही नहीं थीं, बल्कि स्वयं एक उच्चकोटि की संत, दार्शनिक चिंतक और कवयित्री थीं।

वारकरी संप्रदाय में मुक्ताबाई को स्त्री-संत परंपरा की अग्रिम पंक्ति में स्थान प्राप्त है। उनकी वाणी में ज्ञान,भक्ति,वैराग्य, समता और आत्मबोध का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है।

मध्यकाल में जब दुनिया भर के अन्यान्य देशों में महिलाओं को उचित स्थान नहीं था तब भारतीय समाज में मुक्ताबाई ने अपने चिंतन और आध्यात्मिक योगदान से विशेष स्थान अर्जित किया।

जन्म एवं पारिवारिक पृष्ठभूमि

संत मुक्ताबाई का जन्म 13वीं शताब्दी में महाराष्ट्र के आपेगांव आलंदी क्षेत्र में माना जाता है। वे अपने तीन संत भाई निवृत्तिनाथ, ज्ञानेश्वर, सोपानदेव की छोटी बहन थीं। उनका परिवार सामाजिक बहिष्कार, धार्मिक रूढ़ियों की प्रताड़ना का शिकार हुआ था।

उनके पिता विठ्ठलपंत ने पहले संन्यास लिया था लेकिन किसी कारण से बाद में फिर से गृहस्थ जीवन में लौटने के कारण समाज ने इनके परिवार का सामाजिक बहिष्कार कर दिया था। इस सामाजिक पीड़ा ने मुक्ताबाई के मन में विद्वेष की जगह करुणा, समता और आध्यात्मिकता को मजबूती से विकसित किया।

आध्यात्मिक संस्कार

मुक्ताबाई को आध्यात्मिक संस्कार उनके बड़े भाई निवृत्तिनाथ से मिले थे, जो नाथ संप्रदाय के संत थे। निवृत्तिनाथ ने ज्ञानेश्वर, सोपानदेव और मुक्ताबाई को आत्मज्ञान का मार्ग दिखाया। मुक्ताबाई की साधना में नाथपंथ की परंपरा और वारकरी संप्रदाय की भक्तिधारा का सुंदर समन्वय दिखाई देता है। वे ईश्वर को बाहरी कर्मकांड में नहीं, बल्कि अंतःकरण की शुद्धता और आत्मबोध में खोजती हैं। दूसरी ओर वारकरी संप्रदाय की विठ्ठल भक्ति और नामस्मरण की परंपरा ने उनकी साधना और अभिव्यक्ति को लोकाभिमुख बनाया। इस प्रकार मुक्ताबाई के व्यक्तित्व में नाथ संप्रदाय और वारकरी भक्ति परंपरा का अद्भुद समन्वय मिलता है। मुक्ताबाई का जीवन यह प्रतिपादित करता है कि ईश्वर-प्राप्ति, ज्ञान और मोक्ष में स्त्री-पुरुष का कोई भेद नहीं है।

उनकी भूमिका से स्पष्ट हुआ कि स्त्री भी गुरु हो सकती है। स्त्री भी दार्शनिक संवाद कर सकती है। स्त्री भी समाज को दिशा दिखा सकती है। मुक्ताबाई का जीवन वृत्त संत साहित्य, लोककथाओं और परंपरागत आख्यानों पर आधारित है। उनका प्रभाव वारकरी संप्रदाय और मराठी संत साहित्य पर गहरा पड़ा है। उनकी रचनाओं में स्त्री अनुभव, सामाजिक पीड़ा और आध्यात्मिक उत्कर्ष का अद्भुत समन्वय मिलता है।

संत ज्ञानेश्वर के जीवन में भूमिका

मुक्ताबाई केवल संत ज्ञानेश्वर की बहन ही नहीं थीं, बल्कि उनकी आध्यात्मिक यात्रा की सहयात्री भी थीं। अनेक कथाओं में ये उल्लेख भी मिलता है कि जब ज्ञानेश्वर सामाजिक विरोध और मानसिक वेदना से व्यथित होते, तब मुक्ताबाई उन्हें धैर्य, समता और क्षमा का भाव धारण करने का संदेश देती थीं। उनकी प्रसिद्ध उक्ति विश्व रागे झाले वन्ही, संत सुखे व्हावे पाणीअर्थात जब संसार क्रोध और द्वेष की अग्नि बन जाए, तब संतों को शीतल जल के समान बन जाना चाहिए।

एक बार की बात है समाज के अपमान और तिरस्कार से दुःखी और निराश होकर ज्ञानेश्वर ने स्वयं को एक कुटिया में बंद कर लिया था। तब मुक्ताबाई ने ताटी (कुटिया का दरवाजा) खोलोये विनती करते हुए अभंग लिखें है। इन अभंगों में करुणा, समता, क्षमा और संत स्वभाव का गहन तत्त्वज्ञान व्यक्त हुआ है।

ताटी के अभंग

ताटी के अभागों में सबसे प्रसिद्ध अभंग है- 卐ताटी उघडा ज्ञानेश्वरा। योगी पावन मनाचा ॥मुक्ताबाई ज्ञानेश्वर से कहती हैं कि सच्चा योगी लोगों के व्यवहार से विचलित नहीं होता। संत जेणे व्हावे। जग बोलणे सहावे ॥संत वही कहलाए। जो जग की बातें सह जाए ॥ इस पंक्ति में संत स्वभाव का सार व्यक्त किया गया है कि संत वही हो सकता है जो दुनिया की निंदा, अपमान, उपेक्षा आदि को सहन करना सीख जाता है। 卐थोरपण जेथे वसे।

तेथे भूतदया असे ॥जहां महानता बसती है। वहाँ प्राणिमात्र पर दया होती है ॥ मुक्ताबाई के अनुसार सच्ची महानता प्रत्येक प्राणियों के प्रति दया और करुणा में होती है। आपण जैसे व्हावे ।अवघे अनुमानावे ॥स्वयं जैसे बनो।

वैसे ही सबको समझो ॥ मनुष्य स्वयं जैसा होता है वैसा ही दूसरों से अपेक्षा कर सकता है। क्रोधे यावे कोठे ।अवघे आपण निधोटे ॥क्रोध किस पर करें। सब अपने ही स्वरूप हैं ॥ राग और द्वेष व्यर्थ हैं, क्योंकि सभी जीव उसी परमात्मा के अंश हैं। जीभ दातांनी चाविली ।कोणी बत्तीशी तोडिली ॥यदि दांतों ने जीभ काट ली तो क्या कोई अपनी पूरी बत्तीसी तोड़ देता है? जैसे दाँत गलती से जीभ काट लें तो हम दाँत नहीं तोड़ते, वैसे ही सब मनुष्य अपने ही है इसलिए उनकी भूलों को क्षमा करना चाहिए। चणे खावे लोखंडाचे। मग ब्रह्मपदी नाचे ॥लोहे के चने चबाने पड़ते हैं। तब ब्रह्म पद प्राप्त होता है ॥ आध्यात्मिक साधना से ब्रह्म तत्व को पाना कठिन होता है उसके लिए धैर्य, सहनशीलता और कठोर तप आवश्यक है। संत मुक्ताबाई के 卐ताटी के अभंगवारकरी संत साहित्य में अत्यंत प्रसिद्ध और आध्यात्मिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण माने जाते हैं।

साहित्यिक योगदान

मुक्ताबाई की रचनाएं मुख्यतः अभंग शैली में उपलब्ध हैं। उनकी वाणी सरल, मार्मिक और अनुभवप्रधान है। उनके अभंगों के प्रमुख विषय आत्मज्ञान, समता, और सामाजिक भेदभाव का विरोध, वैराग्य- माया, अहंकार और लोभ से मुक्ति का संदेश तथा भक्ति, ईश्वर के प्रति निष्कपट प्रेम और समर्पण रहे हैं।

सामाजिक दृष्टि एवं नारी विमर्श का स्वर

मुक्ताबाई का व्यक्तित्व मध्यकालीन समाज में नारी सशक्तिकरण का उदाहरण है। उन्होंने यह सिद्ध किया कि स्त्री केवल गृहस्थी तक सीमित नहीं, बल्कि वह ज्ञान, साधना और समाज सुधार की वाहक भी हो सकती है।

उनकी वाणी में स्त्री की स्वतंत्र चेतना, आत्मसम्मान और आध्यात्मिक अधिकार स्पष्ट दिखाई देते हैं। इसलिए आधुनिक महिला विमर्श की दृष्टि से मुक्ताबाई का अध्ययन जरूरी है। मुक्ताबाई की विशेषता उनके ज्ञानप्रधान भक्ति दर्शन में दिखाई देती है। जैसे मीराबाई का केंद्र कृष्णप्रेम है, वैसे ही मुक्ताबाई का केंद्र आत्मज्ञान और समरसता है। आधुनिक स्त्री विमर्श के संदर्भ में मुक्ताबाई का अध्ययन इसलिए महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि उन्होंने 13वीं शताब्दी में ही स्त्री की बौद्धिक क्षमता, आध्यात्मिक समानता, सामाजिक अस्मिता और मानवीय गरिमा को स्थापित किया। तत्कालीन समय में मुक्ताबाई का संत, कवयित्री और गुरु रूप में उभरना सामाजिक दृष्टि से क्रांतिकारी घटना थी।

भाषा और अभिव्यक्ति

मुक्ताबाई ने लोकभाषा मराठी में अभंग रचे। उनकी वाणी में सहजता,अनुभव की प्रामाणिकता, करुणा, प्रतिरोध की सौम्य शैली और आत्मविश्वास स्पष्ट दिखाई देता है। वे स्वतंत्र स्त्री वैचारिकी की प्रतिनिधि हैं। उन्होंने मध्यकालीन समाज में स्त्री की बौद्धिकता, आध्यात्मिक समानता, स्वतंत्र पहचान और सामाजिक गरिमा को स्थापित किया। वे जागरूक भारतीय स्त्री चेतना की प्रारंभिक प्रवक्ता हैं, जिन्होंने अपने जीवन और वाणी से स्त्री सशक्तिकरण का रास्ता दिखाया।

जीवन का अंतिम चरण

किंवदंतियों के अनुसार अल्पायु में ही उन्होंने देहत्याग किया। किंतु उनका आध्यात्मिक प्रभाव वारकरी परंपरा में आज भी जीवित है। वे महाराष्ट्र की प्रारंभिक स्त्री संत कवयित्री हैं। उन्होंने भक्ति को सामाजिक समता से जोड़ा। उनकी वाणी में ज्ञानेश्वर की परंपरा का दार्शनिक विस्तार मिलता है। वे स्त्री-आध्यात्मिक नेतृत्व का सशक्त उदाहरण हैं। संत मुक्ताबाई का जीवन यह सिद्ध करता है कि आध्यात्मिक महानता आयु, लिंग या सामाजिक स्थिति पर निर्भर नहीं करती, बल्कि अंतःकरण की निर्मलता पर आधारित होती है। मुक्ताबाई की वाणी आज भी समाज को यह संदेश देती है कि जब संसार द्वेष से जल रहा हो, तब मनुष्य को प्रेम, शांति और करुणा का जल बनना चाहिए।

(लेखक, संस्कृति अध्येता एवं स्तंभकार हैं)

स्पिन व तेज गेंदबाजों के कॉम्बिनेशन के साथ मैदान में उतरेगा पंजाब : जेम्स होप

एजेंसी

धर्मशाला। पंजाब किंग्स के गेंदबाजी कोच जेम्स होप ने कहा कि धर्मशाला में हाई एल्टीट्यूड काफी बेहतरीन है। उन्होंने कहा कि गेम्स में स्थितियां काफी बदल रही हैं। बेहतरीन स्टार्ट मिलने के बाद भी पूरे टूर्नामेंट में कई उतार चढ़ाव देखने को मिलते हैं। धर्मशाला हाई स्कोरिंग मैदान रहा है, ऐसे में बल्लेबाजों व गेंदबाजों दोनों के लिए गेम टफ रहेगा। धर्मशाला विश्व के खूबसूरत मैदानों में से एक है, यहां क्रिकेट खेलना महत्वपूर्ण है। गेंदबाजी कोच ने कहा कि स्पिन व तेज गेंदबाजों के कॉम्बिनेशन के साथ मैदान में उतरेंगे। इसमें पिच की स्थिति को देखते हुए टीम को उतारा जाएगा। टीम के पास काफी ऑप्शन है, जिन्हें लेकर कल के मैच में उतरेंगे। उन्होंने कहा कि जितना हो सकसे महत्वपूर्ण नहीं होता, बेहतरीन खेल भी काफी मायने रखता है। कोच ने कहा कि बल्ले, गेंद व फील्डिंग में और बेहतरीन प्रदर्शन के लिए जाना चाहते हैं। बहुत अधिक गेमों पर फोकस करने की बजाय वर्तमान के मैच पर ही रिकी पोंटिंग व पूरी टीम का ध्यान है।

सीएसके ने एलएसजी को पांच विकेट से हराया, प्लेऑफ की उम्मीदें कायम

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 53वें मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) को पांच विकेट से हरा दिया।चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में एलएसजी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में आठ विकेट खोकर 203 रन बनाए।जवाब में सीएसके ने 19.2 ओवर में पांच विकेट पर 208 रन बनाते हुए मैच अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ चेन्नई ने प्लेऑफ की अपनी उम्मीदों को जिंदा रखा है। टीम के 11 मैचों में छह जीत के साथ 12 अंक हो गए हैं। इसी के साथ चेन्नई अंक तालिका में पांचवें नंबर पर पहुंच गई है। वहीं, लखनऊ की टीम इस हार के साथ अंक तालिका में सबसे नीचे 10वें स्थान पर है। टीम के 11 मैचों में 6 अंक है। 204 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी चेन्नई ने तेज शुरुआत की। टीम ने पावरप्ले में 97 रन बटोरे। इस दौरान टीम ने मात्र एक विकेट खोया। सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे, लेकिन चौथे ओवर में बोल्ड हो गए। सैमसन ने 14 गेंदों पर तीन चौकों और दो छक्कों की मदद से 28 रन बनाए। टीम का दूसरा विकेट उर्विल पटेल के रूप में गिरा। युवा बल्लेबाज ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए आईपीएल इतिहास का संयुक्त रूप से सबसे तेज अर्धशतक लगाया। उर्विल ने 13 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। उर्विल ने 23 गेंदों पर दो चौकों और आठ छक्कों की मदद से 65 रन बनाकर आउट हुए।

अगले तीनों मुकाबले जीतने पर रहेगा दिल्ली का फोकस : बेल

धर्मशाला। दिल्ली केपिटल्स के सहायक कोच इयान बेल ने कहा कि उनकी टीम अब अपने अगले तीनों मुकाबलों में जीत दर्ज करने पर फोकस करेगी। उन्होंने कहा कि पिछले मैचों में टीम का प्रदर्शन इतना अच्छा नहीं रहा है लेकिन उम्मीद है कि धर्मशाला में पंजाब के खिलाफ जीत दर्ज करने के लिए टीम पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि वह खुद यहां की कूल कंडीशन को पसंद करते हैं। धर्मशाला में काफी अच्छा मौसम है और यहां रोमांचक मैच की उम्मीद है। पत्रकार वार्ता में बेल ने कहा कि उन्होंने भी पहले यहां पर मैच खेला है और यहां बैटिंग करना पसंद करते रहे हैं। सहायक कोच ने कहा कि आईपीएल में वर्ल्ड क्लास खिलाड़ी भाग लेते हैं। फ्रेंचाइजी के रूप में आगामी तीन गेमों पर फोकस करना चाहेंगे। ड्यू को लेकर अभी मैदान में अभ्यास किया है, लेकिन यहां की स्थितियों को देखते हुए सभी विभागों में बेहतरीन करेंगे। मिचेल स्टार्क यहां खेलना पसंद करेंगे, उनका अनुभव भी टीम के लिए काफी लाभकारी रहेगा। केएल राहुल हर स्थिति में बेहतरीन खेल रहे हैं, वह क्लास खिलाड़ी है। आईपीएल व इंटरनेशनल लेवल में बेहतरीन खेल दिखाने की जरूरत होती है। चेज करना यहां ठीक रहेगा, लेकिन फिर भी हम सभी स्थितियों को देखते हुए मैदान में उतरेंगे।

महिला वॉलीबाल प्रतियोगिता : केंद्रीय विद्यालय इफको फूलपुर ने जीता उद्घाटन मैच

प्रयागराज। सिविल लाइंस स्थित प्रधान डाकघर के क्रीड़ा स्थल पर डिस्ट्रिक्ट वॉलीबाल एसोसिएशन द्वारा पूर्व अंतरराष्ट्रीय वॉलीबाल खिलाड़ी स्व.राधेश्याम श्रीवास्तव की स्मृति में उनके पुण्यतिथि के अवसर पर सार्क फाउंडेशन के सहयोग से दो दिवसीय 'राधे कप जिला स्तरीय महिला वॉलीबाल प्रतियोगिता' शुरू हुई। जिसका उद्घाटन मुकाबला केंद्रीय विद्यालय इफको फूलपुर ने जीता। इस अवसर पर मुख्य अतिथि इलाहाबाद के सांसद उज्ज्वल रमण सिंह ने स्व. राधेश्याम श्रीवास्तव की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित कर खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करने के पश्चात फीता काटकर खेल प्रारम्भ की घोषणा की। उद्घाटन मैच जगत तारन गर्ल्स इंटर कॉलेज और केंद्रीय विद्यालय इफको फूलपुर के बीच खेला गया। जिसमें केंद्रीय विद्यालय इफको फूलपुर ने जगत तारन गर्ल्स इंटर कॉलेज को 25-20 व 25-23 अंकों से हराकर प्रतियोगिता का उद्घाटन मैच जीत लिया। एसोसिएशन के महासचिव आर.पी.शुक्ला ने बताया कि प्रतियोगिता में कुल 08 टीमों ने प्रतिभाग किया।

पैरा आर्मरेसलिंग की पैरालंपिक में एंट्री की राह साफ, ब्रिस्बेन 2032 के लिए पूरा हुआ अंतरराष्ट्रीय मानक

एजेंसी

मुंबई। पीपुल्स आर्मरेसलिंग फेडरेशन इंडिया (पाफी) और प्रो पंजा लीग ने सोमवार को बड़ी खुशी जताते हुए बताया कि पैरा आर्मरेसलिंग ने ब्रिस्बेन 2032 पैरालंपिक खेलों में शामिल होने के लिए अंतरराष्ट्रीय पैरालंपिक समिति द्वारा तय वैश्विक भागीदारी मानक को पूरा कर लिया है। विश्व आर्मरेसलिंग महासंघ की ओर से अतिरिक्त भागीदारी आंकड़े जमा किए जाने के बाद अंतरराष्ट्रीय पैरालंपिक समिति ने पुष्टि की कि अब पैरा आर्मरेसलिंग में 32 से अधिक देशों की नियमित और व्यापक भागीदारी हो चुकी है। यह उपलब्धि इस खेल को भविष्य में पैरालंपिक में शामिल किए जाने की दिशा में बड़ा कदम मानी जा रही है। इस खबर को भारत के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि देश में पैरा आर्मरेसलिंग खिलाड़ियों की मजबूत और तेजी से उभरती प्रतिभा

मौजूद है। पिछले कुछ वर्षों में पाफी और प्रो पंजा लीग ने पैरा खिलाड़ियों के लिए पेशेवर मंच तैयार करने की दिशा में लगातार काम किया है। प्रो पंजा लीग के दोनों सत्रों और देश के विभिन्न हिस्सों में आयोजित मेगा मुकाबलों में पैरा आर्मरेसलिंग वर्ग को विशेष स्थान दिया गया। इसके जरिए चंदन कुमार बेहरा, बुट्टा सिंह, श्रीनिवास बीवी, मोहन शर्मा और अरविंद रजक जैसे कई प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिला। प्रो पंजा लीग के सह-संस्थापक परवीन डबास ने कहा, 'यह केवल वैश्विक आर्मरेसलिंग ही नहीं, बल्कि भारत के लिए भी ऐतिहासिक क्षण है। हमने प्रो पंजा लीग और देशभर में आयोजित मेगा मुकाबलों के जरिए पैरा वर्ग में शानदार प्रतिभाएं देखी हैं। शुरू से ही हमारा मानना रहा कि पैरा आर्मरेसलिंग को समान पहचान और अवसर मिलना चाहिए, इसलिए हमने इसे हर सत्र में शामिल किया। यदि यह खेल ब्रिस्बेन 2032 पैरालंपिक का हिस्सा बनता है, तो भारत के पास कई पदक जीतने का मजबूत मौका होगा।' पीपुल्स आर्मरेसलिंग फेडरेशन इंडिया की अध्यक्ष और एशियाई आर्मरेसलिंग महासंघ की उपाध्यक्ष प्रीति झंगियानी ने कहा, 'भारत हमेशा से पैरा खेल प्रतिभाओं का केंद्र रहा है और आर्मरेसलिंग भी इससे अलग नहीं है। देशभर के पैरा खिलाड़ियों से हमें शानदार प्रतिक्रिया मिली है। अंतरराष्ट्रीय पैरालंपिक समिति की यह मान्यता खेल के वैश्विक विकास को दर्शाती है और हमें भारत में पैरा खिलाड़ियों के लिए और अवसर तैयार करने की प्रेरणा देती है। हमें विश्वास है कि सही समर्थन और मंच मिलने पर भारतीय खिलाड़ी विश्व चैंपियन बन सकते हैं।'

आखिरी गेंद पर आरसीबी की रोमांचक जीत, मुंबई इंडियंस आईपीएल 2026 से बाहर

एजेंसी

रायपुर। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने आईपीएल 2026 के बेहद रोमांचक मुकाबले में मुंबई इंडियंस (एमआई) को 2 विकेट से हराकर प्लेऑफ की ओर मजबूत कदम बढ़ा दिया है। रायपुर में खेले गए इस लो-स्कोरिंग लेकिन हाई-वोल्टेज मैच में बेंगलुरु ने अंतिम गेंद पर 167 रन का लक्ष्य हासिल किया। इस हार के साथ मुंबई इंडियंस टूर्नामेंट से बाहर हो गई। लगातार दो हार के बाद आरसीबी की यह शानदार वापसी रही और टीम पॉइंट्स टेबल में शीर्ष स्थान पर पहुंच गई। मुंबई इंडियंस की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने सिर्फ तीन ओवर के अंदर अपने शुरुआती तीन विकेट गंवा दिए। अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने रोहित शर्मा और सूर्यकुमार यादव समेत तीन बल्लेबाजों को जल्दी आउट कर मुंबई को दबाव में डाल दिया। हालांकि रोहित ने 10 गेंदों पर 22 रन की तेज पारी खेली। इसके बाद नमन धीर और तिलक वर्मा ने पारी संभाली। दोनों के बीच 82 रन की अहम साझेदारी हुई, जिससे मुंबई 100 रन के पार पहुंच सकी। नमन अर्धशतक से चूक गए, जबकि तिलक वर्मा ने शानदार फिफ्टी लगाई। मगर 18वें ओवर में भुवनेश्वर ने तिलक को आउट कर मुंबई की रफ्तार रोक दी। मुंबई की टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 166 रन ही बना सकी। भुवनेश्वर ने 4 विकेट लेकर मैच का रुख बदल दिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए बेंगलुरु की शुरुआत भी खराब रही। विराट कोहली लगातार दूसरे मैच में खाता खोले बिना आउट हो गए। दीपक चाहर ने शुरुआती झटके देकर आरसीबी को मुश्किल में डाल दिया। इसके बाद क्रुणाल पांड्या और जैकब बैथेल ने पारी को संभाला।

आईपीएल 2026 : आरसीबी के मुख्य कोच एंडी फ्लावर पर जुर्माना, अंपायर से बहस करना पड़ा भारी

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेले गए रोमांचक मुकाबले के दौरान रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के मुख्य कोच एंडी फ्लावर पर आचार संहिता उल्लंघन के चलते जुर्माना लगाया गया है। आईपीएल की ओर से सोमवार को जारी बयान के अनुसार एंडी फ्लावर ने खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों के लिए बनाई गई आचार संहिता के लेवल-1 का उल्लंघन किया। इस कारण उन पर मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। फ्लावर पर आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.3 के उल्लंघन का आरोप लगा, जो मैच के दौरान आपत्तिजनक या अशोभनीय भाषा के इस्तेमाल से संबंधित है। यह घटना मैच के 17.2 ओवर के दौरान हुई, जब एंडी फ्लावर चौथे अंपायर के साथ आक्रामक अंदाज में बातचीत करते नजर आए। मैच

रेफरी अमित शर्मा ने मामले की सुनवाई के बाद एंडी फ्लावर को दोषी पाया। आरसीबी के मुख्य कोच ने अपनी गलती स्वीकार कर ली और उन पर लगाए गए जुर्माने को मान लिया। गौरतलब है कि रायपुर में खेले गए इस मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आखिरी गेंद पर मुंबई इंडियंस को 2 विकेट से हराकर प्लेऑफ की दौड़ से बाहर कर दिया था। मुकाबले का अंत बेहद तनावपूर्ण रहा, जिसके दौरान मैदान पर दबाव और भावनाएं साफ नजर आईं।

ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान और बांग्लादेश दौरे के लिए टीमों का किया ऐलान, कई नए खिलाड़ियों को मिला मौका

एजेंसी

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया ने मई-जून 2026 में पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली एकदिवसीय श्रृंखला और बांग्लादेश दौरे के लिए अपनी सीमित ओवरों की टीमों का ऐलान कर दिया है। टीम की कप्तानी मिशेल मार्श करेंगे। इस दौरे के लिए कई नए खिलाड़ियों को मौका मिला है, जबकि अनुभवी तेज गेंदबाज पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड को सभी टीमों से बाहर रखा गया है। तेज गेंदबाज बिली स्टैनलेक और राइली मेरेडिथ की एकदिवसीय टीम में वापसी हुई है। वहीं युवा खिलाड़ियों ओलिवर पीक, लियाम स्कॉट और जोएल डेविस को पहली बार ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल किया गया है। पीक को केवल पाकिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला के लिए चुना गया है, जबकि स्कॉट को बांग्लादेश दौरे की एकदिवसीय टीम में भी जगह मिली है। डेविस को बांग्लादेश के खिलाफ टी20 टीम में मौका मिला है। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में खेल रहे ट्रैविस हेड, कूपर कोनोली, बेन ड्वारशुइस और जेवियर बार्टलेट पाकिस्तान श्रृंखला के बाद बांग्लादेश दौरे के लिए टीम से जुड़ेंगे। ये खिलाड़ी क्रमशः ओलिवर पीक, बिली स्टैनलेक, राइली मेरेडिथ और मैट शॉर्ट की जगह लेंगे। गौरतलब है

कि एकदिवसीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके ग्लेन मैक्सवेल को टी20 टीम में भी जगह नहीं मिली है।चयन समिति के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने कहा, 'नए खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में मौका मिलते देखना हमेशा उत्साहजनक होता है। अनुभवी और युवा खिलाड़ियों का यह मिश्रण उपमहाद्वीप के इन दौरों में टीम को संतुलन देगा।

पाकिस्तान के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की एकदिवसीय टीम

मिशेल मार्श (कप्तान), एलेक्स कैरी, नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, जोश इंग्लिस, मैथ्यू कुह्नेमैन, मार्नस लाबुशेन, राइली मेरेडिथ, ओलिवर पीक, मैथ्यू रेनशॉ, तनवीर संघा, लियाम स्कॉट, मैट शॉर्ट, बिली स्टैनलेक और एडम जाम्पा।

बांग्लादेश के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की एकदिवसीय टीम

मिशेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, एलेक्स कैरी, कूपर कोनोली, बेन ड्वारशुइस, नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, मैथ्यू कुह्नेमैन, मार्नस लाबुशेन, मैथ्यू रेनशॉ, तनवीर संघा, लियाम स्कॉट और एडम जाम्पा। मिशेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, कूपर कोनोली, टिम डेविड, जोएल डेविस, नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, आरोन हार्डी, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, स्पेंसर जॉनसन, मैथ्यू कुह्नेमैन, राइली मेरेडिथ, जोश फिलिप, मैथ्यू रेनशॉ और एडम जाम्पा।

आरसीबी से मिली हार पर मुंबई के कोच जयवर्धने ने कहा, 'बहुत सारे अगर-मगर हैं, लेकिन हमने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया'

एजेंसी

रायपुर। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ मिली दो विकेट की हार के बाद मुंबई इंडियंस का आईपीएल 2026 में प्लेऑफ का सपना पूरी तरह टूट गया। पांच बार की चैंपियन टीम अब इस सीजन ट्रॉफी नहीं जीत पाएगी और उसके सामने अब आखिरी स्थान से बचने की चुनौती है। मैच के बाद मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच माहेला जयवर्धने ने हार स्वीकार करते हुए कहा कि उनकी टीम पूरे सीजन में उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकी। उन्होंने माना कि टीम गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने में नाकाम रही।

जयवर्धने ने कहा, 'यह सीजन निराशाजनक रहा। हमारे पास मौके थे, लेकिन हम अच्छे नहीं थे। गेंद और बल्ले दोनों से निरंतरता की कमी साफ दिखाई दी। हम प्लेऑफ की दौड़ में बने रह सकते थे, लेकिन दो-तीन जीत हमसे छूट गईं।' उन्होंने कहा कि अभी पूरे सीजन का विश्लेषण करना मुश्किल है क्योंकि हार की निराशा काफी ताजा है, लेकिन इतना तय है कि टीम अपने कौशल और योजनाओं को सही तरीके से लागू नहीं कर पाई। आरसीबी के खिलाफ मुंबई इंडियंस की हार का सबसे बड़ा कारण आखिरी ओवर माना जा रहा है, जिसमें युवा ऑलराउंडर राज अंगद बावा को गेंद सौंपी गई। बावा अपने चार साल के आईपीएल करियर में पहली बार आखिरी ओवर फेंक रहे थे। उन्होंने ओवर की शुरुआत वाइड और नो-बॉल से की। हालांकि तीसरी गेंद पर रोमारियो शेफर्ड का विकेट लेकर मैच में रोमांच जरूर पैदा किया, लेकिन फिर एक और वाइड डाल दी। इसके बाद भुवनेश्वर कुमार ने छक्का लगाकर बेंगलुरु को जीत दिला दी। इस फैसले पर जयवर्धने ने कहा, 'उस समय हमारे सभी प्रमुख गेंदबाज अपने ओवर पूरे कर चुके थे। हमारे पास अनुभवी विकल्प नहीं बचे थे। हमारे पास कुछ स्पिनर थे, लेकिन हमने राज अंगद बावा पर भरोसा जताया। अभ्यास में वह अच्छी यॉर्कर डालते हैं और दबाव में गेंदबाजी करने की क्षमता रखते हैं।'

उन्होंने माना कि दबाव में बावा से कुछ गलतियां हुईं, लेकिन टीम ने आखिर तक संघर्ष किया। मुंबई इंडियंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 166 रन बनाए। जयवर्धने का मानना है कि टीम 170 से 180 रन तक पहुंच सकती थी, लेकिन बीच के ओवरों में जल्दी विकेट गिरने से टीम बड़ा स्कोर नहीं बना सकी। उन्होंने कहा, 'नमन धीर और तिलक वर्मा अच्छी साझेदारी कर रहे थे। लेकिन 14-15वें ओवर में विकेट गिरने से हमें नुकसान हुआ। अगर हम वहां विकेट नहीं गंवाते तो 15-20 रन और जुड़ सकते थे।' जयवर्धने ने खुलासा किया कि पूरे सीजन टीम चोटों से जूझती रही। रोहित शर्मा हैमस्ट्रिंग चोट के कारण छह मैच नहीं खेल सके, जबकि हार्दिक पांड्या पीठ की समस्या से परेशान रहे। इसके अलावा मिशेल सैंटनर भी कंधे की चोट के कारण बाहर हो गए। उन्होंने कहा, 'लोगों को लग सकता है कि हम लगातार टीम बदल रहे थे, लेकिन ज्यादातर बदलाव मजबूरी में करने पड़े। चोटों और खिलाड़ियों की अनुपलब्धता ने टीम संतुलन बिगाड़ दिया।' खराब फॉर्म से गुजर रहे सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पांड्या पर सवाल उठने के बावजूद जयवर्धने ने दोनों खिलाड़ियों का बचाव किया। जयवर्धने ने कहा, 'दोनों खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश कर रहे हैं। उनकी मेहनत और प्रतिबद्धता पर कोई सवाल नहीं है। विश्व कप जीतने वाली यही टीम थी और हमें अपने मुख्य खिलाड़ियों पर भरोसा बनाए रखना होगा।'

वर्ल्ड स्क्वैश चैंपियनशिपः मुस्तफा से हारे चोटरानी, भारत का सफर हुआ समाप्त

एजेंसी

गीजा। वर्ल्ड स्क्वैश चैंपियनशिप में भारत की चुनौती खत्म हो गई है। वीर चोटरानी को गोल्फ सेंट्रल पाम हिल्स में पुरुषों के दूसरे राउंड में मिस्र के वर्ल्ड नंबर 1 और डिफेंडिंग चैंपियन मुस्तफा असल के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। विश्व के 45वें नंबर के खिलाड़ी चोटरानी को मुस्तफा के खिलाफ 5-11, 2-11, 4-11 से शिकस्त झेलनी पड़ी। पहले राउंड में हमवतन अभय सिंह, रमित टंडन और वेलावन सेंथिलकुमार को हार का सामना करना पड़ा था। चोटरानी की हार के साथ भारतीय टीम का सफर खत्म हो गया है। असल ने पीसीए टूर वेबसाइट को बताया, 'वीर और मैंने पहले भी साथ में बहुत खेला है, और मुझे उसे यहां देखकर खुशी हो रही है; वह अपना बेस्ट स्क्वैश खेल रहा है। हमने पहले भी जूनियर लेवल पर एक-दूसरे के खिलाफ काफी खेला है। हमारा सामना वर्ल्ड जूनियर्स में भी हो चुका है। हम हमेशा न्यूयॉर्क में साथ में ट्रेनिंग करते हैं। वीर उन खिलाड़ियों में से एक हैं जो आपको किसी भी समय टक्कर दे सकते हैं, इसलिए मैं जीत हासिल करके बहुत खुश हूं। मुझे खुशी है कि जिम्बो यहां मेरे साथ हैं, साथ ही हैथम इफत और मेरे अंकल भी मेरे साथ हैं। यह साल का सबसे बड़ा टूर्नामेंट है, और हम मैच दर मैच आगे बढ़ रहे हैं। मैं अगले मैच के लिए तैयार हूं।' पिछले साल शिकागो में हुई वर्ल्ड चैंपियनशिप में भी भारत का कैंपेन दूसरे राउंड में ही खत्म हो गया था। भारत ने अभी तक वर्ल्ड स्क्वैश चैंपियनशिप में सिंगल्स इवेंट्स में कोई मेडल नहीं जीता है। दूसरी तरफ, नंबर 2 सीड और 2019 वर्ल्ड चैंपियनशिप के रनर-अप पॉल कोल भी आगे बढ़ गए हैं; उन्होंने फ्रांस के बैप्टिस्ट मासोटी को सीधे गेम में 11-1, 11-7, 11-9 से हराया और अगले राउंड में उनकी भिड़ंत नाथन लेक से होगी।

न्यूजीलैंड की नई टी20 लीग 'एनजेड20' की शुरुआत टली, अब दिसंबर 2027 में होगा शुभारंभ

एजेंसी

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड क्रिकेट की नई पुरुष और महिला टी20 लीग 'एनजेड20' की शुरुआत को आगे बढ़ा दिया गया है। पहले इस लीग की शुरुआत जनवरी 2027 में प्रस्तावित थी, लेकिन अब इसके दिसंबर 2027 में शुरू होने की संभावना है। जारी बयान में न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने कहा कि लीग की स्थापना और लाइसेंस प्रक्रिया को लेकर सभी पक्षों के साथ सकारात्मक बातचीत चल रही है। हालांकि, बोर्ड ने माना कि प्रतियोगिता को मजबूत और सफल बनाने के लिए अभी और समय की जरूरत है। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड की अध्यक्ष डायना पुकेतापु-लिंडन ने कहा, 'हम चाहते हैं कि न्यूजीलैंड में घरेलू टी20 क्रिकेट का भविष्य टिकाऊ, प्रतिस्पर्धी और वैश्विक क्रिकेट के अनुरूप हो।

एनजेड20 के साथ हमारी बातचीत सकारात्मक रही है, लेकिन लीग को दीर्घकालिक सफलता दिलाने के लिए अतिरिक्त समय जरूरी है।'

उन्होंने बताया कि जनवरी और फरवरी 2027 में ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका के खिलाफ पहले से तय टेस्ट श्रृंखलाओं के कारण कार्यक्रम काफी व्यस्त है, जिससे लीग के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल पा रहा था। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने स्पष्ट किया कि 2026-27 सीजन में सुपर स्मैश प्रतियोगिता जारी रहेगी। साथ ही भारत और श्रीलंका की पुरुष टीमों तथा बांग्लादेश महिला टीम के न्यूजीलैंड दौरे भी निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार होंगे।

एनजेड20 स्थापना समिति के अध्यक्ष डॉन मैकिनन ने कहा कि लीग को जल्दबाजी में शुरू करने के बजाय विश्वस्तरीय बनाना प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, 'हम चाहते हैं कि एनजेड20 बिना किसी समझौते के शुरू हो और पहले दिन से ही दीर्घकालिक सफलता के लिए तैयार हो। यह भी जरूरी है कि यह प्रतियोगिता अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के साथ तालमेल में चले, न कि उसके खिलाफ।' मैकिनन ने बताया कि न्यूजीलैंड और विदेशों से निवेशकों की रुचि लगातार बढ़ रही है। इसी कारण अब लीग के प्रमुख निवेश साझेदार और विभिन्न फ्रेंचाइजी के मालिकों के चयन के लिए प्रतिस्पर्धी प्रक्रिया शुरू की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि अतिरिक्त समय मिलने से फ्रेंचाइजी के शहरों और क्षेत्रीय पहचान को अंतिम रूप देने में मदद मिलेगी, ताकि लीग पूरे देश में मजबूत आधार बना सके।

एएफसी अंडर 17 एशियन कपः उज्बेकिस्तान से 0-3 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हुई भारतीय पुरुष टीम

एजेंसी

जेद्दा। किंग अब्दुल्ला स्पोर्ट्स सिटी हॉल स्टेडियम में एएफसी अंडर 17 एशियन कप सऊदी अरब 2026 के ग्रुप डी के आखिरी मुकाबले में भारत को डिफेंडिंग चैंपियन उज्बेकिस्तान से 0-3 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ भारत का टूर्नामेंट में सफर समाप्त हो गया है। भारत का फीफा अंडर 17 वर्ल्ड कप में सीधे क्वालीफाई करने का सपना भी अधूरा रह गया। पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया से बुरी तरह हारने के बाद, भारतीय टीम को टूर्नामेंट में बने रहने के लिए जीत की जरूरत थी। यही वजह रही कि भारतीय टीम डिफेंडिंग चैंपियन उज्बेकिस्तान के खिलाफ सावधारी से खेलती हुई नजर आई। हालांकि, उज्बेकिस्तान ने लगातार आक्रामक खेल दिखाया और भारत के डिफेंस का बार-बार परखा। पहले हाफ में दबाव के बावजूद भारत के डिफेंस का प्रदर्शन दमदार रहा। बैकलाइन ने अपनी शेप अच्छी बनाए रखी, जबकि गोलकीपर राजरूप सरकार ने उज्बेकिस्तान के कई प्रयासों को विफल किया। हालांकि, मैच के 32वें मिनट में भारतीय गोलकीपर से बड़ी चूक हुई, जिसका फायदा उज्बेकिस्तान को मिला। दरअसल, उज्बेकिस्तान के आक्रामक खेल को रोकने के लिए गोलकीपर राजरूप अपनी लाइन से बाहर निकले, लेकिन पेनल्टी एरिया में वह उज्बेकिस्तान के खिलाड़ी लाजिज अब्दुरईमोव को गिरा बैठे। इसके बाद उज्बेकिस्तान को पेनल्टी कॉर्नर मिला और अब्दुरईमोव ने गेंद को गोल पोस्ट के अंदर पहुंचाते हुए उज्बेकिस्तान को 1-0 की बढ़त दिला ही।

भारतीय टीम ने ब्रेक से पहले गोल करने के कई प्रयास किए, लेकिन टीम को सफलता हाथ नहीं लगी। गुनलेइबा वांगखेइराकपाम ने गोल के सामने एक शानदार क्रॉस दिया, लेकिन कोई भी भारतीय अटैकर इस शॉट को गोल में तब्दील नहीं कर सका। भारत मैच के 56वें मिनट में स्कोर बराबर करने के काफी करीब पहुंचा। डल्लालमुओन गंगटे ने एक शानदार फ्री-किक मारी जो क्रॉसबार को हिलाकर गोलकीपर को चकमा दे गई। हीरांगनबा सेराम ने रिबाउंड पर सबसे तेजी से रिएक्ट किया, लेकिन वह पास से गोल नहीं कर पाए।

उज्बेकिस्तान को दूसरा गोल वांगखेम डेनी सिंह की गलती के कारण मिला। वांगखेम मखमुद मुरादोव के कॉर्नर को अपने ही गोल पोस्ट में मार बैठे और विपक्षी टीम की बढ़त को 2-0 कर दिया।

आईएसएसएफ विश्व कपः मप्र की बेटी नीरू ढंडा ने विश्व मंच पर लहराया तिरंगा

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश की बेटी नीरू नीरू ढंडा ने आईएसएसएफ विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करते हुए न केवल पदक अपने नाम किया, बल्कि उन्होंने विश्व मंच पर तिरंगा लहराकर देश-प्रदेश का गौरव भी बढ़ाया है। जनसम्पर्क अधिकारी दुर्गेश रायकवार ने बताया कि मध्य प्रदेश में खेल एवं युवा कल्याण विभाग के अंतर्गत संचालित राज्य शूटिंग शॉटगन अकादमी की प्रतिभाशाली खिलाड़ी नीरू ढंडा ने कज़ाकस्तान के अल्माटी में आयोजित आईएसएसएफ विश्व कप 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए ट्रैप मिक्स्ड टीम इवेंट में कांस्य पदक अर्जित किया। यह प्रतियोगिता 02 मई से 11 मई 2026 तक आयोजित की जा रही है। उन्होंने बताया कि ट्रैप मिक्स्ड टीम स्पर्धा में भारत की ओर से मध्य प्रदेश राज्य शूटिंग शॉटगन अकादमी की खिलाड़ी नीरू ढंडा एवं विवान कपूर की जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक हासिल किया। भारतीय टीम ने मुकाबले में उत्कृष्ट निशानेबाजी का प्रदर्शन कर अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत को पदक दिलाया। आईएसएसएफ वर्ल्ड कप 2026 में विभिन्न देशों के विश्व स्तरीय निशानेबाजों ने सहभागिता की। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने उच्च स्तरीय प्रदर्शन करते हुए शूटिंग खेल में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

बार्सिलोना ने रियल मैड्रिड को 2-0 से हराकर जीता ला लीगा खिताब

एजेंसी

बार्सिलोना। बार्सिलोना ने रात खेले गए एल क्लासिको मुकाबले में चिर प्रतिद्वंद्वी रियल मैड्रिड को 2-0 से हराकर ला लीगा 2025-26 का खिताब अपने नाम कर लिया। कैंप नोउ में खेले गए इस मुकाबले में बार्सिलोना ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा और जीत के साथ अपना 29वां ला लीगा खिताब सुनिश्चित कर लिया। हांसी फ्लिक की टीम अब 91 अंकों के साथ शीर्ष पर पहुंच गई है और दूसरे स्थान पर मौजूद रियल मैड्रिड से 14 अंक आगे निकल चुकी है। सीजन में अब केवल तीन मुकाबले बचे हैं, ऐसे में रियल के लिए बार्सिलोना को पकड़ पाना असंभव हो गया है। वहीं विलारियल 69 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है। मुकाबले की शुरुआत से ही बार्सिलोना आक्रामक नजर आया। नौवें मिनट में मार्कस रैशफोर्ड ने शानदार फ्री-किक गोल दागकर टीम को बढ़त दिलाई। एंटोनियो रुडिगर द्वारा फेरान टोरेस पर बॉक्स के बाहर फाउल करने के बाद मिले मौके को रैशफोर्ड ने बेहतरीन तरीके से गोल में बदल दिया। इसके नौ

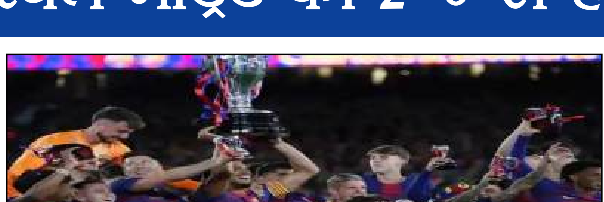

मिनट बाद बार्सिलोना ने अपनी बढ़त दोगुनी कर ली। फर्मिन लोपेज के क्रॉस पर दानी ओल्मो ने शानदार बैकहील पास दिया, जिस पर फेरान टोरेस ने जोरदार शॉट लगाकर गेंद को जाल में पहुंचा दिया।

इस जीत के साथ हांसी फ्लिक ने लगातार दूसरा ला लीगा खिताब जीता। पिछले सीजन में भी उन्होंने बार्सिलोना को ला लीगा और कोपा डेल रे का दोहरा खिताब दिलाया था। दोनों टीमें कई प्रमुख खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी से जूझ रही थीं। बार्सिलोना की शुरुआती एकादश में लामिन यामाल, राफिन्हा और जूल्स कुंडे शामिल नहीं थे। वहीं रियल मैड्रिड के कई अहम खिलाड़ी चोट और अन्य कारणों से बाहर रहे। एदर मिलिताओ, दानी कार्वाजाल, फेरलैंड मेंडी, आर्दा गुलर और रोड्रिगो टीम का हिस्सा नहीं थे। फेडेरिको वाल्वेर्डे भी सिर में चोट लगने के कारण नहीं खेल सके। बताया गया कि मिडवीक में ड्रेसिंग रूम में ऑरेलियन चुआमेनी के साथ झगड़े के बाद दोनों खिलाड़ियों पर पांच लाख यूरो का जुर्माना लगाया गया किलियन एम्बाप्पे भी पैर की मांसपेशियों में चोट के कारण टीम के साथ यात्रा नहीं कर सके। ऐसे में विनीसियस जूनियर और युवा स्ट्राइकर गोंजालो को आक्रमण की जिम्मेदारी सौंपी गई।

पहले हाफ में रियल मैड्रिड ने कुछ मौके जरूर बनाए, लेकिन बार्सिलोना का हमला ज्यादा खतरनाक रहा। रियल के गोलकीपर थिबाउट कोर्टुआ ने कई शानदार बचाव कर टीम को बड़े अंतर से हारने से बचाया। दूसरे हाफ में भी बार्सिलोना का दबाव जारी रहा। रैशफोर्ड लगातार रियल के डिफेंस को परेशान करते रहे। वहीं फेरान टोरेस के एक और शानदार प्रयास को कोर्टुआ ने बेहतरीन बचाव कर रोक दिया। 62वें मिनट में जूड बेलिंगहैम का गोल ऑफसाइड करार दिया गया। इसके बाद विनीसियस जूनियर के एक अच्छे मौके को बार्सिलोना के गोलकीपर जोआन गार्सिया ने विफल कर दिया। अंतिम मिनटों में रियल मैड्रिड ने वापसी की कोशिश की, लेकिन टीम के हमलों में धार की कमी साफ नजर आई। आखिरकार बार्सिलोना ने आसानी से जीत दर्ज कर खिताबी जश्न मनाया।

पीएम मोदी की अपील के बाद ज्वेलरी शेयरों में भारी गिरावट, 9 प्रतिशत तक फिसले

एजेंसी

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील के बाद सोमवार को ज्वेलरी शेयरों में भारी गिरावट देखी गई और शेयर 12 प्रतिशत तक फिसल गए, जिसमें टाइटन, कल्याण ज्वेलर्स, स्काई गोल्ड और ब्लूस्टोन ज्वेलरी एंड लाइफस्टाइल जैसी कंपनियों का नाम शामिल था। दोपहर एक बजे टाइटन का शेयर 6.11 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 4,233 रुपए पर था। वहीं, कल्याण ज्वेलर्स का शेयर 8.91 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 387 रुपए पर था। स्काई गोल्ड का शेयर 7.84 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 498.80 रुपए और ब्लूस्टोन ज्वेलरी एंड लाइफस्टाइल का शेयर 5.64 प्रतिशत की गिरावट के साथ 475 रुपए पर था। सिकंदराबाद में रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने नागरिकों से आग्रह किया कि वे एक वर्ष तक गैर-जरूरी सोने की खरीदारी से बचने की

अपील की थी, जिससे भारत के विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव कम हो सके। उन्होंने कहा, 'वर्तमान परिस्थितियों में, विदेशी मुद्रा बचाना देश के लिए महत्वपूर्ण हो गया है।' आयातित ईंधन पर भारत की निर्भरता का जिक्र करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने ईंधन की बचत, अनावश्यक खर्चों में कटौती और भारत में बनने वाली चीजों की खपत को प्राथमिकता देने जैसे उपायों को आवश्यक बताया।

उन्होंने अनावश्यक यात्रा और ईंधन की खपत को कम करने के लिए कोविड-19 के समय के उपायों जैसे वर्क फ्रॉम होम, ऑनलाइन बैठकें और वर्चुअल कॉन्फ्रेंस को दोबारा से शुरू करने की अपील की। प्रधानमंत्री मोदी ने नागरिकों से विदेश यात्रा और डेस्टिनेशन वेडिंग से बचने और घरेलू पर्यटन और स्थानीय खर्च को बढ़ावा देने का भी आग्रह किया। दूसरी तरफ, भारतीय शेयर बाजार में भी गिरावट जारी है। दोपहर एक बजे सेंसेक्स 860 अंक या 1.11 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 76,468 और निफ्टी 227 अंक या 0.94 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,948 पर था। बाजार में चौतरफा गिरावट है और करीब सभी सूचकांक लाल निशान में थे।

महंगाई की मारः अब साबुन, बिस्किट और पैकेट बंद सामान के लिए ढीली करनी होगी जेब

एजेंसी

नई दिल्ली। कच्चे तेल की कीमतों में उछाल, पैकेजिंग सामग्री और ईंधन लागत में भारी बढ़ोतरी के कारण अब रोजमर्रा के इस्तेमाल की वस्तुओं (FMCG) के दाम बढ़ने तय हैं। डाबर, ब्रिटानिया और हिंदुस्तान यूनिलीवर जैसी प्रमुख कंपनियां अपने मुनाफे पर पड़ रहे दबाव को कम करने के लिए चरणबद्ध तरीके से कीमतों में वृद्धि की योजना बना रही हैं। कंपनियों का कहना है कि पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में आए अवरोधों ने कच्चे माल और लॉजिस्टिक्स को महंगा कर दिया है। इसके अलावा, डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी ने भी विनिर्माण लागत को बढ़ाने में बड़ी भूमिका निभाई है। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, साबुन, डिटर्जेंट, बिस्किट और शीतल पेय जैसे उत्पादों की कीमतें 3 से 5 प्रतिशत तक बढ़ सकती हैं। डाबर इंडिया के सीईओ मोहित मल्होत्रा ने संकेत दिया है कि कंपनी करीब 10 प्रतिशत महंगाई का सामना कर रही है, जिसकी भरपाई के लिए कीमतों में पहले ही औसतन 4 प्रतिशत की वृद्धि की जा चुकी है। वहीं, ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज ने भी गुड डे, मेरी गोल्ड और टाइगर जैसे लोकप्रिय ब्रांडों के बड़े पैक की कीमतों में बढ़ोतरी और वजन में कटौती (Grammage reduction) के विकल्प पर विचार शुरू कर दिया है। एचयूएल ने भी स्पष्ट किया है कि यदि जिंसों की कीमतों में नरमी नहीं आई, तो वे आगे और मूल्य वृद्धि करने से पीछे नहीं हटेंगे।

चावल में साप्ताहिक नरमी; गेहूं, चीनी महंगी; दालों, खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चावल के औसत भाव टूट गये। वहीं, गेहूं और चीनी में तेजी का रुख रहा जबकि खाद्य तेलों और दालों में उतार-चढ़ाव देखा गया। सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत 76 रुपये घटकर सप्ताहांत पर 3,761 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी। गेहूं तीन रुपये महंगा हुआ और 2,785 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। आटे का भाव भी 17 रुपये बढ़कर 3,290 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया। सप्ताह के दौरान तुअर दाल की औसत कीमत 53 रुपये प्रति क्विंटल फिसल गयी। मूंग दाल में 26 रुपये और चना दाल में 18 रुपये की साप्ताहिक गिरावट रही। वहीं, उड़द दाल तीन रुपये और मसूर दाल दो रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। बीते सप्ताह पाम ऑयल की औसत कीमत 79 रुपये और सरसों तेल की 61 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। सूरजमुखी तेल 55 रुपये और मूंगफली तेल 15 रुपये महंगा हुआ। वनस्पति भी दो रुपये मजबूत हुआ। वहीं, सोया तेल चार रुपये प्रति क्विंटल फिसल गया। मीठे के बाजार में बीते सप्ताह गुड़ का औसत भाव सात रुपये प्रति क्विंटल चढ़ गया। चीनी की कीमत 26 रुपये बढ़ गयी।

मोदी सरकार की तीन जन बीमा, पेंशन योजनाओं के 11 साल पूरे, लोकप्रियता बढ़ी

नई दिल्ली। मोदी सरकार की आम जन को बीमा और पेंशन सुरक्षा देने के लिए शुरू की गयी तीन जन सुरक्षा योजनाओं - प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई), प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) और अटल पेंशन योजना (एपीवाई) ने 11 साल पूरे कर लिये है और इनको अपनाने वालों का आधार व्यापक हुआ है।इन योजनाओं के 11 साल पूरे होने पर शनिवार को वित्त मंत्रालय की ओर से दी गयी जानकारी के अनुसार पीएमजेजेबीवाई के तहत कुल नामांकन 27.43 करोड़ से अधिक हो चुके हैं और 29.04.2026 तक 21,512.50 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। इसी दौरान पीएमएसबीवाई के तहत कुल नामांकन 58.09 करोड़ से अधिक हो चुके हैं और 1,84,662 दावों के लिए 3,667.52 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। इन 11 वर्षों में 9.04 करोड़ से अधिक लोगों ने एपीवाई योजना में नामांकन कराया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इन तीनों योजनाओं के आज 11 वर्ष पूरे होने पर सोशल मीडिया पर कहा कि ये योजनाएं देश के नागरिकों के लिए गरिमा, आश्वासन और वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। उन्होंने अपने संदेश में कहा, ' प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना ने जमीनी स्तर पर लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाए हैं और देश के सामाजिक सुरक्षा ढांचे को अभूतपूर्व मजबूती प्रदान की है।'

अडानी एग्री फ्रेश हिमाचल प्रदेश में शुरू करेगा चेरी की खरीद

लखनऊ। अडानी इंटरप्राइजेज की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी अडानी एग्री फ्रेश लिमिटेड (एएफएल) ने शनिवार को स्टोन फ्रूट श्रेणी में प्रवेश करने की घोषणा की। कंपनी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि वह अब हिमाचल प्रदेश में चेरी तथा दूसरे स्टोन फ्रूट की खरीद शुरू करने की योजना बना रही है। इससे फलों की स्टोरेज अवधि बेहतर होगी, किसानों को बड़े बाजार मिलेंगे और उनकी उपज का बेहतर दाम मिलेगा। हिमाचल प्रदेश में एएएफएल के छह जगहों पर मौजूद कंट्रोल्ड एटमॉस्फियर स्टोरेज सुविधाओं को अब चेरी के भंडारण और वितरण के लिए आधुनिक बनाया जा रहा है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर), उत्तर प्रदेश स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन और बागवानी विभाग द्वारा 7 मई को आयोजित 'फ्रूट होराइजन 2026: ग्लोबलाइजिंग इंडियाज फ्रूट वैल्यू चेन' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एएएफएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनीष अग्रवाल ने कहा, 'हम आने वाले सीजन से चेरी की खरीद शुरू करेंगे और धीरे-धीरे अन्य स्टोन फ्रूट्स (आड़ू और प्लम आदि) में भी विस्तार करेंगे।

कच्चे तेल की कीमतों में उछाल से तेल कंपनियों को भारी चपतः हर महीने हो रहा 30,000 करोड़ का नुकसान

एजेंसी

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में बेतहाशा बढ़ोतरी के कारण भारत की सरकारी तेल कंपनियां–IOC, BPCL और HPCL–गहरे वित्तीय संकट से जूझ रही हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के भाव 70 डॉलर से बढ़कर 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गए हैं, जिससे इन कंपनियों को प्रतिदिन लगभग 700 से 1,000 करोड़ रुपये का घाटा हो रहा है। पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा के अनुसार, घरेलू स्तर पर पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की कीमतों को स्थिर रखने के कारण तेल कंपनियों का कुल मासिक घाटा (अंडर-रिकवरी) 30,000 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है।

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष ने भारत की ऊर्जा सुरक्षा के सामने गंभीर चुनौती पेश की है। भारत अपनी तेल जरूरतों का 88 प्रतिशत आयात करता है, जिसमें से कच्चे तेल का 40 प्रतिशत और एलपीजी का 90 प्रतिशत हिस्सा प्रभावित हुआ है। होर्मुज जलडमरूमध्य में टैंकरों की आवाजाही बाधित होने से माल ढुलाई शुल्क और बीमा प्रीमियम में भारी वृद्धि हुई है। जहां जापान, ब्रिटेन और जर्मनी जैसे देशों ने ईंधन की कीमतों में 25 से 34 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी कर दी है, वहीं भारत में सरकार ने उत्पाद शुल्क (E&cise Duty) में कटौती कर आम जनता को अब तक कीमतों के झटके से बचाकर रखा है। सरकार ने पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क 13 रुपये से घटाकर 3 रुपये और डीजल पर शून्य कर दिया है, जिससे सरकारी खजाने को भी हर महीने 14,000 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है।

वैल्यू 148 कम्युनिकेशंस की स्टॉक मार्केट में कमजोर लिस्टिंग, अपर सर्किट के बावजूद घाटे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी

नई दिल्ली। मार्केटिंग और पीआर सॉल्यूशन कंपनी वैल्यू 360 कम्युनिकेशंस के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जबरदस्त गिरावट के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 98 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 20 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 78.40 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर 82.30 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गया। अपर सर्किट लगने के बावजूद कंपनी के आईपीओ निवेशक फिलहाल 16.02 प्रतिशत के नुकसान में थे। वैल्यू 360 कम्युनिकेशंस का 41.69 करोड़ रुपये का आईपीओ चार से छह मई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फिका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.20 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 17 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 1.24 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन सिर्फ 0.77 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 37 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 4,24,800 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी पुराने कर्ज के बोझ को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। वैल्यू 360 कम्युनिकेशंस की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 1.21 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 4.12 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 5.79 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से 31 जनवरी 2026 तक कंपनी को 7.62 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में मामूली उतार-चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 51.34 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में घट कर 50.80 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 54.74 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से 31 जनवरी 2026 तक कंपनी को 55.08 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका है।

अमेरिकी शुल्क चुनौती के बीच सक्रिय वार्ता से समुद्री खाद्य उत्पादों के लिए खुला यूरोपीय बाजारः गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली/मुंबई। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत ने यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ सक्रिय रूप से बातचीत कर समुद्री खाद्य उत्पादों के निर्यात के लिए उनका बाजार खुलवाया है। उन्होंने आगे कहा कि इससे देश को अमेरिका द्वारा लगाए गए भारी शुल्कों से उत्पन्न चुनौतियों से उबरने में मदद मिली है। गोयल ने यहां पत्रकारों को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने रुकावटों का पहले ही अंदाजा लगा लिया था। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारतीय निर्यातकों के लिए वैकल्पिक बाजार सुरक्षित करने के लिए तेजी से कदम उठाए गए। गोयल ने बताया, हमारी सरकार 24 घंटे काम करती है। उन्होंने बताया कि अक्सर, कोई समस्या पैदा होने से पहले ही हम योजना बनाना और कार्रवाई करना शुरू कर देते हैं। वाणिज्य मंत्री ने कहा कि भारतीय समुद्री भोजन पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने के अमेरिका के फैसले से निर्यात को बड़ा झटका लगा है और मछुआरों में निराशा फैल गई है। गोयल ने कहा कि भारत ने समुद्री

भोजन का निर्यात के लिए अपना बाजार खोलने के लिए यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ सक्रिय रूप से बातचीत की, जिससे देश को अमेरिका के ऊंचे टैरिफ से पैदा हुई चुनौतियों से निपटने में मदद मिली है।उन्होंने आगे बताया, 'जब अमेरिका ने भारतीय समुद्री खाद्य उत्पादों पर 50 फीसदी शुल्क लगाया, तो हमारे निर्यात को बड़ा नुकसान हुआ और मछुआरे बहुत परेशान थे। गोयल ने कहा कि केंद्र ने यूरोपीय संघ के साथ संपर्क कर और उन नियामक बाधाओं को दूर करके इसका जवाब दिया, जिन्होंने पहले भारतीय खेप को प्रतिबंधित कर दिया था।' उन्होंने कहा, 'हमने कड़ा रुख अपनाया और गुणवत्ता नियंत्रण तंत्र का इस्तेमाल किया। अब 125 से भी अधिक भारतीय मत्स्य प्रतिष्ठान पंजीकृत हो चुके हैं।' उन्होंने आगे कहा कि इससे भारत को एक बड़े और स्थिर बाजार तक फिर से पहुंच बनाने में मदद मिली है। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि इस रणनीतिक कदम के सकारात्मक परिणाम मिले हैं, वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद पिछले साल समुद्री खाद्य निर्यात में लगभग 12-14 फीसदी तक की वृद्धि दर्ज की गई। उन्होंने कहा कि यूरोपीय संघ के बाजार को खोलना बेहद महत्वपूर्ण था क्योंकि वहां आयात की भारी मांग है और वैश्विक व्यापार में इसका बड़ा महत्व है। बता दें कि पीयूष गोयल महाराष्ट्र के दौरे पर हैं।

शीर्ष उद्योगपतियों ने पीएम मोदी की अपील का किया समर्थन, कहा- इससे मजबूत होगा भारत

एजेंसी

नई दिल्ली। शीर्ष उद्योगपतियों ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस अपील का समर्थन किया, जिसमें उन्होंने ईंधन का उपयोग कम करने और विदेशी मुद्रा को बचाने की अपील की थी। उद्योगपतियों ने कहा कि प्रधानमंत्री की इस अपील से भारत को मजबूती मिलेगी और विदेशी मुद्रा भंडार को सुरक्षा रखा जा सकेगा। टीवीएस मोटर कंपनी के चेयरमैन वेणु श्रीनिवासन ने वैश्विक अस्थिरता के इस दौर में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा आत्मनिर्भरता और विवेकपूर्ण उपभोग पर दिए गए बयान का समर्थन किया।

वहीं, भारती एंटरप्राइजेज के चेयरमैन सुनील भारती मित्तल ने भी प्रधानमंत्री की इस अपील का समर्थन करते हुए वर्तमान दौर को भारत के लिए आर्थिक अनुशासन और घरेलू शक्ति पर अधिक ध्यान केंद्रित करने का अवसर बताया।

इसके अलावा, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के मुख्य आर्थिक सलाहकार ने कहा कि पीएम मोदी की अपील किसी भी प्रकार की राशनिंग लागू करने के

बजाय भारत के विदेशी मुद्रा भंडार की रक्षा पर केंद्रित थी। ये प्रतिक्रियाएं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा सिकंदराबाद के परेड ग्राउंड में भाजपा की जनसभा को संबोधित करने के बाद आईं, जिसमें उन्होंने पश्चिम एशिया में चल रहे भू-राजनीतिक तनावों से उत्पन्न आर्थिक चुनौतियों से निपटने में भारत की मदद करने के लिए नागरिकों से ईंधन बचाने, वर्क फ्रॉम होम को फिर से शुरू करने, गैर-जरूरी खरीदारी सीमित करने और विदेश यात्रा से बचने का आग्रह किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'वर्तमान परिस्थितियों में, विदेशी मुद्रा बचाना देश के लिए महत्वपूर्ण हो गया है।' 'आयातित ईंधन पर भारत की निर्भरता का जिक्र करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि ईंधन की खपत कम करने से बहुमूल्य विदेशी मुद्रा भंडार को बचाने में मदद मिलेगी।

उन्होंने कोविड-19 महामारी के दौरान अपनाई गई डिजिटल कार्य पद्धतियों, जैसे कि वर्क फ्रॉम होम, वर्चुअल कॉन्फ्रेंस और ऑनलाइन बैठकों को फिर से शुरू करने की भी वकालत की। प्रधानमंत्री मोदी ने नागरिकों से गैर-जरूरी विदेश यात्रा, डेस्टिनेशन वेडिंग और विदेश में छुट्टियां मनाने से बचने की अपील की, साथ ही घरेलू पर्यटन और देश के भीतर होने वाले समारोहों को प्रोत्साहित किया।

उन्होंने विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव कम करने के लिए अगले वर्ष तक गैर-जरूरी सोने की खरीदारी टालने का आग्रह किया और परिवारों को खाद्य तेल की खपत कम करने की सलाह दी, क्योंकि इससे आर्थिक स्थिरता और व्यक्तिगत स्वास्थ्य दोनों को लाभ होगा।

विदेशी मुद्रा बचाएं, हम पश्चिम एशिया संकट के बीच विजेता बनकर उभरेंगेः वैष्णव

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लोगों से विदेशी मुद्रा बचाने की प्रधानमंत्री की अपील पर अमल का अनुरोध करते हुए सोमवार को कहा कि भारत पश्चिम एशिया संकट के बीच विजेता बनकर उभरेगा। श्री वैष्णव ने यहां भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के वार्षिक व्यापार सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में कहा कि आज दो देशों के बीच युद्ध का असर पूरी दुनिया और भारत झेल रहा है जिसमें हमारी कोई गलती नहीं है। इसका कारण यह है कि हम ऊर्जा के अपने बड़े हिस्से के लिए आयात पर निर्भर हैं। उन्होंने लोगों से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील पर अमल का अनुरोध करते हुए कहा कि पश्चिम एशिया में गत 28 फरवरी से जारी संकट के कारण कई देशों में ईंधनों की कीमत काफी बढ़ गयी है लेकिन भारत ने उसे अबतक नियंत्रित रखा है।

उल्लेखनीय है कि श्री मोदी ने लोगों से अनावश्यक विदेश यात्रा से बचने, सोने की गैर-जरूरी खरीद न करने और ईंधन की बचत करने की अपील की थी। केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'एक नागरिक के तौर पर हम हर उस खपत में कटौती कर सकते हैं जिसके लिए देश की विदेशी मुद्रा खर्च करनी होती है। साथ ही हम विदेश मुद्रा की कमाई बढ़ाने पर फोकस कर सकते हैं।' श्री वैष्णव ने कहा कि चुनौती कितनी भी बड़ी हो भारतीय अर्थव्यवस्था छह-आठ प्रतिशत की दर से बढ़ती रहेगी, मुद्रास्फीति नियंत्रण में रहेगी क्योंकि हमारा विकास लंबे समय तक कायम रहने वाला विकास है, हम इस संकट के बीच विजेता बनकर उभरेंगे। उन्होंने उद्योग जगत से सारी आशंकाओं को परे रखकर निवेश करने और भारत की विकास गाथा का हिस्सा बनने की अपील की।

हुंडई आई20 एन लाइन के कई वैरिएंट बंद, ऑटोमैटिक मॉडल खरीदने पर चुकाने होंगे ज्यादा पैसे

एजेंसी

नई दिल्ली। हुंडई ने अपनी लोकप्रिय प्रीमियम हैचबैक आई20 एन लाइन के वैरिएंट लाइनअप में बड़ा बदलाव किया है। कंपनी ने कुछ वैरिएंट को हमेशा के लिए बंद कर दिया है, जिसके बाद अब ग्राहकों के पास पहले की तुलना में कम विकल्प बचेंगे। खास बात यह है कि ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन पसंद करने वाले ग्राहकों को अब इस स्पोर्टी कार के लिए पहले से अधिक कीमत चुकानी पड़ेगी। नए बदलावों के बाद आई20 एन लाइन का पूरा लाइनअप ज्यादा प्रीमियम और सीमित विकल्पों वाला बन गया है। हुंडई की आई20 एन लाइन लंबे समय से उन ग्राहकों के बीच लोकप्रिय रही है जो एक ऐसी हैचबैक चाहते हैं जिसमें दमदार प्रदर्शन, आकर्षक डिजाइन और आधुनिक सुविधाओं का बेहतरीन मेल मिले। यही वजह है कि युवाओं के साथ-साथ महानगरों में रहने वाले ग्राहक इस कार को काफी पसंद करते हैं। अब कंपनी ने वर्ष 2026 मॉडल के साथ इसमें कुछ अहम बदलाव किए हैं, जिनका सीधा असर ग्राहकों की पसंद और बजट दोनों पर पड़ेगा। अब नहीं मिलेगा बेस ऑटोमैटिक वैरिएंट

कंपनी ने आई20 एन लाइन के बेस एन6 वैरिएंट से 7-स्पीड ड्यूल क्लच ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन का विकल्प पूरी तरह हटा दिया है। पहले यह कार मैनुअल और ऑटोमैटिक दोनों विकल्पों में कुल आठ वैरिएंट के साथ उपलब्ध थी, लेकिन अब ऑटोमैटिक विकल्प सीमित कर दिए गए हैं। इस बदलाव के बाद लाइनअप घटकर केवल पांच वैरिएंट तक रह गया है। इस फैसले के बाद जो ग्राहक ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन के साथ आई20 एन लाइन खरीदना चाहते हैं, उन्हें अब सीधे टॉप मॉडल एन8 वैरिएंट खरीदना होगा। यानी अब कम कीमत में ऑटोमैटिक विकल्प उपलब्ध नहीं रहेगा। इससे साफ संकेत मिलता है कि कंपनी अब ज्यादा प्रीमियम ग्राहकों पर ध्यान केंद्रित कर रही है। पहले बंद किए गए एन6 ऑटोमैटिक वैरिएंट की एक्स-शोरूम कीमत करीब 10.23 लाख रुपये थी। अब ग्राहकों को ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन के लिए एन8 ड्यूल क्लच वैरिएंट खरीदना होगा, जिसकी कीमत पहले वाले मॉडल से लगभग 1.33 लाख रुपये अधिक है। ऐसे में अब आई20 एन लाइन का ऑटोमैटिक संस्करण खरीदना ग्राहकों के लिए महंगा सौदा साबित हो सकता है। वाहन उद्योग के जानकार मानते हैं कि कंपनी ने यह कदम कम मांग वाले वैरिएंट को हटाने और उत्पादन लागत को संतुलित करने के उद्देश्य से उठाया है। बीते कुछ समय में प्रीमियम और अधिक सुविधाओं वाले वैरिएंट की मांग तेजी से बढ़ी है, जिसके कारण वाहन निर्माता कंपनियां अब सीमित लेकिन ज्यादा लाभ देने वाले मॉडल पर ध्यान दे रही हैं। हुंडई ने केवल वैरिएंट कम नहीं किए हैं, बल्कि टॉप एन8 वैरिएंट को पहले से ज्यादा आधुनिक और सुविधाजनक भी बनाया है। वर्ष 2026 मॉडल में अब इन-बिल्ट डैश कैमरा दिया गया है, जो सड़क पर यात्रा के दौरान महत्वपूर्ण रिकॉर्डिंग करने में मदद करेगा।

बैंक ऑफ बड़ौदा का दमदार प्रदर्शनः मार्च तिमाही में मुनाफे में 11फीसदी की बड़ी उछाल

एजेंसी

मुंबई। सार्वजनिक क्षेत्र के दिग्गज बैंक ऑफ बड़ौदा (BoB) ने वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही के बेहतरीन नतीजे पेश किए हैं। स्टैंडअलोन आधार पर बैंक का शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर 11 प्रतिशत बढ़कर 5,616 करोड़ रुपये रहा है, जो पिछले साल इसी अवधि में 5,048 करोड़ रुपये था। इस दौरान बैंक की कुल आय भी बढ़कर 36,609 करोड़ रुपये हो गई है। बैंक की शुद्ध ब्याज आय (NII) में भी उल्लेखनीय सुधार देखा गया है और यह 11,020 करोड़ रुपये से बढ़कर 12,494 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गई है। इन मजबूत आंकड़ों के कारण सोमवार को शेयर बाजार खुलने पर बैंक के शेयरों में तेजी की उम्मीद जताई जा रही है। बैंक के बोर्ड ने अपने शेयरधारकों को खुश करते हुए वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 8.50 रुपये प्रति शेयर के लाभांश (Dividend) की सिफारिश की है। मुनाफे के साथ-साथ बैंक की एसेट क्वालिटी में भी बड़ा सुधार देखने को मिला है। बैंक का ग्रॉस एनपीए (GPA) रेशियो 2.26 प्रतिशत से घटकर 1.89 प्रतिशत रह गया है, जबकि नेट एनपीए भी गिरकर मात्र 0.45 प्रतिशत के स्तर पर आ गया है। यह गिरावट बैंक की मजबूत होती वित्तीय स्थिति और बेहतर ऋण प्रबंधन को स्पष्ट रूप से दर्शाती है। पूरे वित्त वर्ष के लिए बैंक का शुद्ध मुनाफा 20,021 करोड़ रुपये दर्ज किया गया है।

मार्च 2026 तिमाही के अंत तक बैंक ऑफ बड़ौदा की कुल जमा राशि (Deposits) में भारी वृद्धि हुई है और यह 16,48,487 करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गई है। शुक्रवार को बाजार बंद होने तक बैंक का शेयर 264.05 रुपये पर रहा, जबकि बैंक का कुल मार्केट कैप 1.36 लाख करोड़ रुपये है। हालांकि साल 2026 में शेयर की कीमतों में कुछ गिरावट देखी गई थी, लेकिन ताजा तिमाही नतीजों और शानदार डिविडेंड घोषणा के बाद निवेशकों का भरोसा एक बार फिर बैंक पर मजबूत हुआ है। बैंक के 52 सप्ताह का उच्च स्तर 325.55 रुपये रहा है, जिसे पार करने की अब निवेशकों को उम्मीद है।

डाबर इंडिया का मुनाफा बढ़ा, ब्रोकरेज ने बढ़ाया टारगेट प्राइस

एजेंसी

मुंबई। FMCG सेक्टर की प्रमुख कंपनी Dabur India ने वित्त वर्ष 2025-26 (FY26) की चौथी तिमाही में शानदार प्रदर्शन करते हुए 362 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 312.7 करोड़ रुपये की तुलना में 15.8 प्रतिशत अधिक है। कंपनी का कुल राजस्व भी 7.4 प्रतिशत बढ़कर 3,038 करोड़ रुपये पहुंच गया, जो पिछले वर्ष 2,830.1 करोड़ रुपये था। भारत में कंपनी के FMCG कारोबार में 9.5 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई। परिचालन स्तर पर कंपनी का EBITDA 8 प्रतिशत बढ़कर 461.2 करोड़ रुपये हो गया, जबकि EBITDA मार्जिन 15.1 प्रतिशत से बढ़कर 15.6 प्रतिशत पहुंच गया। कंपनी ने अपने निवेशकों के लिए FY26 हेतु 5.5 रुपये प्रति शेयर के अंतिम लाभांश (डिविडेंड) की घोषणा भी की है।

बेहतर नतीजों के बाद ब्रोकरेज हाउसों ने कंपनी पर सकारात्मक रुख अपनाया है। नुवामा इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज ने स्टॉक पर 'Bu4' रेटिंग बरकरार रखते हुए लक्ष्य मूल्य 605 रुपये से बढ़ाकर 620 रुपये कर दिया है। वहीं ICICI सिक्योरिटीज ने रेटिंग 'Hold' से बढ़ाकर 'Add' कर दी और टारगेट प्राइस 450 रुपये से बढ़ाकर 530 रुपये तय किया है।

लेंबॉर्गिनी फेनोमेनो रोडस्टरः 7 सेकेंड, 200 किलोमीटर की रफ्तार, दुनिया में बिकेंगी सिर्फ 15 कारें

एजेंसी

नई दिल्ली। इटली की दिग्गज सुपरकार निर्माता कंपनी लेंबॉर्गिनी ने अपनी नई और बेहद खास सुपरकार फेनोमेनो रोडस्टर से पर्दा उठा दिया है। यह कार केवल तेज रफ्तार का ही प्रतीक नहीं है, बल्कि इसे आधुनिक तकनीक, आक्रामक डिजाइन और सीमित उत्पादन के कारण ऑटोमोबाइल दुनिया की सबसे खास कारों में गिना जा रहा है। कंपनी इस सुपरकार की दुनिया भर में केवल 15 इकाइयां ही तैयार करेगी, जिससे इसकी विशिष्टता और भी बढ़ गई है। लेंबॉर्गिनी लंबे समय से ऐसी कारें बनाने के लिए जानी जाती है जो केवल वाहन नहीं बल्कि प्रदर्शन, तकनीक और विलासिता का प्रतीक होती हैं। फेनोमेनो रोडस्टर भी इसी परंपरा को आगे बढ़ाती दिखाई देती है। यह कार महज 6.8 सेकेंड में 0 से 200 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार पकड़ सकती है, जबकि इसकी अधिकतम गति 340 किलोमीटर प्रति घंटा से भी ज्यादा बताई जा रही है।

बेहद आक्रामक और आकर्षक डिजाइन

नई फेनोमेनो रोडस्टर का डिजाइन पहली नजर में ही लोगों को आकर्षित कर देता है। कंपनी ने इसे 'ब्लू सेफियस' रंग में पेश किया है, जिसमें लाल रंग के विशेष एक्सेंट दिए गए हैं। यह रंग संयोजन लेंबॉर्गिनी की ऐतिहासिक कारों और इटली के बोलोग्ना शहर को सम्मान देने के उद्देश्य से तैयार किया गया है।

कार का अगला हिस्सा बेहद आक्रामक दिखाई देता है। इसमें तीखे कट्स और धारदार रेखाओं का उपयोग किया गया है, जो इसे भविष्य की सुपरकार जैसा रूप देते हैं। आकर्षक एलईडी हेडलाइट्स, चौड़े एयर इनटेक और षट्कोणीय डिजाइन एलिमेंट इसकी स्पोर्टी पहचान को और मजबूत बनाते हैं।कंपनी का दावा है कि इस कार को केवल खूबसूरत बनाने पर ही ध्यान नहीं दिया गया, बल्कि उच्च गति पर बेहतर संतुलन और हवा नियंत्रण के लिए एयरोडायनामिक तकनीक का भी विशेष इस्तेमाल किया गया है। इसमें नया फ्लैट विंडशील्ड दिया गया है, जिसके ऊपर लगा स्पॉइलर हवा को केबिन से हटाकर इंजन की ओर मोड़ देता है। इससे इंजन को ठंडा रखने में मदद मिलती है।

उच्च गति पर भी शानदार संतुलन फेनोमेनो रोडस्टर के साइड प्रोफाइल में आकर्षक रेखाएं और बड़े एयर इनटेक दिए गए हैं। पीछे की ओर इसका लंबा डिजाइन प्रसिद्ध एसेंजा एससीवी12 की याद दिलाता है। इस सुपरकार में खास तौर पर विकसित किए गए ब्रिजस्टोन पोटेंजा स्पोर्ट सेमी-स्लिक टायर लगाए गए हैं। आगे की तरफ 21 इंच और पीछे 22 इंच के बड़े पहिए दिए गए हैं, जो सड़क पर बेहतर पकड़ सुनिश्चित करते हैं।

कार के पिछले हिस्से में वर्टिकल लाल पट्टी, षट्कोणीय एग्जॉस्ट और विशेष एयरो डिफ्यूजर दिया गया है। इसके अलावा इसमें एक्टिव विंग भी लगाया गया है, जो तेज रफ्तार के दौरान अतिरिक्त डाउनफोर्स और स्थिरता प्रदान करता है। यही वजह है कि इतनी तेज गति पर भी यह सुपरकार संतुलन बनाए रखने में सक्षम है।

विमान जैसे केबिन का अनुभव फेनोमेनो रोडस्टर का इंटीरियर भी उतना ही शानदार है जितना इसका बाहरी डिजाइन। कंपनी ने इसमें 'पायलट जैसा अनुभव' डिजाइन थीम का इस्तेमाल किया है। इसका केबिन लड़ाकू विमान से प्रेरित दिखाई देता है। इसमें विशेष स्विचगियर, कार्बन फाइबर ट्रिम और स्पोर्ट बकेट सीटें दी गई हैं। डैशबोर्ड में त्रिआयामी प्रिंट तकनीक से तैयार एयर वेंट लगाए गए हैं। सीटों पर लाल रंग की कॉन्ट्रास्ट सिलाई की गई है, जो केबिन को और प्रीमियम बनाती है। तकनीक के मामले में भी यह सुपरकार बेहद आधुनिक है। इसमें तीन डिजिटल डिस्प्ले दिए गए हैं, जिनमें चालक के लिए 12.3 इंच का डिजिटल डिस्प्ले, 8.4 इंच का टचस्क्रीन और सहयात्री के लिए अलग स्क्रीन शामिल है। लेंबॉर्गिनी ने इस सुपरकार में 6.5 लीटर का नैचुरली एस्पिरेटेड वी12 इंजन दिया है। इसके साथ तीन इलेक्ट्रिक मोटर भी जोड़ी गई हैं। यह पूरा सिस्टम मिलकर 1080 हॉर्सपावर की जबरदस्त ताकत उत्पन्न करता है। सुपरकार में 8-स्पीड ड्यूल क्लच गियरबॉक्स दिया गया है, जो बेहद तेज और स्मूद गियर बदलाव सुनिश्चित करता है।

'यह बिल्कुल मंजूर नहीं है', अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान के जवाबी प्रस्ताव को पूरी तरह से किया खारिज

एजेंसी

वाशिंगटन । ईरान ने अमेरिका के साथ बातचीत करने के लिए ड्राफ्ट प्रस्ताव भेज दिया है। ईरान के ड्राफ्ट प्रस्ताव पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रतिक्रिया भी सामने आई है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान के प्रस्ताव को यह कहते हुए खारिज कर दिया है कि यह बिलकुल भी मंजूर नहीं है। राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा, 'मैंने अभी-अभी ईरान के तथाकथित 'प्रतिनिधियों' का जवाब पढ़ा है। मुझे यह पसंद नहीं आया, बिल्कुल मंजूर नहीं! इस मामले पर ध्यान देने के लिए धन्यवाद।' ईरान ने अमेरिका को पाकिस्तान की मध्यस्थता के जरिए अपना प्रस्ताव भेजा, जिसके कुछ ही घंटे के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति का ये बयान सामने आया। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पुष्टि की है कि तेहरान ने जवाब दे दिया है। हालांकि, जवाब से संबंधित विस्तृत जानकारी को शेयर नहीं किया। ईरान के सरकारी मीडिया ने कहा कि तेहरान का जवाब खास तौर पर क्षेत्र में दुश्मनी खत्म करने पर केंद्रित था। वहीं, अन्य ईरानी मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया कि तेहरान ने लड़ाई को आधिकारिक तौर पर खत्म करने, होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने, अमेरिकी नौसेना के उन जहाजों को हटाने जो नाकाबंदी लागू कर रहे हैं, प्रतिबंध हटाने और बातचीत के लिए 30 दिन का अतिरिक्त समय देने की मांग की है।

ईरानी यूरेनियम पर स्पेस फोर्स का पहरा, ट्रंप की सीधी चेतावनी- पास फटके तो उड़ा दिए जाओगे

वाशिंगटन। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच तनाव चरम पर है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साफ चेतावनी दी है कि ईरान के संवर्धित यूरेनियम की निगरानी अब अमेरिकी 'स्पेस फोर्स' कर रही है। ट्रंप का यह भी कहना है कि अगर किसी ने भी वहां पहुंचने की कोशिश की, तो उसे सीधे 'उड़ा' दिया जाएगा। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका, मलबे के नीचे दबे ईरान के संवर्धित यूरेनियम पर लगातार नजर रखे हुए है। उन्होंने बताया कि इस पूरे मामले की जिम्मेदारी अमेरिकी स्पेस फोर्स संभाल रही है। ट्रंप ने एक इंटरव्यू में स्वतंत्र पत्रकार शेरिल एटकिंसन से कहा, 'अगर कोई भी व्यक्ति ईरान के संवर्धित यूरेनियम के पास पहुंचने की कोशिश करेगा, तो अमेरिका को तुरंत इसकी जानकारी मिल जाएगी और उसे 'उड़ा दिया जाएगा। 'ट्रंप ने दावा किया कि अगर अमेरिका चाहता, तो वह सिर्फ दो हफ्तों में ईरान के हर सैन्य ठिकाने को निशाना बना सकता था। उनके मुताबिक ईरान सैन्य रूप से काफी कमजोर हो चुका है। उन्होंने कहा, 'हम दो और हफ्तों तक कार्रवाई जारी रखते और हर लक्ष्य को खत्म कर सकते थे। हमने जिन ठिकानों को निशाना बनाना चाहा था, उनमें से करीब 70 प्रतिशत पर हमला कर चुके हैं। हमारे पास कुछ और टारगेट भी हैं जिन पर हम संभावित रूप से हमला कर सकते हैं। '

संसदीय समिति की बैठक में नहीं आए प्रधानमंत्री बालेन्द्र, नेपाली कांग्रेस ने किया बैठक का बहिष्कार

काठमांडू। नेपाल के संसद की राज्य व्यवस्था तथा सुशासन समिति की बैठक में लगातार दूसरी बार भी प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह की अनुपस्थिति पर प्रमुख विपक्षी दल नेपाली कांग्रेस ने बैठक का बहिष्कार किया है। सोमवार सुबह 11 बजे बैठक बुलाई गई थी। गृह मंत्रालय की जिम्मेदारी भी संभाल रहे प्रधानमंत्री बालेन्द्र से बैठक में भूमिहीन बस्तियों को खाली कराने, सुरक्षा प्रशासन सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा की जानी थी, लेकिन उनके बैठक में शामिल न होने पर नेपाली कांग्रेस ने विरोधस्वरूप बैठक का बहिष्कार किया। कांग्रेस संसदीय दल के नेता आङ्देम्बे ने कहा कि प्रधानमंत्री की अनुपस्थिति में समिति की बैठक का कोई औचित्य नहीं रह जाता। उन्होंने कहा कि गृह मंत्रालय से जुड़े भूमिहीन समेत विभिन्न मुद्दों पर जवाब लेना है। गृहमंत्री की भूमिका में प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह ही हैं, इसलिए यदि प्रधानमंत्री आकर जवाब देंगे, तो हम बैठक में आएंगे। यदि प्रधानमंत्री नहीं आते, तो सिर्फ औपचारिक मुलाकात, चर्चा, परिचय और चाय पीकर लौटने के लिए हमारी उपस्थिति का कोई अर्थ नहीं है। इसी कारण आज भी हम बैठक में शामिल नहीं हुए। आङ्देम्बे ने बताया कि समिति के सभापति हरि ढकाल से कहा गया है कि यदि प्रधानमंत्री बैठक में उपस्थित होने वाले हों, तो इसकी जानकारी दी जाए।

होर्मुज में फिलहाल शांति की उम्मीद नहीं, युद्ध टालने के प्रयासों को झटका

वाशिंगटन/तेहरान। इस साल फरवरी आखिर से अमेरिका और ईरान के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य पर छिड़ी तकरार के और तेज होने की संभावना बढ़ गई है। युद्ध टालने और तनाव को कम करने के ताजा कूटनीतिक प्रयासों को झटका लगा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वाशिंगटन के शांति प्रस्ताव पर ईरान की प्रतिक्रिया को पूरी तरह से अस्वीकार्य बताया है। ईरान की सेना ने अमेरिका और इजराइल को चेतावनी दी है कि अगर आक्रामकता फिर से शुरू होती है, तो दोनों देशों को निश्चित रूप से कल्पना से परे चुनौती का सामना करना पड़ेगा। अल जजीरा और सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट में इस घटनाक्रम पर विस्तार से चर्चा की गई है। ट्रंप ने युद्ध खत्म करने के लिए ईरान के ताजा प्रस्ताव को पूरी तरह से ठुकरा दिया है। ईरान ने अपने जवाब में कहा कि वह टकराव रोकने को तैयार है।

ईरान ने अमेरिका को भेजा ड्राफ्ट प्रस्ताव, युद्ध खत्म करने, प्रतिबंध व नेवल ब्लॉकेड हटाने की रखी मांग

एजेंसी

तेहरान। ईरान ने ताजा हालात को लेकर बातचीत करने के लिए अमेरिका को अपना नया ड्राफ्ट भेज दिया है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक इस नए ड्राफ्ट में ईरान ने सभी मोर्चों पर लड़ाई तुरंत खत्म करने, ईरान के खिलाफ और हमला न करने की गारंटी देने और अमेरिका के प्रतिबंध व नेवल ब्लॉकेड हटाने का प्रस्ताव दिया है। तस्नीम ने एक विशेषज्ञ सूत्र के हवाले से कहा, 'प्रस्ताव में जंग को तुरंत खत्म करने की जरुरत, ईरान के खिलाफ हमला दोबारा न होने की गारंटी देने और राजनीतिक समझौते के अंदर कुछ और मुद्दों पर जोर दिया गया है।' ईरानी मीडिया के अनुसार, इस प्रस्ताव में ईरानी तेल की बिक्री को लेकर अमेरिका के प्रतिबंध हटाने के लिए 30 दिन का समय और शुरुआती समझौते के बाद ईरान की फ्रीज की गई संपत्ति को रिलीज करने की भी मांग की गई है।

हालांकि, ईरानी मीडिया की रिपोर्ट्स में अब तक काउंटर-प्रपोजल पर देश के परमाणु कार्यक्रम के बारे में कुछ भी नहीं बताया गया

है। बातचीत आगे बढ़ने के बावजूद, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने विरोध वाला लहजा अपनाते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'हम दुश्मन के सामने कभी सिर नहीं झुकाएंगे और अगर बातचीत या मोलभाव की बात उठती है, तो इसका मतलब आत्मसमर्पण या पीछे हटना नहीं है। हमारा मकसद ईरान के अधिकारों को बनाए रखना और पक्की ताकत के साथ देश के हितों की रक्षा करना है। ' दें, अमेरिका और इजरायल ने 28 फरवरी को तेहरान और ईरान के दूसरे शहरों पर मिलकर हमले किए। इस हमले में ईरान के तत्कालीन सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई समेत कई वरिष्ठ ईरानी अधिकारी और आम लोगों की मौत हो गई। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान ने इस इलाके में इजरायल और अमेरिका के हितों के खिलाफ मिसाइल और ड्रोन हमलों से जवाब दिया और होर्मुज स्ट्रेट पर नियंत्रण सख्त कर दिया। काफी कोशिशों के बाद ईरान और अमेरिका के बीच 8 अप्रैल को दो हफ्तों के लिए सीजफायर लागू हुआ। इसके बाद 11 और 12 अप्रैल को पाकिस्तान के इस्लामाबाद में ईरान और अमेरिकी डेलिगेशन के बीच बातचीत भी हुई। हालांकि, इस बातचीत का कोई हल नहीं निकल सका। होर्मुज में भी हालात तनावपूर्ण रहे। एक तरफ ईरान ने होर्मुज पर अपना नियंत्रण बढ़ाया और दूसरी तरफ अमेरिका ने स्ट्रेट पर अपनी नाकाबंदी लगा दी। पिछले कुछ हफ्तों में दोनों पक्षों ने कथित तौर पर पाकिस्तान के जरिए लड़ाई खत्म करने की शर्तों को बताते हुए कई प्रस्तावित प्लान शेयर किए हैं। पहले ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी आईआरएनए ने बताया कि अमेरिका के नए प्रस्ताव पर ईरान का जवाब पाकिस्तान को भेज दिया गया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने ट्रूथ सोशल पर लिखा कि यह जवाब पूरी तरह से मंजूर नहीं है।

'ट्रंप का पूरा कार्यकाल थेरेपी सेशन है', ईरान के नए प्रस्ताव को खारिज करने पर ईरानी दूतावास ने कसा तंज

एजेंसी

तेहरान । ईरान ने अमेरिका के 14 पाइंट वाले प्रस्ताव को रिजेक्ट कर दिया और एक नया ड्राफ्ट प्रस्ताव वाशिंगटन को भेजा। हालांकि, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के नए ड्राफ्ट को सिरे से खारिज कर दिया। वहीं भारत में ईरान के दूतावास ने अमेरिकी राष्ट्रपति के बयान पर अपनी प्रतिक्रिया जाहिर की है। ईरानी दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'अमेरिका के प्लान पर ईरान के जवाब की डिटेल्स, जिसे अमेरिकी राष्ट्रपति ने 'मंजूर नहीं' कहा। अमेरिका के प्लान के जवाब में पेश किया गया ईरान का प्रस्ताव, ईरानी देश के मूल अधिकारों पर जोर देता है। ईरान ने अमेरिका के प्लान को रिजेक्ट कर दिया है। अगर ईरान प्रस्ताव स्वीकार कर लेता, तो इसका मतलब होता कि तेहरान ट्रंप की बहुत ज्यादा मांगों के आगे झुक जाता है।' ईरानी दूतावास ने आगे कहा, 'ईरान का प्लान इस बात पर जोर देता है कि अमेरिका को युद्ध का हर्जाना देना जरूरी है और होर्मुज स्ट्रेट पर ईरान की संप्रभुता को सुनिश्चित करता है। ईरान ने बैन खत्म करने और देश के जब्त किए गए एसेट्स और संपत्तियों को रिलीज करने की जरूरत पर जोर दिया है। ' वहीं घाना में ईरानी दूतावास ने ट्रंप के एक बयान पर तंज कसते हुए कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति का दावा है कि उन्होंने कुछ 'पढ़ा' है, जबकि वास्तविकता यह है कि उस सामग्री का मूल सार उनके लिए अब भी एक रहस्य बना हुआ है। इसके बावजूद वे इस बात को लेकर आश्वस्त हैं कि उन्हें वह पसंद नहीं आया। कहा जा रहा है कि ट्रंप केवल वैश्विक ध्यान आकर्षित करना चाहते हैं। व्हाइट हाउस के आंतरिक सूत्रों ने भी इसकी पुष्टि की है कि उनका पूरा कार्यकाल दरअसल एक 'मल्टी-बिलियन डॉलर थेरेपी सेशन' के अतिरिक्त और कुछ नहीं है।

शिपिंग डाटा कंपनी बोली 'ट्रैकर बंद कर होर्मुज से गुजरे तीन टैंकर', ईरान का दावा वियतनाम वाले को हमने दिया रास्ता

एजेंसी

तेहरान । ईरान की तस्नीम न्यूज एजेंसी के हवाले से दावा किया गया है कि माल्टा के झंडे वाले एजियोस फैनोरियोस-ढ्ढ ने होर्मुज स्ट्रेट पार कर लिया है। यह उन्हीं तीन जहाजों में से एक है जो कथित तौर पर ट्रैकर बंद कर स्ट्रेट से गुजरे थे। रिपोर्ट के मुताबिक जहाज इराकी कच्चा तेल लेकर वियतनाम जा रहा था और उसने ईरान की ओर से सुझाए गए समुद्री मार्ग का इस्तेमाल किया। ईरान होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही को लेकर लगातार निगरानी और नियंत्रण की बात करता रहा है। इससे पहले रॉयटर्स ने केप्लर और एलएसईजी के शिपिंग डेटा का हवाला देते हुए बताया कि तीन तेल टैंकरों ने अपने ट्रैकिंग सिस्टम बंद करके होर्मुज स्ट्रेट पार किया। ये तीनों क्रूड ऑयल लेकर इलाके से गुजरे थे। दावा किया गया कि इनमें से दो बहुत बड़े क्रूड कैरियर (वीएलसीसी) - एगियोस फैनोरियोस I और कियारा एम स्ट्रेट से बाहर निकले। इनमें से हरेक में 2 मिलियन बैरल इराकी क्रूड ऑयल

था। आगे कहा गया कि वियतनाम जा रहा एगियोस फैनोरियोस I, 17 अप्रैल को बसरा मीडियम क्रूड लोड करने के बाद से दो पिछली कोशिशों में पानी के रास्ते गुजरने में नाकाम रहा था। रॉयटर्स ने कहा कि कियारा एम का डेस्टिनेशन (गंतव्य) स्पष्ट नहीं है। एक तीसरे वीएलसीसी, बसरा एनर्जी ने अबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी के जिर्क से 2 मिलियन बैरल अपर जाकुम क्रूड लोड किया था। सीजफायर के बाद से ही होर्मुज स्ट्रेट को लेकर अमेरिका-ईरान आमने सामने हैं। इसे खोलने की मांग दुनिया के तमाम देश कर रहे हैं। इस बीच अमेरिका की ओर से भेजे गए शांति प्रस्ताव का ईरान ने जवाब दिया जिसे अमेरिका ने खारिज कर दिया। ईरान ने संघर्षविराम को लेकर अमेरिका के नए प्रस्ताव का जवाब पाकिस्तान के माध्यम से भेजा था, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसे 'पूरी तरह अस्वीकार्य' बता दिया। हालांकि ट्रंप ने यह साफ नहीं किया कि प्रस्ताव में ऐसी कौन-सी बातें थीं जिन्हें अमेरिका मानने को तैयार नहीं है।

एक अमेरिकी यात्री हंता वायरस पॉजिटिव, दूसरे के लक्षण हल्के

एजेंसी

वॉशिंगटन । डच क्रूज जहाज एमवी होंडियस सवार का एक अमेरिकी यात्री हंता वायरस वायरस पॉजिटिव पाया गया है, जबकि एक अन्य यात्री में हल्के लक्षण मिले हैं। यह जानकारी अमेरिकी स्वास्थ्य एवं मानव सेवा विभाग ने दी। विभाग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी। साथ ही बताया कि एमवी होंडियस पर मौजूद सभी 17 अमेरिकी नागरिकों को विशेष एयरलिफ्ट के जरिए अमेरिका लाया जा रहा है। एहतियातन संक्रमित और संदिग्ध यात्री को विमान के बायोकंटेनमेंट यूनिट में रखा गया है। तय प्रोटोकॉल के अनुसार, यात्रियों को सबसे पहले नेब्रास्का के ओमाहा स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ नेब्रास्का मेडिकल सेंटर/नेब्रास्का मेडिसिन के रीजनल इमर्जिंग स्पेशल पैथोजन ट्रीटमेंट सेंटर (आरईएसपीटीसी) ले जाया जाएगा। इसके बाद हल्के लक्षण वाले यात्री को उसके अंतिम गंतव्य के दूसरे आरईएसपीटीसी में स्थानांतरित किया जाएगा।

विभाग के मुताबिक हर यात्री के पहुंचने पर उसकी चिकित्सकीय जांच होगी और स्थिति अनुसार उचित इलाज और सहायता प्रदान की जाएगी।

शनिवार तक इस प्रकोप से जुड़े आठ संदिग्ध मामले और तीन मौतें सामने आ चुकी थीं।

अमेरिकी रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (सीडीसी) के मुताबिक, हंता वायरस का ऊष्मायन काल यानी संक्रमण से लक्षण दिखने तक का समय एक से आठ हफ्ते तक हो सकता है।

यह वायरस आमतौर पर रोडेंट्स (चूहों आदि) से फैलता है। दुर्लभ मामलों में इंसान से इंसान में भी फैल सकता है। संक्रमितों में मृत्यु दर एक-तिहाई से अधिक बताई जाती है। उधर, ब्रिटेन में भी एमवी होंडियस से निकाले गए 20 ब्रिटिश नागरिकों को उत्तर-पश्चिम इंग्लैंड के एक अस्पताल में आइसोलेट किया गया। ये यात्री मैनचेस्टर पहुंचने के बाद बस से मर्सीसाइड के विराल स्थित एरो पार्क अस्पताल ले जाए गए, जहां उन्हें 72 घंटे तक चिकित्सकीय निगरानी में रखा जाएगा। स्थानीय नेशनल हेल्थ सर्विस (एनएचएस) अधिकारियों ने संयुक्त बयान जारी किया। उन्होंने कहा कि इन लोगों को 'क्लीनिकल मूल्यांकन और परीक्षण' के लिए नियंत्रित वातावरण में रखा जाएगा।

काठमांडू एयरपोर्ट पर बड़ा हादसा टला, तुर्किए एयरलाइंस के एयरक्राफ्ट के पहिये में लगी आग

एजेंसी

काठमांडू । नेपाल में तुर्किए एयरलाइंस की फ्लाइट के साथ एक बड़ा हादसा होने से बच गया। नेपाली मीडिया के अनुसार, सोमवार सुबह तुर्किए की एयरलाइंस के एक एयरक्राफ्ट के पहियों में लैंडिंग के दौरान आग लगने की घटना सामने आई। इस घटना से एयरपोर्ट पर अफरातफरी का माहौल बन गया। वहीं घटना के बाद एयरपोर्ट को लगभग 98 मिनट के लिए बंद कर दिया गया। घटना काठमांडू के त्रिभुवन इंटरनेशनल एयरपोर्ट की है, जहां लगभग 98 मिनट तक सेवा ठप रहने के बाद फ्लाइट ऑपरेशन फिर से शुरू किया गया। द काठमांडू पोस्ट के अनुसार, नेपाल सिविल एविएशन अथॉरिटी के सहायक प्रवक्ता ज्ञानेंद्र भुल के मुताबिक एयरक्राफ्ट के दाहिने मेन लैंडिंग गियर में आग लगने के बाद एयरपोर्ट सुबह 6:34 बजे बंद कर दिया गया था। फ्लाइट ऑपरेशन सुबह 8:12 बजे फिर से शुरू हुआ। घटना के दौरान, एयरलाइन का वाइड-बॉडी एयरक्राफ्ट टैक्सीवे ब्रावो पर फंस

गया। एयरपोर्ट अधिकारियों ने कहा कि लगभग 30 फीसदी एयरक्राफ्ट रनवे पर ही रहे जबकि बाकी 70 फीसदी टैक्सीवे पर खड़े रहे। इसकी वजह से अधिकारियों को सभी डोमेस्टिक और इंटरनेशनल फ्लाइट्स सेवाएं रोकनी पड़ीं। नेपाली मीडिया ने एयरपोर्ट ऑफिस के हवाले से बताया कि एयरक्राफ्ट में कुल 288 लोग सवार थे, जिनमें 11 क्रू मेंबर थे। शुरुआती जानकारी से पता चला है कि एयरक्राफ्ट के दाहिने मेन लैंडिंग गियर के एक टायर में आग लग गई थी। अधिकारियों ने कहा कि इसकी वजह हार्ड लैंडिंग, टायर प्रेशर की दिक्कत या दूसरी तकनीकी दिक्कतें हो सकती हैं, हालांकि पूरी जांच चल रही है। प्रवक्ता भूल ने कहा कि यात्रियों को निकासी स्लाइड का इस्तेमाल करके सुरक्षित निकाल लिया गया। एयरलाइन की तरफ से एयरपोर्ट को दी गई जानकारी के मुताबिक, दो यात्रियों की उंगलियों में मामूली चोटें आईं। घटना के बाद, एयरक्राफ्ट को ग्राउंड पर रखा गया है। वहीं, काठमांडू से जाने वाले यात्रियों के लिए होटल की व्यवस्था की गई। जिन यात्रियों को दूसरी जगह जाना है, उनके लिए अधिकारी दूसरी फ्लाइट भेजने की भी व्यवस्था कर रहे हैं। एक मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहॉल टीम एयरपोर्ट पर मामले की जांच करेगी। इसके अलावा, नागरिक उड्डयन अथॉरिटी का फ्लाइट सेफ्टी स्टैंडर्ड डिपार्टमेंट भी विस्तार से जांच करेगा। भूल ने कहा, 'हमने घटना का विस्तार से तकनीकी आकलन शुरू कर दिया है।' टर्किश एयरलाइंस इस्तांबुल से नेपाल के लिए हर हफ्ते पांच विमान का संचालन करती है।

रूस और यूक्रेन के बीच कैदियों की होगी अदला-बदला, कीव ने 1,000 कैदियों की लिस्ट सौंपी

एजेंसी

कीव । यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन ने रूस को कैदियों की अदला-बदली के लिए 1,000 कैदियों की लिस्ट सौंपी है। राष्ट्रपति की प्रेस सर्विस ने यह जानकारी दी। वहीं दोनों देशों ने एक-दूसरे पर तीन दिनों का सीजफायर तोड़ने का आरोप भी लगाया है। रविवार को शाम को अपने भाषण में राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा, '1,000 के बदले 1,000 कैदियों की अदला-बदली की तैयारी हो रही है और यह होनी ही चाहिए। अमेरिकियों ने इन गारंटियों की जिम्मेदारी ली है।' न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि रूस के साथ लड़ाई खत्म होनी चाहिए और भरोसेमंद सुरक्षा की गारंटी होनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'अब (रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर) पुतिन खुद कह रहे हैं कि वह आखिरकार असली मीटिंग के लिए तैयार हैं। हमने उन्हें इसके लिए थोड़ा जोर दिया और हम खुद भी लंबे समय से ऐसी मीटिंग के लिए तैयार हैं। अब एक फॉर्मेट ढूंढना होगा। '

रूस और यूक्रेन शुक्रवार को तीन दिन के सीजफायर और 1,000 कैदियों की अदला-बदली पर राजी हुए। इस बीच, दोनों देशों ने रविवार को ही एक-दूसरे पर तीन दिन के घोषित सीजफायर को तोड़ने का आरोप लगाया। अनुसार, रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यूक्रेनी सेना ने पिछले 24 घंटों में सीजफायर का 16,071 बार उल्लंघन किया। मंत्रालय ने कहा कि रूसी सेना ने सीजफायर उल्लंघन का जवाब उसी तरह दिया, मल्टीपल लॉन्च रॉकेट सिस्टम, आर्टिलरी और मोर्टार पोजिशन के साथ-साथ कमांड पोस्ट और ड्रोन लॉन्च साइट्स पर जवाबी हमले किए। मंत्रालय ने कई इलाकों में 8,970 सीजफायर उल्लंघन की भी रिपोर्ट दी। यूक्रेनी अधिकारियों ने रविवार को कहा कि सीजफायर के बावजूद पूरे यूक्रेन में रूसी हमलों में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई और 15 अन्य घायल हो गए।

दक्षिण कोरिया- यूएस के शीर्ष रक्षा अधिकारियों की बैठक, 'युद्धकालीन ऑपरेशनल कंट्रोल' ट्रांसफर और होर्मुज पर होगी बात

एजेंसी

वाशिंगटन । दक्षिण कोरिया और अमेरिका के शीर्ष रक्षा अधिकारी सोमवार को वाशिंगटन में महत्वपूर्ण वार्ता करने वाले हैं। इस बैठक में अमेरिका से दक्षिण कोरिया को युद्धकालीन ऑपरेशनल कंट्रोल (ओपीसीओएन) सौंपने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने और दक्षिण कोरिया की परमाणु-संचालित पनडुब्बियां हासिल करने की योजना पर चर्चा होगी। दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्री आह्न ग्यु-बैक अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ से मुलाकात करेंगे। दोनों नेता पिछले वर्ष हुई उच्चस्तरीय सुरक्षा बैठकों और दोनों देशों के राष्ट्राध्यक्षों के बीच हुए समझौतों के आधार पर ओपीसीओएन हस्तांतरण और परमाणु पनडुब्बियों से जुड़े अगले कदमों पर विचार करेंगे। दक्षिण कोरिया ने हाल ही में जांच के आधार पर स्पष्ट किया कि 4 मई को होर्मुज में दक्षिण कोरिया संचालित मालवाहक जहाज में हुए धमाके और आग की वजह दो अज्ञात 'फ्लाइंग

ऑब्जेक्ट' से हमला था। योनहाप न्यूज एजेंसी के अनुसार इस मुद्दे पर भी चर्चा हो सकती है। दक्षिण कोरिया की सरकार 2030 में समाप्त होने वाले राष्ट्रपति ली जे-म्युंग के कार्यकाल से पहले ओपीसीओएन वापस लेने की कोशिश कर रही है। रिपोर्ट्स के अनुसार, सरकार राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल में ही 2028 तक यह हस्तांतरण पूरा करना चाहती है। हालांकि, इस मुद्दे पर दोनों देशों के बीच मतभेद के संकेत भी मिले हैं। अमेरिका फोर्सेज कोरिया के कमांडर जनरल जेवियर ब्रनसन ने हाल ही में अमेरिकी कांग्रेस में कहा था कि दोनों देश 2029 की पहली तिमाही तक ओपीसीओएन हस्तांतरण की आवश्यक शर्तें पूरी करने का लक्ष्य रख रहे हैं। दक्षिण कोरिया ने 1950-53 के कोरियाई युद्ध के दौरान अपने सैन्य बलों का ऑपरेशनल कंट्रोल अमेरिका के नेतृत्व वाले संयुक्त राष्ट्र कमांड को सौंप दिया था। 1994 में उसने शांतिकालीन ऑपरेशनल कंट्रोल वापस ले लिया, लेकिन युद्धकालीन नियंत्रण अब भी अमेरिका के पास है। तीन चरणों वाली रूपरेखा के तहत ओपीसीओएन हस्तांतरण के लिए आवश्यक शर्तों में दक्षिण कोरिया के पास संयुक्त (कोरिया-अमेरिका) बलों का नेतृत्व करने की क्षमता, उसकी मिसाइल और वायु रक्षा क्षमता के साथ ही क्षेत्रीय सुरक्षा वातावरण का अनुकूल होना शामिल है। पिछले वर्ष हुई वार्षिक सिक्योरिटी कंसल्टेटिव मीटिंग में दोनों देशों ने ओपीसीओएन हस्तांतरण की प्रक्रिया तेज करने के लिए रोडमैप तैयार करने और तीन चरणों वाले कार्यक्रम के दूसरे हिस्से के प्रमाणीकरण पर सहमति जताई थी।बैठक में होर्मुज में हुए जहाज हमले पर भी चर्चा की संभावना है। इस घटना के बाद दक्षिण कोरिया मध्य पूर्व में तनाव कम करने के प्रयासों में अपनी भूमिका पर पुनर्विचार कर सकता है।

बहुराष्ट्रीय सैन्य अभ्यास में हिस्सा लेगा दक्षिण कोरियाई युद्धपोत, नौसेना ने की पुष्टि

एजेंसी

वाशिंगटन/सोल। दक्षिण कोरिया की नौसेना का युद्धपोत अगले दो महीनों में अमेरिका में आयोजित होने वाली फ्लीट रिव्यू और बहुराष्ट्रीय सैन्य अभ्यास में हिस्सा लेगा। दक्षिण कोरियाई नौसेना ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। नौसेना के आधिकारिक बयान के अनुसार, 4,400 टन वजनी आरओकेएस मुनमु द ग्रेट डिस्ट्रॉयर सोमवार को जेजू द्वीप स्थित नौसैनिक अड्डे से रवाना होगा। यह जहाज 3 से 8 जुलाई तक न्यूयॉर्क में आयोजित अंतरराष्ट्रीय फ्लीट रिव्यू में भाग लेगा। योनहाप न्यूज एजेंसी ने बताया कि इस फ्लीट रिव्यू में कनाडा, ब्रिटेन, जापान और स्पेन सहित लगभग 50 देशों के करीब 100 नौसैनिक जहाज शामिल होंगे।

फ्लीट समीक्षा से पहले यह युद्धपोत अगले महीने के अंत में बहुराष्ट्रीय फील्ड ट्रेनिंग में भी हिस्सा लेगा। यह अभ्यास अमेरिका के वर्जीनिया राज्य स्थित नॉरफॉक के

पूर्वी तट पर आयोजित होगा, जहां प्रमुख अमेरिकी नौसैनिक अड्डा स्थित है। इस सैन्य अभ्यास की मेजबानी अमेरिकी सेकेंड फ्लीट करेगी, जो अमेरिका के पूर्वी तट और उत्तरी अटलांटिक महासागर में संचालन के लिए जिम्मेदार है। प्रशिक्षण में ब्राजील, फ्रांस और ब्रिटेन सहित 18 देशों के लगभग 30 नौसैनिक जहाज हिस्सा लेंगे।

'मुनमु द ग्रेट' का नाम प्राचीन सिल्ला साम्राज्य (57 ईसा पूर्व-935 ईस्वी) के एक राजा के नाम पर रखा गया है। यह जहाज मैक्सिको और कोलंबिया के बंदरगाहों पर दक्षिण कोरिया के नौसैनिक जहाजों और हथियार प्रणालियों के प्रचार संबंधी गतिविधियां भी करेगा।

वापसी के दौरान यह विध्वंसक कोलंबिया के कार्टाजेना शहर और अमेरिका के सैन डिएगो बंदरगाह पर भी रुकेगा। वहां 1950-53 के कोरियाई युद्ध में दक्षिण कोरिया के साथ लड़ने वाले सैनिकों और पूर्व सैनिकों को सम्मानित करने के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

पश्चिम एशिया तनाव से नेपाल की अर्थव्यवस्था और मानव विकास पर संकट के बादल-रिपोर्ट

एजेंसी

काठमांडू। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) ने कहा है कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) में नेपाल की उपलब्धियां जोखिम में पड़ सकती हैं। यूएनडीपी की पश्चिम एशिया संघर्ष के प्रभाव पर ताजा अध्ययन रिपोर्ट में कहा गया है कि अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखला, रेमिटेंस प्रवाह और आयातित वस्तुओं पर अत्यधिक निर्भरता के कारण नेपाल के इस संघर्ष से प्रभावित होने की आशंका में है। यूएनडीपी की 'मिलिट्री एस्केलेशन इन द मिडल ईस्टः ह्यूमन डेवलपमेंट इम्पैक्ट्स अक्रॉस एशिया एंड द पैसिफिक' शीर्षक वाली प्रारंभिक मूल्यांकन रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि दो महीने से जारी संघर्ष लंबा खिंचता है तो नेपाल और पाकिस्तान को मानव विकास के क्षेत्र में सबसे अधिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। युद्ध के कारण खाड़ी क्षेत्र की अर्थव्यवस्था कमजोर होने से रेमिटेंस आय घट सकती है। इससे परिवारों की क्रय शक्ति कम होगी और खाद्य सुरक्षा पर अतिरिक्त दबाव पड़ेगा। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि युद्ध के कारण कृषि में व्यापक रूप से इस्तेमाल होने वाले फॉस्फेट उर्वरक के लिए आवश्यक सल्फर की ढुलाई बाधित हुई है। पेट्रोलियम पदार्थों के सह-उत्पाद सल्फर की कीमत और आपूर्ति में समस्या आने से नेपाल में धान उत्पादन पर असर पड़ सकता है, जो कृषि क्षेत्र का प्रमुख आधार है। रिपोर्ट में कहा गया है, 'नेपाल में रोजगार का जोखिम वैदेशिक श्रम प्रवासन से गहराई से जुड़ा हुआ है।

पाकिस्तानी सेना उग्रवाद और आतंकवाद को देती है शय, मकसद पड़ोसी देशों को नुकसान पहुंचाना: सिंधी नेता

एजेंसी

बर्लिन । भारत बरसों से पाकिस्तान पर आतंकवाद और उग्रवाद के बूते पड़ोसी मुल्कों को अस्थिर करने की कोशिशों का खुलासा करता आया है। ऐसा ही कुछ जेय सिंध मुत्तहिदा महाज (जेएसएमएम) के चेयरमैन शफी बुरफत ने कहा है। उन्होंने पाकिस्तानी सेना पर लंबे समय से धार्मिक कट्टरता और आतंकवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के राजनीतिक, आर्थिक, विचारधारा और सामाजिक क्षेत्रों पर मिलिट्री का लगातार दबदबा दक्षिण एशिया में लोकतंत्र, क्षेत्रीय शांति और लंबे समय की स्थिरता के लिए खतरा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बुरफत ने कहा, 'बार-बार चुने हुए प्रतिनिधियों को हटाकर, राजनीतिक नेताओं को फांसी देकर, असहमति जताने वालों को जेल में डालकर और देश निकाला देकर, और बिना चुने हुए कठपुतली शासकों को बिठाकर, सेना लगातार पर्दे के पीछे से काम करती आई है। उसका राजनीति, मीडिया, न्यायपालिका और अर्थव्यवस्था के बड़े क्षेत्रों में पूरा दखल है। '

उन्होंने आगे कहा, 'इस वजह से, मिलिट्री चीफ ने बार-बार नाटकीय बयानबाजी, आक्रामक भाषणों, ताकत का बढ़ा-चढ़ाकर प्रदर्शन और धार्मिक राष्ट्रवाद में निहित मनगढ़ंत विचारधारा के दावों के जरिए खुद को विजेता के तौर पर दिखाने की कोशिश की है। '

पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर को निशाने पर लेते हुए बुरफत ने कहा कि मुनीर के 'भावनात्मक रूप से उग्र अति-राष्ट्रवादी नारे, परमाणु धमकियां, और पड़ोसी देशों के खिलाफ आक्रामक बयानबाजी' रणनीतिक आत्मविश्वास या जिम्मेदार सैन्य नेतृत्व की छवि को प्रदर्शित नहीं करते। उन्होंने कहा कि ऐसे भाषण एक 'मिलिटराइज्ड स्टेट स्ट्रक्चर' (सेना के प्रभाव वाली राष्ट्रीय व्यवस्था) के आंतरिक विरोधाभासों, राजनीतिक कमजोरियों और गहन असुरक्षा को सामने लाते हैं, जिसने लंबे समय से 'डर, कृत्रिम धार्मिक राष्ट्रवाद, स्थायी संघर्ष और वैचारिक हेरफेर' को अपना दबदबा बनाए रखने के लिए एक टूल के तौर पर इस्तेमाल किया है। पाकिस्तान को एक 'अननेचुरल स्टेट स्ट्रक्चर' (बनावटी व्यवस्था) बताते हुए, सिंधी नेता ने आरोप लगाया कि देश के भ्रष्ट सैन्य प्रतिष्ठान ने चुने हुए प्रतिनिधियों को हटाकर, चुनावों में हेरफेर करके और असहमति को दबाकर बार-बार लोकतांत्रिक प्रक्रिया को कमजोर किया है।

उन्होंने आगे दावा किया कि सेना अहम सरकारी और न्यायिक फैसले को नियंत्रित करती है, पत्रकारों और बुद्धिजीवियों को डराती है, राजनीतिक विरोधियों को जेल में डालती है, और आज्ञाकारी राजनीतिक गुटों और चुनी गई सरकार को अपने नियंत्रण में रख अपरोक्ष रूप से शासन करती है।

बुरफत ने कहा, 'विश्व बिरादरी जानती है कि पाकिस्तान में लोकतांत्रिक आवाजों–जिनमें पत्रकार, विद्यार्थी, बुद्धिजीवी, राजनीतिक प्रतिद्वंदि, और राष्ट्रीय अधिकार समर्थक शामिल हैं–सरकारी एजेंसियों के लगातार दबाव में सेंसरशिप, जेल, जबरदस्ती गायब किए जाने, यातना, सियासी धमकी, और बोलने की आजादी पर पाबंदियों का सामना कर रही हैं। ' उन्होंने कहा कि भ्रष्ट पाकिस्तानी मिलिट्री 'कठपुतली शासकों' के जरिए संवैधानिक नियमों का उल्लंघन करती रहती है, जिससे स्थानीय समुदाय हाशिए पर और दबे हुए रह जाते हैं, जबकि कोर्ट, मीडिया संस्थान और चुने हुए प्रतिनिधि 'सेना के दबाव' में रहते हैं। बुरफत ने कहा, 'बड़े पैमाने पर ऐतिहासिक सबूत दिखाते हैं कि पाकिस्तान की सैना ने न सिर्फ चरमपंथी और आतंकवादी गुटों को संरक्षण दिया है, बल्कि पड़ोसी देशों के खिलाफ इलाके में अस्थिरता पैदा करने के लिए बार-बार उनका इस्तेमाल किया है। '

page 1 and 8 may 12_page 1 Mar 25 final ds.qxd 5/12/2026 1:04 AM Page 2

स्थानीय समाचार

ढोक खालसा में नशा मुक्ति क्रिकेट टूर्नामेंट आयोजित

जम्मू,, 11 मई (हि.स.)। नशा मुक्ति अभियान के तहत जोड़ियां क्षेत्र की पंचायत ढोक खालसा में सेना और स्थानीय युवाओं के संयुक्त सहयोग से क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल 14 टीमों ने भाग लिया।

टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला ढोक खालसा और गांव मैरा की टीमों के बीच खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए ढोक खालसा की टीम ने 10 ओवर में 99 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी मैरा की टीम 7 ओवर में 50 रन पर ऑल आउट हो गई जिसके साथ ढोक खालसा की टीम विजेता बनी।

इस टूर्नामेंट के आयोजक सरपंच काली दास थे। समापन समारोह में सेना के कर्नल हर्ष वर्धन पाठक और एसएचओ अखनूर रविंद्र सिंह जसरोटिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान कर्नल हर्ष वर्धन पाठक ने युवाओं को नशे से दूर रहकर खेल और सकारात्मक गतिविधियों से जुड़ने का संदेश दिया।

रियल फ्रूट बेवरेजेस के साथ अब बच्चे भी खुश और माता-पिता भी निश्चिंत

जम्मू और कश्मीर 11 मई। भारत का नंबर 1 जूस और नेक्टर ब्रांड, रियल, अपने रियल नेक्टर्स रेंज के माध्यम से बचों के लिए फलों का पोषण सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत कर रहा है। बिना नो एडेड प्रिजर्वेटिव्स और बेमिसाल स्वाद के साथ, यह रेंज माता-पिता को बचों की खान-पान संबंधी आदतों को बेहतर बनाने में मदद करती है। रियल फ्रूट बेवरेजेस बचों के लिए ब्रेकफास्ट, टिफिन या खेल-कूद जैसे कई मौकों पर एक बेहतरीन साथी साबित हो रहे हैं। यह बचों को फलों पर आधारित आवश्यक पोषण प्रदान करने का एक सुविधाजनक तरीका है, जो उन्हें दिन भर ऊर्जावान बनाए रखने में मदद करता है। इतना ही नहीं, रियल बचों के लिए कई विकल्प देता है—जैसे 9 फलों की शक्ति वाला रियल मिक्स फ्रूट, और अनार व ऑरेंज जिसमें 6 अनार और 6 संतरों की खूबियां हैं। क्वालिटी का यह भरोसा सुनिश्चित करता है कि नखरे करने वाले बचों को (नो एडेड प्रिजर्वेटिव्स) के फलों का लाजवाब स्वाद और पोषण मिले। डाबर इंडिया लिमिटेड की जी.एम. मार्केटिंग (फूड्स एंड बेवरेजेज), सुश्री मोनीषा पराशर ने कहा, फ्ररियल नेक्टर्स का यह लाजवाब स्वाद दुनिया भर के बेहतरीन बगीचों से चुने गए उच गुणवत्ता वाले फलों का परिणाम है। यह सुनिश्चित करता है कि खाने-पीने में नखरे करने वाले बचे भी अपने फलों के पोषण की दैनिक खुराक का आनंद ले सकें। इसके अलावा, रियल बिना किसी अतिरिक्त प्रिजर्वेटिव्स और बिना किसी कृत्रिम स्वाद के, हर घूँट में बेमिसाल ताज़गी प्रदान करता है।

बिश्नाह के गगन मोटन को राष्ट्रपति ने किया सम्मानित

जम्मू,, 11 मई । जम्मू के बिश्नाह क्षेत्र के गांव लसबाड़ा के युवा गगन मोटन को उनकी तकनीकी उपलब्धि के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा सम्मानित किया गया है। गगन ने फ्जी टेक्नोलॉजी एआईफ्र नामक एक अभिनव एप विकसित किया है जिसकी सराहना गूगल और राष्ट्रपति भवन द्वारा भी की गई है। गगन मोटन की इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल है। स्थानीय लोगों ने कहा कि गांव के युवा की यह सफलता अन्य विद्यार्थियों और युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। बताया जा रहा है कि गगन का विकसित किया गया एआई एप तकनीकी क्षेत्र में नई संभावनाओं को बढ़ावा देने वाला है। उनकी इस उपलब्धि को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलने से जम्मू-कश्मीर के युवाओं की प्रतिभा भी उजागर हुई है।

नशा मुक्त भारत अभियान के तहत पुलवामा में जागरूकता गतिविधियां और यात्राएं जारी

पुलवामा, 11 मई। नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान के तहत जारी 100 दिवसीय अभियान के अंतर्गत आज पुलवामा जिले में जागरूकता और जनसंपर्क गतिविधियां जारी रहीं। विभिन्न विभागों और हितधारकों ने नशे के दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक करने और स्वस्थ एवं नशामुक्त समाज को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कार्यक्रम आयोजित किए।

ब्लॉक अरिपाल की पंचायत गडपोरा में एक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया, जिसमें नशे की रोकथाम के लिए सामूहिक प्रयासों के महत्व पर चर्चा की गई। इस अवसर पर प्रतिभागियों ने नशामुक्ति शपथ ली और आम जनता को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराने हेतु पदयात्रा भी निकाली गई।

मजदूरों की जिंदगी में एक नए सवेरे का आगाज़ हो रहा है: शिवराज चौहान

मजदूर, किसान और गांव; तीनों को ताकत देगा नया ग्रामीण रोजगार कानून- शिवराज सिंह चौहान

नई दिल्ली 11 मई । भारत के ग्रामीण विकास इतिहास में एक बड़ा मील का पत्थर स्थापित करते हुए केंद्र सरकार ने आज 11 मई 2026 को विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) यानी VB-G RAM G Act के क्रियान्वयन की अधिसूचना जारी कर दी है, जिसे 1 जुलाई 2026 से पूरे देश में लागू किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि यह कानून ग्रामीण गरीब, श्रमिक परिवारों, महिलाओं, स्वयं सहायता समूहों और किसानों के जीवन में नई आशा, अधिक आय सुरक्षा और गांवों में बड़े पैमाने पर टिकाऊ विकास कार्यों का मार्ग खोलेगा।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज भोपाल में मीडिया से चर्चा के दौरान बताया कि विकसित भारत जी-राम जी अधिनियम की अधिसूचना जारी कर दी गई है और 1 जुलाई से ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार चाहने वाले मजदूर भाई-बहनों को अब साल में 100 नहीं, 125 दिन का रोजगार दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि बीच के समय में मनरेगा के सारे प्रावधान लागू रहेंगे और अधूरे काम 1 जुलाई के पहले तक मनरेगा के अंतर्गत ही पूरे किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि राज्यों से व्यापक स्तर पर सलाह-मशविरा कर नियम बनाने की प्रक्रिया जारी है, लेकिन सरकार की चिंता यह है कि ट्रांजिशन पीरियड में कोई भी मजदूर भाई-बहन रोजगार से वंचित न हो, और इसकी संपूर्ण व्यवस्था कर दी गई है।

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि विकसित भारत जी-राम जी के अंतर्गत अधिकांश राज्यों को अपेक्षित तैयारी के लिए अधिकतम छह माह का समय रहेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि 1 जुलाई तक कोई राज्य अपेक्षित तैयारी नहीं कर पाया, तो 1 जुलाई के बाद कामों का फंडिंग पैटर्न विकसित भारत जी-राम जी योजना के अंतर्गत होगा।

शिवराज सिंह ने कहा कि योजना के तहत रोजगार देने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत सरकार ने अपने बजट में 95,000 करोड़ रु. से अधिक की राशि का प्रावधान किया है। उन्होंने कहा कि राज्यों ने भी अपने-अपने बजट में इसे लागू करने के लिए प्रावधान किया है और केंद्र व राज्यों की कुल राशि 1,51,000 करोड़ रु. से अधिक होगी।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि मजदूरों को भुगतान DBT के माध्यम से उनके बैंक या डाकघर के खातों में किया जाएगा। कोशिश होगी कि तीन दिन के अंदर भुगतान हो, लेकिन अधिकतम 15 दिन के भीतर प्रक्रियाएं पूरी कर उनके खाते में पैसा पहुंच जाए। उन्होंने कहा कि 15 दिन के भीतर पैसा नहीं आने पर मजदूर भाई-बहन विलंबित भुगतान के पात्र होंगे और देरी से भुगतान करने पर अतिरिक्त राशि देनी पड़ेगी।

शिवराज सिंह ने कहा कि मांगने पर यदि रोजगार नहीं मिला, तो बेरोज़गारी भत्ता भी देना पड़ेगा। उन्होंने इसे मजदूरों के हित की व्यापक योजना बताते हुए कहा कि 1,51,000 करोड़ रु. से अधिक की सालाना धनराशि से गांवों में इंफ्रास्ट्रक्चर के काम बड़े पैमाने पर होंगे।

उन्होंने कहा कि जल संरक्षण, गांवों में अधोसंरचना, सड़क, पुल, पुलिया, स्कूल, आंगनवाड़ी भवन, खेतों से जुड़े जरूरी काम किए जा सकेंगे। आजीविका मूलक कार्यों के तहत स्वयं सहायता समूहों की दीदियों और एफपीओ के लिए वर्किंग शेड जैसी अधोसंरचनाएं भी बनाई जा सकेंगी। प्राकृतिक आपदाओं से बचाव के लिए नदी किनारे के गांवों या जलभराव वाले क्षेत्रों में रिटेनिंग वॉल जैसे कार्य भी इस योजना के अंतर्गत किए जा सकेंगे। उन्होंने कहा कि योजना के अंतर्गत काम करने वाले कर्मचारी साथियों को पर्याप्त और समय पर वेतन का भुगतान हो, इसके लिए प्रशासनिक व्यय को 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 9 प्रतिशत कर दिया गया है।

केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने विश्वास जताया कि मजदूरों की जिंदगी में एक नए सवेरे का आगाज़ हो रहा है और विकसित भारत के लिए विकसित गांव बनाने का संकल्प यह योजना पूरा करने में मील का पत्थर साबित होगी।

डीसी कुलगाम ने नशा मुक्त भारत अभियान के तहत मंजगाम में बास्केटबॉल प्रतियोगिता का उद्घाटन किया

कुलगाम, 11 मई। नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जारी गतिविधियों के तहत उपायुक्त (डीसी) कुलगाम Shahzad Alam ने आज मंजगाम में बास्केटबॉल प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। इसका उद्देश्य खेलों को बढ़ावा देना और युवाओं में नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाना है।

इस अवसर पर डीसी ने युवाओं को नशे से दूर रखने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने में खेलों तथा सकारात्मक सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम युवाओं को अपनी ऊर्जा और प्रतिभा को सकारात्मक दिशा में लगाने के लिए रचनात्मक मंच प्रदान करते हैं।

उन्होंने युवाओं से खेलों और सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी कर स्वस्थ एवं नशामुक्त समाज के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया।

बताया गया कि प्रतियोगिता में 16 टीमें भाग ले रही हैं, जो खेलों के माध्यम से चलाए जा रहे नशा विरोधी जागरूकता अभियान में स्थानीय युवाओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी को दर्शाता है।

इस अवसर पर एसडीएम नूराबाद बशीर उल हसन, तहसीलदार डी.एच. पोरा तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

100 दिवसीय नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान- शोपियां में सैकड़ों जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

शोपियां, 11 मई। जारी 100 दिवसीय नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान के अंतर्गत आज शोपियां जिले में सैकड़ों जागरूकता और जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में विद्यार्थियों, युवाओं, शिक्षकों, सहकारी समितियों के सदस्यों, सरकारी विभागों और नागरिक समाज के लोगों ने सक्रिय भागीदारी की।

दिनभर चले अभियान में शपथ ग्रहण समारोह, समूह चर्चा, खेल गतिविधियां, योग सत्र, पोस्टर प्रदर्शन अभियान, चित्रकला एवं परामर्श सत्र, सेमिनार, वाद-विवाद तथा जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनका उद्देश्य नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाना और नशामुक्त समाज को बढ़ावा देना था।

जिले के शैक्षणिक संस्थानों ने नशा विरोधी जागरूकता व्याख्यान, खेल गतिविधियां और सभा सत्र आयोजित कर विद्यार्थियों को सकारात्मक और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया।

इसी प्रकार सहकारी समितियों के सदस्यों, लंबरदारों और अन्य अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं ने व्यापारिक प्रतिष्ठानों, बाजारों, मेडिकल दुकानों, पेट्रोल पंपों और खेल मैदानों जैसे सार्वजनिक स्थलों पर जागरूकता गतिविधियों में भाग लिया।

ग्रामीण विकास विभाग, राजस्व विभाग, पोषण परियोजनाएं, आयुष, सहकारिता और कृषि संबद्ध विभागों सहित विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा भी विशेष जागरूकता अभियान चलाए गए।

डीसी शोपियां ने वीवीआईपी दौरे की तैयारियों को अंतिम रूप देने हेतु बैठक की अध्यक्षता की

शोपियां, 11 मई। उपायुक्त (डीसी) शोपियां Shishir Gupta ने आज मिनी सचिवालय शोपियां में 14 मई को प्रस्तावित वीवीआईपी दौरे की तैयारियों की समीक्षा और उन्हें अंतिम रूप देने हेतु एक बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में सुरक्षा, परिवहन, जनभागीदारी, पार्किंग सुविधा, जल एवं विद्युत आपूर्ति, सार्वजनिक संबोधन प्रणाली (पीएएस), स्वच्छता, स्वास्थ्य सेवाओं तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं पर विस्तृत चर्चा की गई और सभी संबंधित अधिकारियों को समय पर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक के दौरान डीसी ने सभी विभागाध्यक्षों को निर्देश दिए कि वे आपसी समन्वय और तालमेल के साथ सौंपे गए कार्यों को प्रभावी ढंग से पूरा करें ताकि कार्यक्रम का सफल और सुचारु आयोजन सुनिश्चित किया जा सके।

उन्होंने विभागों को निर्देशित किया कि वे अपने विभागीय कार्ययोजनाओं को पूरी तरह लागू करें तथा कार्यक्रम स्थल तक लोगों की सुगम आवाजाही और जनसंपर्क रणनीति को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम को सर्वोत्तम ढंग से आयोजित करें।

उन्होंने कार्यक्रम को समाज के सभी वर्गों की व्यापक भागीदारी के माध्यम से समावेशी और जीवंत बनाने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

यह कार्यक्रम युवाओं को खेल गतिविधियों से जोड़ने की दिशा में सरकार के प्रयासों का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, क्योंकि इस अवसर पर कुछ महत्वपूर्ण और महत्वाकांक्षी खेल आधारभूत संरचना परियोजनाएं जनता को समर्पित की जाएंगी।

बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी) डॉ. जाकिर हुसैन फाज़, परियोजना अधिकारी पोषण अभियान, महाप्रबंधक डीआईसी, एसीआर, एसीडी, एएसपी, विभिन्न विभागों के जिला एवं सेक्टर अधिकारी तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

संसदीय समिति ने श्रीनगर में रिवरफ्रंट और लाल चौक स्मार्ट सिटी परियोजनाओं का निरीक्षण किया

श्रीनगर, 11 मई। आवास एवं शहरी कार्यों संबंधी संसदीय स्थायी समिति ने रविवार को श्रीनगर के अध्ययन दौरे के दौरान स्मार्ट सिटी और शहरी विकास परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की।

यह दौरा वर्ष 2025-26 के कार्यक्रम के अंतर्गत जम्मू-कश्मीर में प्रमुख शहरी विकास पहलों के क्रियान्वयन का आकलन करने के उद्देश्य से किया गया।

दौरे के दौरान समिति के सदस्यों को शहरी आधारभूत संरचना, आवास, स्वच्छता और नगर सेवाओं से संबंधित परियोजनाओं की जानकारी दी गई। चर्चाओं में शहरी प्रशासन को मजबूत करने, नागरिक सुविधाओं में सुधार तथा भारत सरकार की प्रमुख योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर ध्यान केंद्रित किया गया।

समिति ने शहर के कई प्रमुख सार्वजनिक आधारभूत संरचना स्थलों, जिनमें झेलम रिवरफ्रंट, लाल चौक पब्लिक स्क्वायर और बलिदान स्तंभ शामिल हैं, का भी दौरा किया। यहां सदस्यों ने स्मार्ट सिटी परियोजना के अंतर्गत किए गए विकास और सौंदर्यीकरण कार्यों का निरीक्षण किया।

श्रीनगर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी फ़ाज़ लुल हसीब ने समिति को श्रीनगर में लागू की जा रही विभिन्न स्मार्ट सिटी पहलों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि परियोजनाओं का उद्देश्य सार्वजनिक स्थलों में सुधार, पैदल यात्रियों के अनुकूल आधारभूत संरचना, शहरी गतिशीलता में वृद्धि तथा नागरिक सुविधाओं को मजबूत करना है।

समिति के सदस्यों ने स्मार्ट सिटी कार्यक्रम के तहत किए गए कार्यों की सराहना की और टिकाऊ, समावेशी तथा नागरिक हितैषी शहरी विकास की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने शहर में नागरिक आधारभूत संरचना और सार्वजनिक सुविधाओं में और सुधार करने पर भी जोर दिया।

इस दौरे से समिति को श्रीनगर की स्मार्ट सिटी पहलों की प्रत्यक्ष जानकारी मिली, जिससे क्षेत्र में शहरी विकास और प्रशासन को मजबूत करने के लिए सिफारिशें तैयार करने में सहायता मिलेगी।

प्रकृति का उपचार, मन का उत्थान- भद्रवाह में एआईपीडब्ल्यूएस और सीआरपीएफ का वृहद पौधारोपण अभियान

अमीर इकबाल खान

भद्रवाह, 11 मई । पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए ऑल इंडिया पीपुल्स वेलफेयर सोसायटी (एआईपीडब्ल्यूएस) और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 33वीं बटालियन ने सोमवार को उप जिला अस्पताल भद्रवाह परिसर में वृहद पौधारोपण अभियान चलाया।

हरित कल के लिए युवा दृष्टि विषय पर आयोजित यह अभियान राष्ट्रीय स्तर पर चलाए जा रहे नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत संपन्न हुआ। अभियान के दौरान अस्पताल परिसर को हरित और सकारात्मक वातावरण प्रदान करने के उद्देश्य से 23 से अधिक बड़े सजावटी गमले भेंट किए गए, जिनमें विभिन्न प्रजातियों के फूलदार पौधे लगाए गए।

एआईपीडब्ल्यूएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमीर इकबाल खान के मार्गदर्शन में आयोजित इस अभियान का संचालन संस्था के अध्यक्ष जफ्फर हुसैन वानी के नेतृत्व में स्वयंसेवकों की टीम ने किया।

इस अवसर पर जफ्फर हुसैन वानी ने कहा कि यह अभियान केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह युवाओं की पर्यावरण के प्रति बदलती सोच और जिम्मेदारी का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि एआईपीडब्ल्यूएस एक सामाजिक रूप से उत्तरदायी संगठन होने के नाते सतत विकास को बढ़ावा देने तथा पर्यावरण संरक्षण और नशा उन्मूलन जैसी दोहरी चुनौतियों से निपटने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है।

कार्यक्रम में अस्पताल के चिकित्सकीय एवं प्रशासनिक कर्मचारियों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिससे स्वास्थ्य सेवा और पर्यावरण संरक्षण के बीच एक सकारात्मक समन्वय देखने को मिला।

उप जिला अस्पताल भद्रवाह की ब्लॉक मेडिकल अधिकारी डॉ. वर्षा शर्मा ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि एआईपीडब्ल्यूएस क्षेत्र में सामाजिक सेवा का मजबूत स्तंभ बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि रक्तदान शिविरों के आयोजन से लेकर स्वच्छता अभियान और पौधारोपण कार्यक्रमों तक, संस्था की टीम हमेशा अग्रणी भूमिका निभाती रही है। डॉ. शर्मा ने कहा कि स्वयंसेवकों का यह समर्पण युवाओं को नशामुक्त और स्वस्थ समाज निर्माण के लिए प्रेरित करेगा।

कार्यक्रम में 33वीं बटालियन सीआरपीएफ के कमांडेंट एजाज अहमद, उद्यान विकास अधिकारी रोहन कुमार सहित कई स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भी भाग लिया।एआईपीडब्ल्यूएस के महासचिव उमर फारूक टाक, कोषाध्यक्ष मोहम्मद सलीम बट, महिला विंग अध्यक्ष अफरोजा बेगम तथा कार्यक्रम आयोजक अनिकैत शर्मा भी अभियान को सफल बनाने में उपस्थित रहे।

अभियान के समापन पर सभी प्रतिभागियों और अस्पताल कर्मचारियों ने लगाए गए पौधों की देखभाल करने तथा हरित अभियान को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प लिया, ताकि स्वच्छ, स्वस्थ और हरित समाज के निर्माण की दिशा में सामूहिक प्रयास जारी रह सकें।